हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

ड्रोन से पहली बार देखिए, नए सदन में कैसे बैठेंगे हमारे विधायक

नया विधानसभा भवन भव्य और अनूठा...

बैठ सकेंगे 200 विधायक, अभी 90, इसलिए पांच की जगह टेबल की सिर्फ तीन कतार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का निर्माण बेहद भव्य और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान रखते हुए किया गया है। यहां 200 विधायकों के बैठने की व्यवस्था की जा सकती है, लेकिन वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 90 विधायक ही हैं, इसलिए विधायकों की बैठक व्यवस्था अब और व्यवस्थित होगी। वर्तमान विधानसभा में पांच मेजों की कतार में विधायकों के बैठने की व्यवस्था है। नए भवन में पहले सत्र से ही तीन मेजों की कतार में विधायक बैठ सकेंगे। इस तरह सदन खाली भी नहीं दिखेगा और विधायकों की बैठक व्यवस्था के लिए पर्याप्त स्थान भी मिल सकेगा। विधानसभा सचिवालय ने विधायकों की संख्या के मुताबिक बैठक व्यवस्था को लेकर अभी से तैयारियां शुरु कर दी है। वर्तमान में पीएम के कार्यक्रम के मद्देनजर पांच-पांच मेजों की कतार सत्तापक्ष और विपक्ष ▶▶| शेष पेज 7 पर

छत पर धान की बालियां

विधानसभा भवन की खासियत यह है कि यहां की सांस्कृतिक झलक के साथ छत्तीसगढ़ की जिनसे पहचान होती है, उनको पूरी तवज्जो दी गई है। छत पर धान की बालियां उकेरी गई हैं, जो छत्तीसगढ़ की न केवल आर्थिक रीढ़ से जुड़ा हुआ है बल्कि किसान बहुल इस प्रदेश की अस्मिता को छूता है।

हर कदम पर पीएमओ की नजर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 नवंबर को 11.45 बजे विधानसभा परिसर में दाखिल होंगे। 12.10 बजे तक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल होंगे। 12.15 से 1.15 बजे तक विधानसभा भवन का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में लेटलतीफी न हो, इसलिए पीएमओ के अफसर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पीएम के पहुंचने से लेकर रवानगी तक हर मिनट का रिहर्सल किया गया है।

विकास की गाथाएं लिखी जाएंगी

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह नए भवन का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान हरिभूमि

से बातचीत में उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश विधानसभा के मिंटो हॉल से लेकर नए विधानसभा तक लंबी यात्रा रही। नए विधानसभा भवन से प्रदेश के विकास की नई गाथाएं लिखी जाएंगी। नई विधानसभा भवन का निर्माण प्रदेश की संस्कृति और परंपरा के अनुरुप किया गया है। बस्तर के सागौन से यहां फर्नीचर का निर्माण किया गया है। छत्तीसगढ़ के ही श्रमिकों ने इस भव्य भवन का निर्माण किया है।

महीनेभर में होगी शिफ्टिंग

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का शुभारंभ होते ही यहां शिफ्टिंग की प्रक्रिया शुरु कर दी जाएगी। विधानसभा का शीतकालीन सत्र इसी भवन में होगा। यही वजह है, विधानसभा सचिवालय ने लोकार्पण समारोह के बाद शिफ्टिंग की तैयारी शुरु कर दी है। महीनेभर के भीतर ही नए विधानसभा में सभी विभागों की शिफ्टिंग हो जाएगी। इसलिए वर्तमान भवन में फाइलों को समेटने की प्रक्रिया शुरु की जा चुकी है।

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹86708/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹105900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹115599/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

आंध्रप्रदेश में महिला की मौत, ओडिशा में भारी भू-स्खलन, कई राज्यों में अलर्ट

चक्रवात 'मोंथा' का रौद्र रूप

भारी बारिश से 120 ट्रेनें-52 उड़ानें रद्द

- छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों में एनडीआरएफ की टीमें
- आंध्र प्रदेश के सात जिलों में भारी बारिश, आवाजाही बंद
- आंध्र सरकार ने 800 से अधिक राहत केंद्र किए स्थापित

प्रचंड चक्रवाती तूफान 'मोंथा' आंध्र प्रदेश के तट से टकरा गया। इसका असर आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल और ओडिशा में देखा गया। कई जगह पेड़ उखड़ गए। आंध्र में समुद्री लहरों से कई घर गिर गए। एक महिला मौत हो गई। मोंथा के कारण छत्तीसगढ़ में दिनभर बादल छाये रहे और बूंदाबांदी होती रही। तूफान को लेकर आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी में एनडीआरएफ की 25 टीमें तैनात की गई हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/अमरावती

आंध्र प्रदेश के तट से भीषण चक्रवाती तूफान मोंथा के टकराने के बाद करीब 4 घंटे तक लैंडफाल जारी रहा। ऐसे में मछलीपट्टनम और काकीनाडा में अलर्ट जारी किया गया। इसी के साथ तमिलनाडु के पुडुचरी में भी तूफान का असर देखा गया। इस तूफान का प्रभाव ओडिशा और छत्तीसगढ़ तक देखने को मिला। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने मंगलवार शाम 7:23 बजे सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने आधिकारिक हैंडल पर किए एक पोस्ट में कहा कि ▶▶| शेष पेज 7 पर

पश्चिम बंगाल में ऐसा अनुमान

'मोंथा' के प्रभाव से पश्चिम बंगाल के दक्षिणी जिलों में 31 अक्टूबर तक भारी बारिश की संभावना जताई है। उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पुरुलिया, बर्दवान, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिलों में भारी बारिश हो सकती है। उत्तर बंगाल के जिलों दार्जिलिंग, कालिमपोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में शुक्रवार को बहुत भारी बारिश (7 से 20 सेमी) की संभावना है।

चंद्रबाबू ने जारी किया निर्देश

चक्रवात मोंथा पर एक समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लोगों को वास्तविक समय में सूचित करने का निर्देश दिया।आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अपील करते हुए लोगों से कहा है कि वे किसी भी हालत में घर से बाहर नहीं निकलें। यदि आवश्यक हो तो नियंत्रण कक्ष को सूचित जरूर करें।

आंध्रप्रदेश में उड़ानों पर असर

मंगलवार को विशाखापत्तनम हवाई अड्डे से संचालित होने वाली कुल 32 उड़ानें रद्द कर दी गईं। 27 अक्टूबर को एअर इंडिया एक्सप्रेस की दो उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। इसी तरह, विजयवाड़ा हवाई अड्डे ने आज 16 उड़ानें रद्द कर दीं लेकिन पांच उड़ानें संचालित कीं। इसी तरह, तिरुपति हवाई अड्डे पर चार उड़ानें रद्द कर दी गईं।

केंद्रीय मंत्री ने की समीक्षा

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चक्रवात मोंथा के लिए रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की। वैष्णव ने संबंधित रेलवे जोन को भारत के पूर्वी तट पर चक्रवात के प्रभाव की आशंका के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया। इसमें कहा गया कि रेल मंत्री ने प्रमुख कार्य बिंदुओं पर चर्चा की, जैसे कि मंडल स्तरीय 'वॉर रूम' को सक्रिय करना, आवश्यक सामग्री, मशीनरी और मानव शक्ति तैयार रखना, विशेष रूप से विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और गुंटूर मंडलों में, साथ ही यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए ट्रेन परिचालन की निगरानी करना।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू आज राफेल से भरेंगी उड़ान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को हरियाणा के अंबाला में

राफेल लड़ाकू विमान से उड़ान भरेंगी। राष्ट्रपति ने आठ अप्रैल, 2023 को असम के तेजपुर वायु सेना अड्डे पर सुखोई-30 लड़ाकू विमान से उड़ान भरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को हरियाणा के अंबाला जाएंगी।

मोबाइल पर नंबर के साथ दिखेगा कॉलर का नाम

नई दिल्ली। 'कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन' नाम की सर्विस पर ट्राई और दूरसंचार विभाग में सहमति बनी है। अब अननोन नंबर से कॉल आने पर आपके मोबाइल स्क्रीन पर कॉलर के नंबर के साथ ही उसका नाम भी दिखेगा। वो भी बिना किसी एप यूज किए। यह नाम वही होगा जो यूजर ने मोबाइल नंबर कनेक्शन लेते समय आईडी प्रूफ में दिया होगा। यह डिफाल्ट सुविधा होगी।

कोल्ड्रिफ सिरप कंपनी का एमआर गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। पुलिस ने कथित तौर पर जहरीला कोल्ड्रिफ सिरप बनाने वाली कंपनी के एक मेडिकल प्रतिनिधि को गिरफ्तार किया है। इस सिरप के कारण मध्यप्रदेश में 24 बच्चों की मौत होने का संदेह है। प्रतिबंधित मिलावटी कफ सिरप तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मा कंपनी द्वारा बनाया जाता था। मौतों के बाद, तमिलनाडु सरकार ने श्रीसन फार्मा का निर्माण लाइसेंस रद्द कर दिया।

डॉक्टर और नर्स पर लापरवाही का आरोप

दो माह के मासूम को लगाए पांच इंजेक्शन, ओवरडोज से हो गई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

सर्दी-जुकाम से पीड़ति मासूम को डॉक्टर के कहने पर नर्स ने एक के बाद एक पांच इंजेक्शन लगा दिए। परिजन मना करते रहे पर नहीं माने, ऐसे में दो माह के मासूम की ओवरडोज से मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर एवं स्टाफ नर्स पर लापरवाही से इलाज करने का ▶▶| शेष पेज 7 पर

ऑक्सीजन लेवल कम था

बच्चा निमोनिया से ग्रस्त था, शनिवार को परिजन दिखाने आये थे। जिन्हें बताया गया था, बच्चे का ऑक्सीजन लेवल कम है। परिजन पांच इंजेक्शन लगाने की बात कह रहे, लेकिन बच्चे को तीन इंजेक्शन, पैरासिटामाल और विटामिन का डोज दिया गया था। घटना की जानकारी लेने आवापल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जा रहा हूं।

डॉ. बुधराम पुजारी, जिला मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी, बीजापुर

सीएम साय ने उगते सूर्य को दिया अर्घ्य

प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने मंगलवार छठ महापर्व त्योहार के अवसर पर जशपुर के कुनकुरी छठ घाट में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को छठ पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज बड़े ही सौभाग्य का दिन है कि मुझे अपने विधानसभा क्षेत्र में छठ पर्व में शामिल होने का अवसर मिला।

टूटी खाट-टूटी उम्मीदें ...पिता ने पूछा- समर्पण से कितना पैसा मिलेगा

पुत्र के नक्सली होने की कीमत परिवार ने चुकाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| विजय पाण्डेय/ कांकेर

अलग खबर

उत्तर बस्तर का घना जंगल, जहां कभी आदिवासी संस्कृति की गूंज सुनाई देती थी, वहाँ कई सालों से बंदूकों की आवाज और सुरक्षा बलों के कदमों की आहट से कांप उठता था। इसी इलाके में सक्रिय नक्सली संगठन की कंपनी नंबर 5 का कमांडर बताया जाने वाला राजू सलाम पिछले कई वर्षों से पुलिस के लिए सिरदर्द बना रहा। वह अब 12 दिन पहले पुलिस के सामने समर्पण कर दिया, लेकिन दिलचस्प और विडंबनापूर्ण पहलू यह है कि कमांडर राजू का नाम बड़े स्तर पर पुलिस फाइलों में दर्ज है, उसके अपने घर की हालत ▶▶| शेष पेज 7 पर

पिता को इंतजार, पैसा लेकर आएगा बेटा

कमांडर के पिता का कहना था कि पूरा घर बड़ा बेटा चलाता है। हरिभूमि से पूछा कि समर्पण करने पर कितना पैसा मिलेगा। उनको बताया गया कि 25 लाख का इनाम घोषित है। यह राशि मिलेगी, उसके अलावा जमीन के लिए जो नियम है, उसके अनुसार जमीन भी मिलेगी। इसके अलावा अन्य सुविधा देने का प्रावधान है।

एक साल पहले आया था मिलने

दुखी मन से राजू सलाम के पिता ने बताया कि जब वो आठवीं में था, तभी नागेश उसे अपने जाल में फंसाकर ले गया, यह साल 2002 रहा होगा। कई साल तक हम लोग नहीं जानते थे, वो कहाँ है। अखबारों में पढ़ा तब उसके बारे में जानकारी मिलने लगी। एक साल पहले मिलने आया था, घर के अंदर अकेले आया था और बाहर उसके साथी लोग खड़े थे। मैने उसे बहुत डांटा, परंतु उसने कुछ नहीं बोला और ▶▶| शेष पेज 7 पर

चार दशक से सक्रिय सीसीएम व एससीएम ने तेलगांना डीजीपी के समक्ष किया समर्पण

जगदलपुर। नक्सल संगठन में 45 वर्ष से सक्रिय केन्द्रीय कमेटी मेंबर पुल्लरी प्रसाद राव व स्टेट कमेटी मेंबर बण्डी प्रकाश ने मंगलवार को तेलगांना के डीजीपी शिवधर रेड्डी के समक्ष समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। लगातार शीर्ष नक्सलियों के समर्पण से नक्सल सगंठन को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। जानकारी के मुताबिक दोनों बड़े नक्सल नेता चार दशक से अधिक समय से नक्सल ▶▶| शेष पेज 7 पर

हथियार डालने का किया था ऐलान

बंडी प्रकाश सिंगरेनी कोलबेल्ट कमेटी में भी सचिव के पद पर सक्रिय थे। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पोलित ब्यूरो सदस्य वेणुगोपाल उर्फ सोनू दादा के आत्म समर्पण के ▶▶| शेष पेज 7 पर

www.cvru.ac.in Follow us on:

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Chhattisgarh, Bilaspur | AN AISECT GROUP UNIVERSITY

Approved by : PCI | AICTE | NCTE | BCI | Member of : AIU | Recognized by : UGC | A NAAC Accredited University

REACH THE HEIGHTS OF SUCCESS

ACCREDITED WITH GRADE A NAAC

ADMISSIONS OPEN [SESSION-2025-26]

FACULTY OF PHARMACY

D.Pharm

B.Pharm

M.Pharm
- Pharmaceutics
- Pharmacology
- Pharmaceutical Chemistry

B.Pharm Lateral Entry

Admission through CGDTE Counselling

B.Tech | Polytechnic Diploma | M.Tech | B.VOC | M.VOC
UG Diploma in Fire Safety Management
B.Sc. | M.Sc. | PGDRD
UG Programme in Nutrition & Dietetics
M.Sc. (IT) | M.Sc. (CS) | P. G.D.C.A. | B.C.A. | D.C.A.
B.A. | PERFORMING & FINE ARTS (B.P.A. | M.P.A.)
M.A. | B.Lib. | M.Lib. | M.S.W. (Social Work) | B.J. | M.J.
B.Ed. | M.Ed. | B.P.E.S. | M.P.E.S.
LL.M. | LL.B. | B.A. (LL.B.) | B.Com.(LL.B.)
B.B.A. | M.B.A. | PGDBM | B.Com. | M.Com.

Top Recruiters of AGU

More than 500 Companies for Placements and Internships Offering up to 10 Lakh Package

Approvals & Recognition From Regulatory Bodies

University is recognized by 2(f) under section 22 of UGC (University Grant Commission) Act 1956
BCI (Bar Council of India)
AICTE (All India Council of Technical Education) Bilaspur
NCTE (National Council for Teacher Education)
University is Approved by CGPURC (Chhattisgarh Private University Regulatory Commission)
PCI (Pharmacy Council of India,
University Grants Commission (UGC) Distance Education Bureau

Special Features:
- Accredited by NAAC
- Chhattisgarh's first private university
- Skill Courses offered by PMKK in the University
- 100+ Industry Collaborations for a strong industry academia relationship.
- Fully Automated Central Library
- 12 Centre of Excellence in the field of Art & Culture, Biotechnology, Green Energy, Performing Arts, Future & high end skills and many more
- Sprawling 70-acre campus surrounded by lush greenery
- Diverse student base from 8 states

SCAN QR CODE FOR ADMISSION ENQUIRY

ADMISSION HELPLINE FOR REGULAR PROGRAMMES
6261-900581, 6261-900582

Add: Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.)
E-Mail : info@cvru.ac.in, admissions@cvru.ac.in

City Office: Dr. C.V. Raman University, Infront of Pallav Bhavan, Ring Road No.2, Bilaspur (C.G.) Ph. 07752-448799, Mo. 9109028878

रायपुर

बुधवार, 29 अक्टूबर 2025

कार्तिक शुक्ल पक्ष अष्टमी

वर्ष : 24, अंक : 100

पृष्ठ : 14+4+4 = 22 मूल्य : 5.00**

मौसम

अधि. 29.2

न्यून. 24.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 स्मृति ने हासिल की कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ...

विचार पेज

4 शताब्दी का पर्व, राष्ट्र चेतना का उत्सव

- केंद्रीय मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला केंद्रीय कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले
- 50 लाख कर्मचारी और 69 लाख पेंशनधारकों को होगा लाभ

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को आठवें वेतन आयोग के गठन से संबंधित नियमों एवं शर्तों को मंजूरी दे दी। आयोग की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई करेंगी। आयोग की अनुशंसाओं के आधार पर केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन एवं पेंशन ढांचे में बदलाव एक जनवरी, 2026 से प्रभावी हो जाने का अनुमान है।

आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी, रंजना करेंगी अध्यक्षता, 1 जनवरी से नया वेतनमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

वेतन आयोग की सिफारिशों से लगभग 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारी और 69 लाख पेंशनधारक लाभान्वित होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आठवें वेतन आयोग के गठन से संबंधित नियमों एवं शर्तों को मंजूरी दी गई। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को इस फैसले की जानकारी दी।

वेतन आयोग केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और अन्य सुविधाओं में संशोधन संबंधी सिफारिशें करेगा। आयोग को अपने गठन की तारीख से 18 माह के भीतर अंतिम रिपोर्ट और उससे पहले अंतरिम रिपोर्ट पेश करनी होगी। मंत्रिमंडल का यह निर्णय आयोग को स्थापित करने की जनवरी, 2025 में दी गई सैद्धांतिक मंजूरी के नौ माह बाद आया है। यह फैसला बिहार विधानसभा के लिए छह एवं 11 नवंबर को होने वाले मतदान के ▶▶|शेष पेज 7 पर

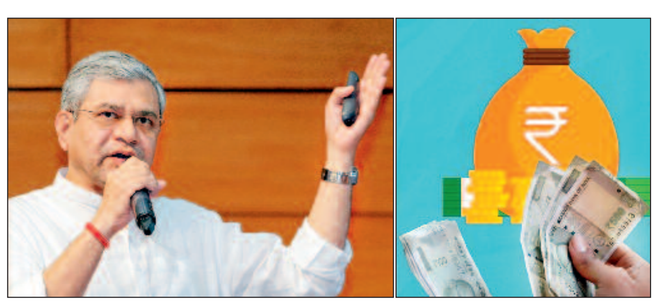

10 साल में वेतन आयोग

आमतौर पर हर 10 वर्ष के अंतराल पर केंद्रीय कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग की सिफारिशें लागू की जाती हैं। इस परिपाटी को देखते हुए आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के भी जनवरी, 2026 से लागू किए जाने की संभावना है। सातवां वेतन आयोग फरवरी, 2014 में गठित हुआ था और उसकी सिफारिशें एक जनवरी, 2016 से लागू की गई थीं।

1 जनवरी 2026 से लागू होने की उम्मीद- वैष्णव

सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आठवां वेतन आयोग 18 महीने के भीतर सिफारिशें प्रस्तुत करेगा, जो 1 जनवरी 2026 से लागू होने की संभावना है। मंत्री ने बताया कि आयोग की सिफारिशें रक्षा सेवा कर्मियों और लगभग 69 लाख पेंशनभोगियों सहित लगभग 50 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों को कवर करेंगी।

हर छह महीने में महंगाई भत्ता

केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन की क्रय शक्ति में महंगाई के कारण होने वाली गिरावट की भरपाई के लिए उनके महंगाई भत्ते में हर छह महीने पर बढ़ोतरी की जाती है। इसी के अनुरूप बदलाव सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी जाने वाली महंगाई राहत में भी किया जाता है। इसके अलावा राज्यों में भी सरकारें अपने कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों के लिए केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर बदलाव करती हैं।

इधर, किसानों को सौगात

पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना को मिली मंजूरी

केंद्रीय कैबिनेट ने चालू रबी सीजन (2025-26) के लिए पोषक तत्व आधारित 37,952 करोड़ रुपये की सब्सिडी योजना को भी मंजूरी दे दी है। सरकार ने प्रति किलोग्राम के आधार पर नाइट्रोजन (एन), फास्फोरस (पी), पोटाश (के) और सल्फर (5) के लिए सब्सिडी अधिसूचित की है। वैष्णव ने बताया कि इस रबी के लिए सब्सिडी दरें पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 14,000 करोड़ रुपये अधिक रखी गई हैं। ये दरें पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना के तहत तय की गई हैं, जिसमें आयात कीमतों, पोषक तत्वों की मांग, सब्सिडी भार और अधिकतम खुदरा मूल्य जैसे कारकों को ध्यान में रखा गया है। नई सब्सिडी दरें 1 अक्तूबर से लागू होंगी। एनबीएस सब्सिडी व्यवस्था के अंतर्गत 28 ग्रेड के पी और के उर्वरक शामिल हैं।

तय सब्सिडी दरें

- नाइट्रोजन : 43.02 प्रति किलो
- फॉस्फोरस : 47.96 प्रति किलो
- पोटाश : 2.38 प्रति किलो
- सल्फर : 2.87 प्रति किलो

बाइक से आए तीन नकाबपोशों ने सात पर की 15 राउंड फायरिंग, दो घायल

मस्तूरी पुराना बस स्टैण्ड नहर के पास हुई वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

मस्तूरी पुराना बस स्टैण्ड के पास एक आफिस के बाहर बैठे 7 लोगों पर बाइक से पहुंचे तीन नकाबपोशों ने अंधाधुंध 14 से 15 राउंड फायरिंग कर दी और भाग गए। गोली लगने से दो लोग घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए अपोलो हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस गोली चलाने वाले नकाबपोशों की तलाश कर रही है। मस्तूरी टीआई हरीशचंद्र टाण्डेकर ने बताया, 28 अक्टूबर की शाम 6 बजे मस्तूरी पुराना बस स्टैण्ड चौक नहर के सामने तुकेश सिंह ठाकुर के आफिस के बाहर किरारी निवासी किसान चंद्रकांत सिंह, बस स्टैण्ड में काम ▶▶|शेष पेज 7 पर

- मौके पर मिले 14 नग खाली खोखे

गोली चलने का कारण स्पष्ट नहीं

मस्तूरी पुराना बस स्टैण्ड के पास एक आफिस के बाहर बैठे लोगों पर बाइक सवार नकाबपोशों के द्वारा फायरिंग की गई है। दो लोगों को गोली लगी है। उनका अपोलो में इलाज चल रहा है। गोली चलने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। नकाबपोशों की तलाश की जा रही है।

-अर्चना झा एडिशनल एसपी ग्रामीण

सुपारी किलिंग की आशंका

जिस अंदाज से नकाबपोशों ने फायरिंग की है, इससे सुपारी किलिंग की आशंका जताई जा रही है। फायरिंग करने वाले शूटर हो सकते हैं। मस्तूरी क्षेत्र में ठाकुर परिवार का दबदबा है। इससे पुरानी रंजिश में सुपारी देकर फायरिंग कराने की आशंका जताई जा रही है।

पूर्व में मैग्नेटो मॉल के पास हुआ था खूनी संघर्ष

पूर्व में मस्तूरी किरारी निवासी कांग्रेसी नेता नितेश सिंह व मोहतरा निवासी विश्वजीत के गुटों में बिलासपुर स्थित मैग्नेटो मॉल के पास जमकर विवाद हुआ था। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर जानलेवा हमला कर दिया था। उक्त मामले में दोनों पक्ष जेल गए थे। इसके अलावा पिछले पंचायत चुनाव के दौरान भी ठाकुर के परिवार के साथ उक्त गुट का जमकर विवाद होने की चर्चा है। दोनों गुटों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। एक गुट को शहर के एक चर्चित बदमाश का संरक्षण मिलने की चर्चा जोरों पर है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

शिक्षकों के 4708 पदों पर होगी भर्ती, व्यापम लेगा परीक्षा

प्रदेश में शिक्षकों के 30 हजार पदों पर होगी भर्ती, पहले चरण में 4708 पद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में शिक्षकों के 4708 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। वित्त विभाग से मंजूरी मिलने के बाद यह आदेश जारी किया गया है। सरकार द्वारा शिक्षकों के 30 हजार पदों पर भर्ती का ऐलान किया गया था, लेकिन पहले चरण में 5 हजार शिक्षकों की ही भर्ती होगी। जारी आदेश के अनुसार, व्याख्यता कंप्यूटर के 146 पद और योग प्रशिक्षक के 146 पदों को घटाते हुए शेष 4708 पदों पर भर्ती होगी। ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

परीक्षा ड्राफ्ट को पहले ही मंजूरी

शिक्षकों के लिए भर्ती परीक्षा व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा ली जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग से अनुमति मिलने के बाद व्यापम को परीक्षा के लिए खत लिखा जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग परीक्षा के ड्राफ्ट को पहले ही मंजूरी दे चुका है। व्यापम द्वारा अगले वर्ष के लिए कैलेंडर जारी किया जा चुका है। आने वाले परीक्षा संबंधित प्रस्ताव के लिए व्यापम ने तीन तिथियां आरक्षित रखी हुई हैं। आरक्षित की गई इन तिथियों के पूर्व भर्ती परीक्षा आयोजित करने संबंधित खत प्रेषित किए जाने की स्थिति में व्यापम द्वारा पृथक तिथि जारी की जाएगी।

आईआईटी कानपुर के सहयोग से सरकार का पहला ट्रायल

दिल्ली में नहीं हुई कृत्रिम बारिश, 'आप' का तंज, जो 2-3 बादल थे, वह भी चले गए

नई दिल्ली। प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए दिल्ली सरकार ने कृत्रिम बारिश का सफल परीक्षण किया, लेकिन बारिश नहीं हुई। इस पर दिल्ली सरकार की ओर से कहा गया है कि आईएमडी द्वारा पूर्वानुमानित नमी की मात्रा 10-15 प्रतिशत कम थी, जो क्लाउड सीडिंग के लिए आदर्श नहीं है। साथ ही बताया कि दिल्ली में क्लाउड सीडिंग परीक्षणों से उन स्थानों पर पार्टिकुलेट मैटर को कम करने में मदद मिली, जहां यह प्रक्रिया की गई थी। इधर, आप नेता सौरभ भारद्वाज ने वीडियो बनाकर दिल्ली सरकार के इस ट्रायल का मजाक उड़ाया। हंसते हुए कहा, 4:30 बज चुके हैं, बारिश नहीं है। उन्होंने कहा, 2-3 बादल थे, वे भी चले गए। बारिश में भी फर्जीवाड़ा, कृत्रिम वर्षा का कोई नामोनिशान नहीं दिख रहा है। इन्होंने सोचा होगा देवता इंद्र करेंगे वर्षा, सरकार दिखाएगी खर्चा।

निजी स्लीपर बस में सवार थे 50 मजदूर

हाईटेंशन लाइन की चपेट में बस, 2 की मौत, 12 झुलसे

एजेंसी ▶▶| जयपुर

जयपुर जिले के मनोहरपुर इलाके में मंगलवार को निजी स्लीपर बस में बिजली के तारों के संपर्क में आने के बाद आग लग गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य घायल हो गए। बस में 50 से ज़्यादा मजदूर सवार थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल सिंह ने बताया कि

बस उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से मजदूरों को लेकर मनोहरपुर स्थित एक ईंट भट्टा जा रही थी। बस की छत पर मोटरसाइकिल, साइकिल सहित दूसरा घरेलू सामान रखा था।

बस में बाइक की होगी जांच

जयपुर की संभागीय आयुक्त पूनम ने कहा कि इस बात की जांच की जा रही है कि बस में सिलेंडर और बाइक जैसी चीजें कैसे ले जाई जा रही थीं। उन्होंने कहा कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। राजस्थान में जैसलमेर बस हादसे के बाद एक पखवाड़े के भीतर अपनी तरह का यह दूसरा हादसा है।

विमानन सुरक्षा केंद्र होगा स्थापित

देश में विमान हादसों को रोकने की बड़ी तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विमान हादसों की जांच करने वाले अधिकारियों और विमानन पेशेवरों को वैश्विक मानकों पर प्रशिक्षण देने के लिए देश में एक राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र स्थापित किया जाएगा। एएआईबी के महानिदेशक जी वी जी युगांधर ने बताया कि दुनियाभर में विमान हादसे की जांच करने वाली एजेंसियों के सामने प्रशिक्षित जांचकर्ताओं ▶▶|शेष पेज 7 पर

260 लोगों की स्मृति में मौन

उद्घाटन कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए 260 लोगों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। इस हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो कर रहा है। एएआईबी के महानिदेशक जी वी जी युगांधर ने कहा कि विभिन्न देशों में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की सिफारिशों का कार्यान्वयन अब भी एक 'अस्पष्ट क्षेत्र' बना हुआ है।

अगर हम अपने डॉक्टरों का ध्यान नहीं रखेंगे तो समाज हमें माफ नहीं करेगा

सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर दायर याचिका पर की टिप्पणी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समाज न्यायपालिका को कभी माफ नहीं करेगा, अगर वह डॉक्टरों का ख्याल नहीं रखती है और उनके साथ खड़े नहीं होती है। शीर्ष कोर्ट ने मंगलवार को एक याचिका पर फैसला सुरक्षित रखते हुए यह टिप्पणी की। याचिका निजी क्लीनिक, डिस्पेंसरी और गैर-मान्यता प्राप्त अस्पतालों में कोविड-19 से लड़ते हुए अपनी जान गंवाने वाले डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को बीमा पॉलिसी में शामिल न करने के खिलाफ याचिका दायर की गई थी।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि बीमा कंपनियां वैध दावों का निपटारा करें। बेंच ने आगे कहा कि यह धारणा सही नहीं है कि निजी अस्पतालों के डॉक्टर केवल लाभ कमाने के लिए काम कर रहे थे।

निजी डॉक्टरों के लिए ऐसी सोच सही नहीं : कोर्ट

बेंच ने मौखिक रूप से कहा, अगर आपके अनुसार यह शर्त पूरी होती है कि वे (निजी डॉक्टर आदि) कोविड प्रतिक्रिया में थे और कोविड के कारण उनकी मृत्यु हुई, तो आपको बीमा कंपनी को भुगतान करने के लिए बाध्य करना चाहिए। केवल इसलिए कि वे सरकारी सेवा में नहीं थे और यह सोचना कि वे मुनाफा कमा रहे थे और इसलिए बैठे थे, सही नहीं है।

केंद्र सरकार जानकारी दे हम नियम तैयार करेंगे

शीर्ष कोर्ट ने केंद्र सरकार को प्रधानमंत्री बीमा योजना के अलावा अन्य समान या समांतर योजनाओं के बारे में प्रासंगिक आंकड़े और जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बेंच ने कहा, हमें सभी जानकारी उपलब्ध्ध कराइए हम एक नियम तय करेंगे और उसके आधार पर बीमा कंपनी से दावे किए जा सकते हैं। हमारे फैसले के आधार पर बीमा कंपनी विचार करेगी और आदेश पारित करेगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिया था यह फैसला

कोर्ट प्रदीप अरोड़ा और अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। याचिका में बॉम्बे हाईकोर्ट के नौ मार्च 2021 के फैसले को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट के फैसले में कहा गया था कि निजी अस्पताल के कर्मचारी को तब तक बीमा योजना के तहत लाभ नहीं मिल सकता, जब तक राज्य या केंद्र सरकार की ओर से उनकी सेवाएं न मांगी गई हों।

प्रदूषण को देखते हुए फैसला

दिल्ली में 1 नवंबर से इन वाहनों पर लगा प्रतिबंध

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वायु प्रदूषण से जूझ रही दिल्ली में 1 नवंबर से उन वाणिज्यिक माल वाहनों पर रोक लगा दी जाएगी, जो शहर के बाहर पंजीकृत हैं और उनका इंजन बीएस-वीआई मानक अनुरूप नहीं है। यह कदम वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने प्रदूषण रोकने के लिए उठाया है। आयोग के मुताबिक, केवल बीएस-वीआई अनुपालन वाले वाणिज्यिक वाहन, सीएनजी, एलएनजी या विद्युत ऊर्जा से चलने वाले वाहन ही दिल्ली में प्रवेश कर सकेंगे। फिलहाल, निजी वाहनों को इससे छूट मिलेगी। दिल्ली में 28 अक्टूबर को धुंध भरी सुबह रही और आसमान में बादल छाए रहे।

क्या कहता है नियम?

दिल्ली के बाहर पंजीकृत वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों को 1 नवंबर के प्रवेश पाने केलिए बीएस-वीआई मानक का पालन करना होगा। यह नियम उन वाणिज्यिक वाहनों पर लागू नहीं होगा, जो दिल्ली के भीतर पंजीकृत होंगे। पुराने डीजल वाहनों पर तब तक प्रतिबंध रहेगा, जब तक वे आवश्यक वस्तुओं की छूट 31 अक्टूबर 2026 तक लागू के अंतर्गत न आते हों।

खबर संक्षेप

'पूरा खरगे परिवार' असम विरोधी है: हिमंत

नगांव। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित 'पूरा खरगे परिवार' असम विरोधी है। उन्होंने यह आरोप ऐसे समय में लगाया है जब एक दिन पहले ही कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे से उनकी असम में सेमीकंडक्टर इकाई जैसे बड़े प्रौद्योगिकी आधारित उद्योग स्थापित करने के मुद्दे पर बहस हुई थी। प्रियंक कांग्रेस प्रमुख के पुत्र हैं और कर्नाटक कांग्रेस शासित राज्य है।

महिंद्रा कबीरा महोत्सव 19 दिसंबर से वाराणसी में

नई दिल्ली। 'महिंद्रा कबीर महोत्सव' का नौवां संस्करण 19 दिसंबर से वाराणसी में आयोजित होगा जहां 15वीं सदी के संत कवि कबीर की अमर विरासत का संगीतकारों, विचारकों और सांस्कृतिक हस्तियों के सामूहिक प्रदर्शन के माध्यम से उत्सव मनाया जाएगा। इस महोत्सव का संस्थापक महिंद्रा समूह है और इसके निर्माता 'टीमवर्क आर्ट्स' हैं। पहली शाम का समापन "कबीरियत" नामक कव्वाली प्रस्तुति के साथ होगा, जिसे रहमत-ए-नुसरत नामक कुमाऊं स्थित समूह प्रस्तुत करेगा। यह महोत्सव 21 दिसंबर को संपन्न होगा।

तालाब में डूबने से पांच लोगों की मौत

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग में मंगलवार को एक तालाब में नहाते समय चार नाबालिग लड़कियों समेत पांच लोग डूब गए। घटना कटकमसांडी प्रखंड के साहपुर पंचायत में हुई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया, "कटकमसांडी थाना क्षेत्र के साहपुर पंचायत की चार लड़कियां और 12 वर्षीय एक लड़का आज दोपहर तालाब में डूब गए।" उन्होंने बताया कि मृतकों की उम्र 12 से 20 वर्ष के बीच थी। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया है।

20 दिन में कानून, 20 महीने में सरकारी नौकरी पक्की, भाजपा का घोषणा पत्र कल

'बिहार का तेजस्वी प्रण' में महागठबंधन का वादा, हर परिवार को एक सरकारी नौकरी

महागठबंधन के मेनिफेस्टो में क्या-क्या

पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जाएगा। माई-बहन मान योजना के तहत महिलाओं को 1 दिसंबर से प्रतिमाह 2500 की आर्थिक सहायता दी जाएगी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत विधवा और वृद्ध जनों को 1500 रुपया मासिक पेंशन दी जाएगी। प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए फॉर्म और परीक्षा शुल्क समाप्त किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों तक बसें फ्री चलेंगी। सभी अनुमंडल में महिला कॉलेज की स्थापना की जाएगी। शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मियों सहित सभी सेवा के कर्मियों के गृह जिला के 70 किलोमीटर के दायरे में तैनात किया जाएगा। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सभी फसलों की खरीद की गारंटी दी जाएगी।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बिहार के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को आकर्षित करने राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने अपना संयुक्त घोषणापत्र 'बिहार का तेजस्वी प्रण' नाम से जारी किया गया है। घोषणापत्र में सभी परिवार को सरकारी नौकरी का वादा किया गया है। इसके साथ ही जीविका दीदियों को 30,000 रुपये प्रतिमाह वेतन देने और उनको सरकारी कर्मचारी के रूप में स्थायी दर्जा व पेंशन देने के वादे के साथ अन्य घोषणाएं भी की गईं हैं। महागठबंधन के घोषणापत्र में कुल 24 वादे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि सभी वादे पूरे होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही 20 दिनों के अंदर राज्य के हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का अधिनियम लाया जाएगा।

राहुल-तेजस्वी की रैली आज, प्रियंका भी उतरीं प्रचार में

आज बिहार विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी तेजस्वी यादव के साथ संयुक्त चुनाव प्रचार करेंगे। दोनों दरभंगा और मुजफ्फरपुर में एक साथ एक मंच से महागठबंधन के पक्ष में वोट मांगेंगे। इससे पहले प्रियंका गांधी सहित अन्य नेताओं के ताबड़तोड़ चुनावी जनसभाएं करने का कार्यक्रम बनाया है।

बिहार की दुर्दशा के लिए भाजपा-जेडीयू गुनहगार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए एक बार फिर से बीजेपी-जेडीयू सरकार पर हमला बोला है।

राहुल ने कहा है कि कुछ दिनों पहले बिहार के युवाओं से मेरी बातचीत हुई थी। बातचीत का मुद्दा शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार था। राज्य में इन सबकी दुर्दशा के लिए केवल बीजेपी-जेडीयू सरकार गुनहगार है। उन्होंने कहा है कि बिहार के युवा बखूबी जानते हैं कि पिछले 20 सालों में किस तरह से इस मोदी-नीतीश सरकार ने युवाओं की आकांक्षाओं का गला घोंटा है। प्रदेश को लावारिस छोड़ दिया है और हर पैमाने पर गर्त में धकेल दिया है।

आज शाह व 30 अक्टूबर को पीएम मोदी की रैली

बिहार चुनाव प्रचार के लिए आज 29 अक्टूबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनावी जनसभाएं करेंगे। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसभा सीवान, शाहपुर और बक्सर में होगी, जबकि अमित शाह दरभंगा और समस्तीपुर में जनसभा करेंगे। उधर नीतीश कुमार भी एनडीए की तरफ से लगातार चुनाव प्रचार में जुटे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे।

भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर बैठक आज

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी के संकल्प पत्र को लेकर आज पटना में बीजेपी के बिहार चुनाव के मैनिफेस्टो कमिटी की बैठक होगी। इस बैठक में बीजेपी के संकल्प पत्र के मुद्दों, वादों को अंतिम रूप दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक 30 अक्टूबर को बीजेपी का संकल्प पत्र जारी हो सकता है। गृह मंत्री अमित शाह इसे जारी कर सकते हैं। इसके साथ ही एनडीए का साझा एजेंडा फॉर गवर्नेंस भी तैयार किया जा रहा है। एनडीए के सभी सहयोगी दलों के घोषणापत्र की प्रमुख बातों को शामिल किया जाएगा।

प्रशांत के दो वोटर आईडी आयोग ने मांगा जवाब

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दो वोटर आईडी कार्ड रखना अपराध है। इस मामले में चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस भेजकर तीन दिन में जवाब मांगा है। जानकारी के मुताबिक, बिहार और पश्चिम बंगाल दोनों ही राज्यों की वोटर लिस्ट में प्रशांत किशोर का नाम है। पीके के एक वोटर आईडी का नंबर आईयूजे1323718 है, जो करगहर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लिस्टेड है। वहीं, उनके पास एक और वोटर आई कार्ड है, जिसका ईपीआईसी आईयूआई 0686683 है।

गिरफ्तार जुबैर का अलकायदा से संबंध

आतंकी हमले के पहले ही पुणे से पकड़ाया सॉफ्टवेयर इंजीनियर

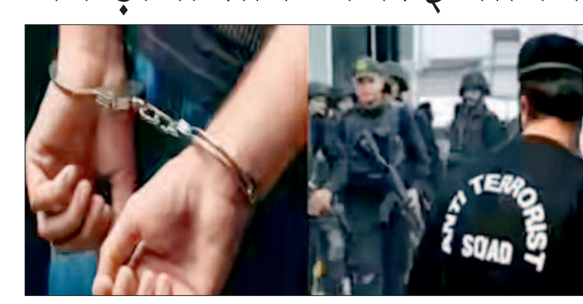

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महाराष्ट्र के पुणे से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर जुबैर को गिरफ्तार किया गया है। अलकायदा से संबंधों के आरोप में महाराष्ट्र एटीएस ने ये कार्रवाई की। आरोपी इंजीनियर जुबैर को लेकर दावा किया गया कि वो आतंकी हमलों को अंजाम देने और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के काम में भी लगा हुआ था। उसका नाम जुबैर हैंगार्डेकर है। पुणे एटीएस बीते एक महीने से उस पर नजर रख रही थी। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। स्पेशल यूएपीए कोर्ट ने उसे 4 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इस बीच जुबैर के दिल्ली कनेक्शन का खुलासा भी सामने आ रहा। इसी सिलसिले में, पुणे पुलिस ने 27 अक्टूबर को पुणे रेलवे स्टेशन से 'चेन्नई एक्सप्रेस' में यात्रा कर रहे चार संदिग्धों को भी हिरासत में लिया था।

बेहद खतरनाक था प्लान

खुफिया ब्यूरो के अधिकारियों का कहना है कि भारत में उसके अभियान सीरिया से चलाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जुबैर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल था। वह महाराष्ट्र और दूसरे शहरों में आतंकी हमले की योजना बना रहा था। तलाशी के दौरान, पुलिस को उसके घर से कुछ ऐसी चीजें मिली हैं जो युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के लिए इस्तेमाल की जा सकती थीं। यह गिरफ्तारी एक बड़े आतंकी नेटवर्क की ओर इशारा करती है।

दिल्ली कनेक्शन है चौंकाने वाला

इन दोनों गिरफ्तारियों से संकेत मिलता है कि आईएस की ऑनलाइन कट्टरपंथी शाखा बेहद सक्रिय है। दिल्ली मामले की अब तक की जांच से पता चला है कि दोनों ऑनलाइन कट्टरपंथी बन गए थे और सीरिया में एक हैंडलर को रिपोर्ट कर रहे थे। यह तथ्य कि दोनों को सीरिया से नियंत्रित किया जा रहा था, स्पष्ट रूप से देश में समूह के पुनरुत्थान का संकेत देता है। हालांकि, इस्लामिक स्टेट सीरिया में पराजित हो गया था, फिर भी उसने जोरदार वापसी की है।

सिद्धारमैया सरकार को झटका, अब कार्यक्रम आयोजित कर सकेगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

कर्नाटक हाईकोर्ट ने लगाई सरकारी आदेश पर रोक, अगली सुनवाई 17 नवंबर को

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने निजी संगठनों की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। यह आदेश न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिया है। साथ ही राज्य सरकार, गृह विभाग और हुबली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किया है। कोर्ट मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को करेगा। यह आदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ बताया जा रहा था। सरकार के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका पुनश्चैतन्य सेवा संस्था द्वारा दायर की गई थी, जिसमें तर्क दिया गया था कि यह कदम निजी संगठनों के वैध गतिविधियों को संचालित करने के अधिकारों का उल्लंघन करता है। कोर्ट ने अब आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है और सरकार को नोटिस जारी किए हैं।

कोर्ट ने क्या कहा

पुनश्चैतन्य सेवा संस्था ने सरकार के आदेश के खिलाफ याचिका दायर कर कोर्ट में तर्क दिया कि सरकार का कदम निजी संगठनों के वैध गतिविधियों के संचालन के अधिकारों का उल्लंघन करता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सरकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) और 19(1)(बी) के तहत गारंटीकृत अधिकारों को कम नहीं कर सकती है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा की रक्षा करते हैं। अंतरिम रोक से संगठन को आगे सुनवाई तक अस्थायी राहत मिलती है।

क्या है मामला?

कर्नाटक सरकार ने इस महीने आदेश जारी कर सार्वजनिक और सरकारी स्वामित्व वाली संपत्तियों के उपयोग को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इसमें निजी-सामाजिक संगठन को संबंधित विभागाध्यक्षों की लिखित अनुमति के बिना सरकारी स्कूलों, कॉलेज परिसर, संस्थागत स्थानों पर कार्यक्रम, बैठक या सांस्कृतिक कार्यक्रम करने की मनाही थी।

चुनरी महोत्सव...

मथुरा। चुनरी महोत्सव के दौरान यमुना नदी को चुनरी अर्पित करतीं महिलाएं।

संभल कोर्ट सात को सुनाएगी राहुल पर फ़ैसला

संभल। संभल की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ दायर मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अधिकारियों ने बताया कि फैसला सात नवंबर को सुनाया जाएगा। एडीजे द्वितीय आरती फौजदार के समक्ष चंदौसी जिला न्यायालय में सुनवाई हुई, जहां दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें पेश कीं। यह मामला हिंदू शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने दायर किया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी की टिप्पणियों ने जनता की भावनाओं को आहत किया। गुप्ता ने कहा, ''15 जनवरी को दिल्ली कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन के दौरान राहुल गांधी ने कहा था कि हमारी लड़ाई भाजपा या आरएसएस से नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट' (भारतीय राज व्यवस्था) से है।

दुश्मन के ठिकाने ढूंढेंगे, पहचानेंगे और ठोक देंगे, झुंड वाले 800 ड्रोन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना 800 मीडियम रेंज स्वार्म अनमैन्ड म्यूनिशन सिस्टम खरीदने की योजना पर काम कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार झुंड वाले ये ड्रोन 350 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर तक दुश्मन के ठिकानों को पूरी सटीकता के साथ निशाना बना सकते हैं। लोइटरिंग म्यूनिशन वाले ये ड्रोन दुश्मनों के ठिकाने ढूंढते हैं, उनकी पहचान करते हैं और फिर उनपर पूरी सटीकता के साथ हमला करके उन्हें पूरी तरह से तबाह कर देते हैं।

- 800 स्वार्म ड्रोन खरीदने की योजना
- 30 किलो तक हथियार ले जाने में सक्षम
- 16,000 फीट समुद्र तल से ऊंचाई तक उड़ान
- 350 किमी से भी ज्यादा दूरी तय करेंगे
- 30 मिनट तक उड़ान, फिर हमला

एक बार में 20 ड्रोन भेज सकता है ये सिस्टम

एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्येक मीडियम रेंज स्वार्म अनमैन्ड म्यूनिशन सिस्टम एक बार में कम से कम 20 ड्रोनों के झुंड को एक बाद एक तैनात कर सकते हैं। यह 350 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर तय किए क्षेत्र में कम से कम आधे घंटे तक हवा में मंडरा सकते हैं। टारगेट की पहचान करते हैं और फिर इस पर पूरी ताकत से हमला कर सकते हैं। यह रुके हुए और चलते हुए दोनों ही टारगेट को पहचानने में सक्षम हैं।

एयर डिफेंस सिस्टम को कर देंगे जाम

बता दें कि 25 अक्टूबर को रक्षा मंत्रालय को मिले रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल्स के अनुसार, ये ड्रोन दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को जाम कर देंगे, रडार को चकमा देंगे और भारतीय वायु सेना को यह विकल्प मुहैया करवाएंगे कि वह चंद घंटों में दुश्मन के कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम को निशाना बना सकें। वायु सेना को ऐसे फिक्स्ड-विंग ड्रोन चाहिए, जो जेट इंजन के साथ-साथ बैटरी से भी चल सकें। ये ड्रोन 30 किलो तक के हथियार ले जा सकते हैं। ये जरूरी सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक जैमर , कम्युनिकेशन सिस्टम और नेविगेशन उपकरणों से भी लैस होंगे।

20सी से लेकर 50सी में भी उड़ान

ये ड्रोन समुद्र तल से लेकर 16,000 फीट तक की ऊंचाई पर प्रभावी तरीके से काम करेंगे। ये ड्रोन खराब सड़कों और जहाज के डेक से भी लॉन्च किए जा सकेंगे और इन्हें वहां से रिकवर भी किया जा सकेगा। ये ड्रोन -20सी से लेकर 50सी तक के तापमान में भी पूरे भरोसे के साथ काम कर सकेंगे।

मॉडर्न वॉरफेयर में बढ़ी ड्रोन की अहमियत

ड्रोन ने आधुनिक युग में युद्ध के मैदानों को बदल दिया है। यह हमला करने, निगरानी करने के साथ ही सामान ढोने के भी काम आ रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर और अन्य देशों के बीच चल रही जंग में इसकी कामयाबी को देखने के बाद भारतीय सेना के प्रत्येक अंगों ने ड्रोन को अपना लिया है। इसे किफायती और जवानों के जोखिम कम करने वाले उपकरण के रूप में देखा जाने लगा है।

URMILA MEMORIAL HOSPITAL

200 BEDDED MULTI-SUPER SPECIALITY HOSPITAL

UMH™ आयुष्मान भव:

24X7 EMERGENCY HEART & NEURO

सेवा समर्पण विश्वास के 3 वर्ष

सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक, सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा

डॉ. विनोद कुमार सिंह
एमबीबीएस, एम.एस., एफएआईईजीएस,
डी. मास, एफ. मास जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
एन्टी रिफ्लक्स सर्जरी विशेषज्ञ

श्रीमती नम्रता सिंह
मैनेजिंग डायरेक्टर

डॉ. छत्रपाल सिंह साहू DM न्यूरोलॉजी, मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ

डॉ. जिनेश जैन DM कार्डियोलॉजी, हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. अभिषेक त्रिपाठी एम.एस., ऑर्थोपेडिक

डॉ. पंकज अरोरा एम.डी., रेडियोलॉजी

डॉ. शांतनु तिवारी एम.एस., डी.एन.डी., कैंसर सर्जरी

डॉ. सन्नी उत्तमानी डी.एम., गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी

डॉ. प्रवेश शुक्ला गैस्ट्रो सर्जरी

डॉ. संजीव सिंह एम.डी., मेडिसीन

डॉ. मंजू नेभानी एम.डी., गायनिक

डॉ. आर.के. साहू डी.एम., नेफ्रोलॉजी

डॉ. अभिषेक अग्रवाल एम.डी., एनेस्थिसिया

डॉ. एस. श्रीनाथ एम.डी, क्रिटिकल केयर

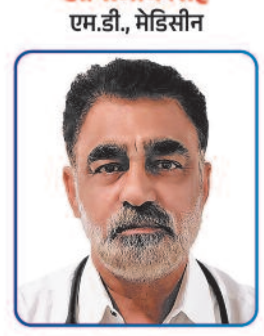
डॉ. नीतिश दुआ एम.डी., पीडियाट्रिक्स

डॉ. जयदीप द्विवेदी एम.सी.एच., कार्डियेक सर्जरी

डॉ. रमन्ना एम.सी.एच., कार्डियेक एवं वैस्कुलर सर्जरी

डॉ. देवेन्द्र रहंगडाले एम.डी., रेडियोलॉजी

डॉ. गगनदीप सलूजा एम.डी., रेडियोलॉजी

डॉ. सुप्रियो दत्ता एम.एस., ऑप्थल्मोलॉजी

डॉ. रोशन राठौर एम.डी., चेस्ट

डॉ. शुभम दुबे मेक्सियोफेशियल विशेषज्ञ

VISITING CONSULTANTS

डॉ. मनीष एम.सी.एच., न्यूरोसर्जरी

डॉ. अनिरूद्ध गुप्ता एम.सी.एच., प्लास्टिक सर्जरी

डॉ. अखिलेश साहू आन्कोलॉजिस्ट

डॉ. शशिकांत एम.डी. सायकेट्री

डॉ. ए. यादव एम.सी.एच., यूरोलॉजी

3 वर्षों की उपलब्धियां

उत्कृष्टता केंद्र : अत्याधुनिक गैस्ट्रोइंट्रोलॉजिकल केंद्र

- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी हाइलाइट्स:
- 5,000 से अधिक एंडोस्कोपी
- 1,000 से अधिक कोलोनोस्कोपी
- 150 से अधिक ईआरसीपी (एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपैनक्रिएटोग्राफी) प्रक्रियाएं
- 1,50 से अधिक एंडोस्कोपिक बैंडिंग प्रक्रियाएं
- 150 से अधिक एंटी-रिफ्लक्स सर्जरी
- 100 से अधिक पेट के कैंसर के मरीजों का सफल उपचार
- 800 से अधिक लीवर रोगियों का उपचार
- 8,000 से अधिक पेट और लीवर रोगों के मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज

अत्याधुनिक इमरजेंसी रेडी सेंटर:

- 500 से अधिक ट्रॉमा और दुर्घटना मामलों का प्रबंधन
- 500 से अधिक कार्डिएक एंजियोप्लास्टी
- 50 से अधिक कार्डिएक सर्जरी
- 1,000 से अधिक आर्थोपेडिक सर्जरी
- 200 से अधिक इमरजेंसी गायनिक सर्जरी
- 1500 से अधिक ब्रेन हेम्ब्रेज मरीजों का इलाज
- उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अत्याधुनिक गैस्ट्रोइंट्रोलॉजिकल सुविधाओं से सुसज्जित है, जहां अनुभवी डॉक्टरों और आधुनिक तकनीक की मदद से पेट और लीवर संबंधी गंभीर बीमारियों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया।

विशेषज्ञ विभाग

- पेट एवं लिवर रोग
- पेट के कैंसर
- कार्डियोलॉजी
- कार्डियो सर्जरी
- न्यूरोलॉजी
- न्यूरो सर्जरी
- ऑर्थोपेडिक सर्जरी
- गायनिक सर्जरी
- यूरोलॉजी
- ज्वाइंट रिप्लेसमेंट
- इमरजेंसी मेडिसिन
- एक्सीडेंट एवं ट्रामा
- डायबिटिक एवं डायबीटिक फुट
- बाल रोग विभाग
- मानसिक रोग
- कान, नाक एवं गला
- नेत्र रोग विभाग

Empanelment with :

Steel Authority of India (SAIL)
All TPA, Insurance, SECL, Railway, Airport, NTPC, CG State & Central Govt., CSEB

NAHAR ROAD, BHATAGAON, RAIPUR (C.G.) | 0771-4088820, 9109125524, 9589956859

चिंतन

मोदी सरकार ने कर्मचारियों के हित में लिया बड़ा फैसला

सरकारी कर्मचारी समाज और सरकार के लिए बहुत ज़रूरी हैं, क्योंकि वे सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करते हैं, जो समाज के सुचारू कामकाज के लिए आवश्यक हैं। वे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कानून व्यवस्था और बुनियादी ढांचे जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करके देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सरकारी कर्मचारी ही देश में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे समाज में स्थिरता और सुरक्षा बनी रहती है। वे सरकार की नीतियों और विकास योजनाओं को ज़मीनी स्तर पर लागू करते हैं, जिससे समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिल सके। कर्मचारी सरकारी विभागों, संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों के माध्यम से रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। ऐसे में सरकार का भी दायित्व बनता है कि समय-समय पर कर्मचारियों के हितों और उनकी जरूरतों को पूर्ण किया जाए। ऐसा ही कदम केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने मंगलवार को उठाया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट ने 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी है। यह आयोग केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों की समीक्षा करेगा और उसी के आधार पर सैलरी में बढ़ोतरी की सिफारिश करेगा। आयोग को अपनी रिपोर्ट साल 2026 तक सौंपनी होगी। आमतौर पर वेतन आयोग का गठन हर दस साल में किया जाता है। पिछला यानी 7वां वेतन आयोग 2014 में बना था और इसकी सिफारिशें 2016 में लागू की गई थीं। केंद्र सरकार द्वारा गठित वेतन आयोग एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति होती है, जिसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के वेतन और भत्तों की समीक्षा कर उन्हें वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार न्यायोचित बनाना होता है। यह आयोग सुनिश्चित करता है कि कर्मचारियों को ऐसा वेतन मिले, जिससे वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। इसके अलावा यह पेंशन, महंगाई भत्ता, चिकित्सा और आवास जैसी सुविधाओं से जुड़ी नीतियों में सुधार की सिफारिशें भी करता है। वेतन आयोग का गठन सामान्यतः हर 10 वर्ष में एक बार किया जाता है। हालांकि, यह कोई अनिवार्य नियम नहीं है। सरकार आर्थिक स्थिति, महंगाई और राजकोषीय जरूरतों को देखते हुए इसे पहले या बाद में भी गठित करती रही है। वेतन आयोग का लाभ केवल उन्हीं कर्मचारियों को मिलता है, जिन्हें केंद्र सरकार के कंसोलिडेटेड फंड से वेतन प्राप्त होता है। यानी, केंद्रीय सिविल सेवाओं के सभी अधिकारी और कर्मचारी इसके दायरे में आते हैं। इसके बाद राज्य सरकारें भी अपने कर्मचारियों के लिए केंद्र की तर्ज पर ही वेतन संशोधन का कार्य करती हैं। वेतन आयोग देखता है कि पिछले वर्षों में महंगाई दर कितनी बढ़ी है और इसका कर्मचारियों की जीवनशैली पर क्या असर पड़ा है। महंगाई बढ़ने पर आयोग वेतन वृद्धि का अनुपात उसी अनुसार तय करता है। आयोग यह भी देखता है कि कर्मचारियों की उत्पादकता और कार्यकुशलता में कितना सुधार आया है। यदि प्रदर्शन बेहतर है, तो सिफारिशों में इसका असर दिखाई देता है। आयोग निजी क्षेत्र में मिलने वाले वेतन का भी अध्ययन करता है, ताकि सरकारी और निजी कर्मचारियों के बीच अत्यधिक असमानता न रहे। इसका देश की अर्थव्यवस्था पर भी खासा प्रभाव पड़ता है। जब कर्मचारियों की जेब में पैसा होता है तो बाजार में खरीददारी ज्यादा होती है। इससे अर्थव्यवस्था को भी लाभ होता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस बार भी वेतन आयोग की रिपोर्ट के बाद कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले होने वाली है।

आरएसएस के सौ वर्ष
कैप्टन अभिमन्यु

शताब्दी का पर्व, राष्ट्र चेतना का उत्सव

संघ की शताब्दी केवल एक इतिहास नहीं, बल्कि एक सतत चलने वाली साधना है। यह देश और समाज प्रेम की भावना को कूट-कूट कर भरती है। संघ की यह यात्रा हर भारतवासी को प्रेरित करती है कि वह अपने जीवन में सेवा, अनुशासन और समर्पण के आदर्शों को अपनाए। यही मूल मंत्र भारत को विश्वगुरु बनाएगा और दुनिया में भारत की पताका फहराएगी। इसके लिए संघ के स्वयंसेवक हमेशा तत्पर हैं और भारत जैसे विशाल देश को आत्मनिर्भर, मजबूत और सशक्त बनाने की भावना के साथ लगातार तत्परता से काम कर रहे हैं। "चरैवेति चरैवेति" यही संघ का मूल मंत्र है। निरंतर कर्म, निरंतर सेवा, और निरंतर राष्ट्र के प्रति समर्पण यही भारत की शक्ति है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होना सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए गर्व और गौरव का विषय है। यह केवल एक संगठन की शताब्दी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, संगठन, सेवा, संस्कृति और संस्कारों की सौ वर्षीय साधना का उत्सव है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 27 सितंबर, 1925 को डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयादशमी के दिन नागपुर में की थी। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा प्रज्ज्वलित वह दीप आज करोड़ों स्वयंसेवकों के जीवन में त्याग, अनुशासन और समर्पण का आलोक बन चुका है। संघ की शताब्दी केवल एक इतिहास नहीं, बल्कि एक सतत चलने वाली साधना है। जो पीढ़ी दर पीढ़ी में राष्ट्र-प्रेम, भाईचारे और समाज सेवा की भावना का संचार करती है। यह देश और समाज प्रेम की भावना को कूट-कूट कर भरती है।

संघ से प्रेरित हर शख्स देश, समाज और राष्ट्र सेवा के लिए हमेशा तैयार रहता है। संघ के स्वयंसेवक देश और समाज के लिए हमेशा सजग रहते हैं। परिस्थितियां चाहें कैसी भी हो, संघ के स्वयंसेवक देशप्रेम की भावना से कभी विमुख नहीं होते। देश के लिए हमेशा कुछ कर गुजरने का जज्बा इनमें देखते ही बनता है। निरंतर कर्म का शाश्वत संदेश संघ की यात्रा हमारे ऋषि-मुनियों की उस अमर वाणी का स्मरण कराती है।"चरैवेति . . . चरैवेति . ."। अर्थात रुकना नहीं, थकना नहीं, हारना नहीं। यही सतत कर्म और निस्वार्थ सेवा का भाव संघ की आत्मा है। संघ के स्वयंसेवक इस भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक राष्ट्र सेवा का प्रकाश पहुंचा रहे हैं। यह वही भाव है, जिसने हर कठिन परिस्थिति में संघ को और अधिक सशक्त बनाया है। चाहे देश का विभाजन काल हो, प्राकृतिक आपदाएं हों या समाज के भीतर फैला विषमता का अंधकार, स्वयंसेवक सदैव राष्ट्रसेवा में अग्रणी रहे हैं। उनमें समाज सेवा के लिए किसी भी हद जक जाने का जज्बा हमेशा विद्यमान रहा है। जो उनकी सेवा और समर्पण को दर्शाता है। यह सौ साल यानी वर्ष 1925 से चली आ रही परंपरा आज भी निर्बाध गति से जारी है। यह एक साधना है। इसमे तपकर निकले सेवकों ने हमेशा देश और समाज का मान बढ़ाया है। दुनिया में देश की पताका फहराने का काम किया है। यही हिम्मत और जोश इन्हें आमजन से अलग बनाता है। सेवा, संगठन और संस्कार की अद्भुत त्रिवेणी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले सौ वर्षों में समाज जीवन के हर क्षेत्र में सृजनात्मक भूमिका निभाई है। संघ की प्रेरणा से देशभर में हजारों सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक संगठन कार्यरत हैं। जो समाज में महती भूमिका निभा रहे हैं। विद्या भारती ने संस्कारयुक्त और राष्ट्रनिष्ठ शिक्षा प्रणाली को जन-जन तक पहुंचाया। इससे हजारों युवा शिक्षा ग्रहण कर अपने जीवन को सफल बना चुके हैं। आज भी बच्चे और युवा संघ के स्कूलों में शिक्षा ग्रहण कर समाज और देश सेवा के लिए आगे आ रहे हैं। सेवा भारती ने निर्धन, वंचित और आपदा-ग्रस्त लोगों के जीवन में आशा की किरण जगाई। इसके जरिये समाज के गरीब और वंचित तबके को आगे लाकर मुख्यधारा में जोड़ने का काम किया जा रहा है। इसके लिए संघ सेवक हमेशा तैयार हैं और हर लड़ाई लड़ने के लिए सज हैं। ग्रामोदय अभियान और एकात्म मानव दर्शन पर आधारित कार्यों ने स्वावलंबी

भारत की नींव रखी। इसके जरिये ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की धारा से जोड़ने के लिए सभी संभव प्रयास किए गए हैं। कहा जाता है शहर के विकास का रास्ता गांवों से ही होकर गुजरता है। आरएसएस ने इस भावना को और आगे बढ़ाया और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए ग्रामोदय अभियान शुरू किया और गांवों के विकास के पथ पर आगे बढ़ाया। राष्ट्र सेविका समिति ने मातृशक्ति को संगठन और नेतृत्व के केंद्र में स्थापित किया। इसका उद्देश्य महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में शामिल करना है। "संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक यह मानता है कि संगठन की शक्ति ही राष्ट्र की शक्ति है। जब समाज संगठित होता है, तब राष्ट्र सशक्त होता है।" इसलिए नारी सशक्तिकरण भी बेहद जरूरी है। इसी भावना को देखते हुए राष्ट्र सेविका समिति लगातार महिलाओं को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही है। आज भारत "वसुधैव कुटुम्बकम" के मंत्र के साथ विश्व मंच पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस विचार की जड़ें संघ के संस्कारों में गहराई तक विद्यमान हैं। संघ ने विश्व भर में भारतीय संस्कृति, परिवार मूल्यों और सामाजिक एकता का संदेश पहुंचाया है। विदेशों में भी हजारों स्वयंसेवक भारतीय जीवन-दृष्टि के प्रचारक बनकर "भारत की आत्मा" को जीवित रखे हुए हैं। यह वही विचारधारा है जो कहती है कि "हम सब एक परिवार हैं, हमारा सुख और दुःख समाज के सुख-दुःख से जुड़ा है।" यही भावना विश्व पटल पर भारतीय दृष्टि की पहचान है। इसी धारणा को लेकर संघ ने दुनिया में भारत का नाम चमकाया है। अपनी संस्कृति से दुनिया को अवगत करवाया और देश में सामाजिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। इससे एकता और भाईचारे की भावना बढ़ी और लोगों में एक दूसरे पर विश्वास कायम हुआ। अब जब भारत "अमृत काल" में प्रवेश कर चुका है, तब संघ की भूमिका और भी व्यापक होती जा रही है। अब जिम्मेदारियां और बड़ी हैं। इनको समय पर पूरा करना और देश को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना जैसी चुनौतियों को समय पर पूरा करना होगा। तभी अमृतकाल का यह समय सार्थक होगा और हर भारतीय गर्व से कह सकेगा की मैं अब आत्मनिर्भर हूं। अब संघ का उद्देश्य केवल संगठन निर्माण ही नहीं है, बल्कि एक सशक्त, आत्मनिर्भर और संस्कारित भारत का निर्माण करना है। संघ का संकल्प है कि आने वाले सौ वर्षों में भारत को पुनः विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित किया जाए और भारत दुनिया में अग्रणी भूमिका निभाए। इसके लिए संघ लगातार दृढ़ता के साथ काम कर रहा और आगे बढ़ रहा है। संघ के स्वयंसेवक देश के हर कोने में यह संदेश लेकर आगे बढ़ रहे हैं कि सेवा ही धर्म है। राष्ट्र ही सर्वोपरि है और संगठन ही शक्ति है।

यह एक सतत साधना का शतक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी केवल बीते सौ वर्षों का स्मरण नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों का संकल्प भी है। यह उस जीवन दृष्टि का उत्सव है, जिसमें व्यक्ति का जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित होता है। संघ की यह यात्रा हर भारतवासी को प्रेरित करती है कि वह अपने जीवन में सेवा, अनुशासन और समर्पण के आदर्शों को अपनाए। यही मार्ग भारत को सशक्त, समरस और आत्मनिर्भर बनाएगा। इसके लिए संघ के स्वयंसेवक हमेशा तत्पर हैं और भारत जैसे विशाल देश को आत्मनिर्भर, मजबूत और सशक्त बनाने की भावना के साथ लगातार तत्परता से काम कर रहे हैं। यही मूल मंत्र भारत को विश्वगुरु बनाएगा और दुनिया में भारत की पताका फहराएगी। "चरैवेति चरैवेति" यही संघ का मूल मंत्र है। निरंतर कर्म, निरंतर सेवा, और निरंतर राष्ट्र के प्रति समर्पण यही भारत की शक्ति है।

(लेखक पूर्व वित्त मंत्री, हरियाणा एवं सामाजिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दो टूक
उमेश चतुर्वेदी

वीजा नियमों के उल्लंघन की छूट किसी को नहीं

दीपावली के अगले दिन यानी 21 अक्टूबर की सुबह भारत के अखबार दिल्ली समेत समूचे उत्तर भारत की दमघोटूं जहरीली हवा की खबरों से भरे हुए थे। उन्हीं खबरों के बीच एक छोटा-सा समाचार अखबारों के पन्नों के बीच खो गया था। खबर यह थी कि लंदन में रह रही इतालवी मूल की हिंदी विद्वान फ्रांचेस्का ओरसिनी को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ही हांगकांग वापस भेज दिया गया। भारतीय मनीषा के बीच फ्रांचेस्का का नाम उनके हिंदी और उर्दू अध्ययन के लिए जाना-पहचाना है। लिहाजा इस समाचार को हिंदी का बौद्धिक समाज ले उड़ा। वामपंथ वर्चस्व वाले भारत के बौद्धिक समाज के लिए यह समाचार अहर्निश रूदन की अगली कड़ी साबित हुआ। सोशल मीडिया का हर मंच ओरसिनी की वापसी को लेकर सरकार पर हमलों से भर उठा। एक कहावत है, कौवा कान ले उड़ा। हिंदी के बौद्धिक समाज की हालत भी कुछ वैसी ही है। साहित्य की चाहे जितनी भी किताबें वह पढ़ ले, लेकिन ज्ञान के दूसरे अनुशासनों में उसकी वैसी गति नहीं है। दिलचस्प यह है कि हिंदी का समाज इन दिनों शोध से भी उफन रहा है, लेकिन किसी ने यह जानने की कोशिश नहीं कि आखिर ओरसिनी को अधिकारियों ने क्यों हवाई अड्डे से ही वापस भेज दिया। भारत सरकार के अधिकारियों की भी गलती रही कि उन्होंने ओरसिनी को वापस भेजने की नैरेटिव केंद्रित हो चुके भारतीय समाज के लिए संभावित गंभीरता को नहीं समझा। उन्हें तत्काल इसकी जानकारी देनी चाहिए कि भारत विद् के तौर पर विख्यात ओरसिनी को वापस क्यों भेजा। हिंदी के बौद्धिक समाज के कुछ कूपमंडूक टाइप लोगों की नजर में ओरसिनी की वापसी केंद्र सरकार के डर को जाहिर करता है। कुछ ने तो उनके हिंदी और उर्दू के तुलनात्मक अध्ययन को भी इसका कारण मान लिया। अधिकारियों का ओरसिनी को वापस भेजते वक्त इन तथ्यों की ओर ध्यान गया या नहीं, लेकिन हिंदी का बौद्धिक समाज तरह-तरह की बातें बताने लगा। उसकी नजर में चूंकि ओरसिनी उर्दू और हिंदी के बीच जिस तरह के संबंधों की व्याख्या करती हैं, इसलिए वह मौजूदा कथित हिंदुत्ववादी सरकार को परेशानी है। किसी ने यह जानने की कोशिश नहीं कि वीजा को लेकर राष्ट्रों के कैसे-कैसे नियम हैं। जरा दूसरे देशों में वीजा नियमों का उल्लंघन करके देखिए, लोकतंत्र का परचम फहराने और दुनिया को लोकतंत्र की ताकीद करने वाले देश अमेरिका हो या ब्रिटेन या ऑस्ट्रेलिया या फिर यूरोप के दूसरे देश, आपने वीजा नियमों का उल्लंघन किया नहीं कि आपको वहां से दर-बदर कर दिया जाएगा। इस्लामी और तानाशाही शासन व्यवस्था वाले देशों की बात तो इससे भी आगे है। इसमें दो राय नहीं है कि 'द हिंदी पब्लिक स्फेयर, 1920-1940' और 'प्रिंट एंड प्लेजर' ओरसिनी की बहुचर्चित और गंभीर पुस्तकें हैं। द हिंदी पब्लिक स्फेयर उनकी सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों में से एक है, जो आधुनिक भारतीय साहित्यिक अध्ययन में मील का पत्थर मानी जाती है। 1920 से 1940 के बीच हिंदी किस तरह भारत के विकसित हो रहे राष्ट्रवाद और उसके समाज के मूल्यों को स्थापित करने का वाहक बन रही थी, इस पुस्तक में इसकी गहन मीमांसा है। इसी तरह उन्होंने प्रिंट एंड प्लेज़र नामक पुस्तक में औपनिवेशिक काल के उत्तरी भारत में हिंदी और उर्दू के वाणिज्यिक प्रकाशनों का विश्लेषण किया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे वीजा नियमों का उल्लंघन करें। वे भारत की नागरिक नहीं हैं। लंदन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओरिएंटल स्टडीज की प्रोफेसर ओरसिनी भले ही जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में पढ़ी हैं, भले ही हिंदी पर उनका अधिकार है। इसका मतलब यह नहीं है कि भारतीय कानूनों का उल्लंघन करें। बेशक उनके पास भारत का पांच साल का पर्यटक वीजा है। लेकिन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और गृहमंत्रालय की नजरों में उन्होंने वीजा नियमों का उल्लंघन किया है। वह पर्यटक वीजा पर भारत आती रहीं, लेकिन शोध और अध्ययन में शामिल रहीं। भारत के अधिकारियों ने जब उनकी गतिविधियों की समीक्षा की तो उन्हें वीजा नियमों का उनके द्वारा उल्लंघन की बात सामने आई। लिहाजा बीते मार्च में उन्हें ब्लैक लिस्टेड घोषित कर दिया। हिंदी के कुछ बौद्धिकों को भारत सरकार की इस कार्रवाई से शर्म आ रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा और नियमों के उल्लंघन को लेकर अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार है। ओरसिनी के मामले को इन्हीं संदर्भों में देखा और परखा जाना चाहिए। जिन्हें हांगकांग वापस भेज दिया, इसलिए कि वे हांगकांग से ही भारत आई थीं।

(ये उनके अपने विचार हैं।)

बहुत-सी परेशानियों का कारण हमारा मोह

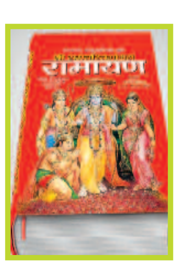

संकलित
दर्शन

श्रीरामचरितमानस और अन्य ग्रंथों का जीवन में महत्व समझें। आप कह सकते हैं कि भागदौड़ भरे जीवन में ग्रंथ पढ़ने का समय कहां से निकाले? मैं कहता हूं कि आज के इस दौर में तो इंटरनेट के जरिए भी बहुत से ग्रंथ पढ़ कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया जा सकता है। ये ग्रंथ हमारे गुरु हैं। कलिकाल में समस्याओं के समाधान का एक बड़ा साधन और उपाय हरि नाम है। स्वयं भगवान शिव राम नाम जपते हैं। राम परम तत्व हैं। हमारी बहुत सी परेशानियों का कारण हमारा मोह है। मोह रूपी रावण को राम ने मारा था। हमारे भीतर महामोह का महिषासुर बैठा है। महिषासुर का वध राम ने नहीं, मां काली ने किया था। इसे मारने के लिए हम राम कथा का सहारा लें। राम कथा एक ओर जहां काली के रूप में कराल है, तो वहीं चंद्रमा की किरणों की तरह उसमें कोमलता-शीतलता भी है। प्रसन्न रहना है तो प्रत्येक व्यक्ति पर, प्रत्येक बात और प्रत्येक परिस्थिति पर संदेह करने की आदत छोड़नी होगी। एक समय सती ने शिव की बातों का विश्वास नहीं किया और भगवान की परीक्षा लेने लगीं। इस कारण अंत में उन्हें शिव वियोग का सामना करना पड़ा। शंकर विश्वास हैं। भक्ति में संशय का कोई स्थान नहीं। विश्वास जीवन है, संशय हमें नाश तक ले जाता है। एक बात और, किसी भी विपरीत परिस्थिति या किसी भी कठिनाई को विपत्ति मत समझें। श्रीरामचरितमानस की प्रसिद्ध पंक्ति है- कह हनुमंत बिपति प्रभु सोई। जब तव सुमिरन भजन न होई।।

योजना बनाकर किए काम में मिलती है सफलता

संकलित
प्रेरणा

रामायण में देवी सीता का हरण हो गया था। श्रीराम और लक्ष्मण सीता को खोज रहे थे। राम-लक्ष्मण उस जंगल में पहुंच गए, जहां सुग्रीव बाली की डर से छिपे हुए थे। सुग्रीव के साथ ही हनुमान जी भी थे। सुग्रीव ने दो राजकुमारों को देखा तो वे डर गए। सुग्रीव ने सोचा कि बाली ने मुझे मारने के लिए इन्हें यहां भेजा है। सुग्रीव ने हनुमान जी से कहा कि आप देखिए वहां दो राजकुमार दिख रहे हैं, वहां जाकर मालूम करो कि कहीं ये हमारे शत्रु तो नहीं हैं। अगर वे शत्रु हैं तो वहीं से इशारा कर देना, हम यहां से कहीं और भाग जाएंगे। अगर वे मित्र हैं तो वहीं से इशारा करना, हम यहीं रुक जाएंगे। हनुमान जी सुग्रीव की आज्ञा पाते ही उन दोनों राजकुमारों के सामने पहुंच गए। हनुमान जी वेष बदलकर गए थे। हनुमान जी ने बुद्धिमानी का उपयोग करते हुए अपना सही परिचय बताए बिना राम-लक्ष्मण की परख की। जब हनुमान जी को मालूम हुआ कि ये राम-लक्ष्मण हैं तो वे अपने असली रूप में आ गए और सुग्रीव को इशारा कर दिया कि ये हमारे शत्रु नहीं हैं। हनुमान जी ने राम-लक्ष्मण से कहा कि आप मेरे राजा सुग्रीव के पास चलिए और उनसे मित्रता कर लीजिए। हनुमान जी राम-लक्ष्मण को लेकर सुग्रीव के पास पहुंचे और इनकी मित्रता कराई। हनुमान जी समझ गए थे कि इन दोनों की समस्याएं एक-दूसरे की मदद से हल हो सकती हैं। इस मित्रता के बाद श्रीराम ने बाली वध किया और सुग्रीव को राजा बना दिया। इसके बाद सुग्रीव ने अपनी पूरी वानर सेना सीता की खोज में लगा दी। वानर सेना ने रावण से युद्ध में भी श्रीराम का साथ दिया था।

अंतर्मन

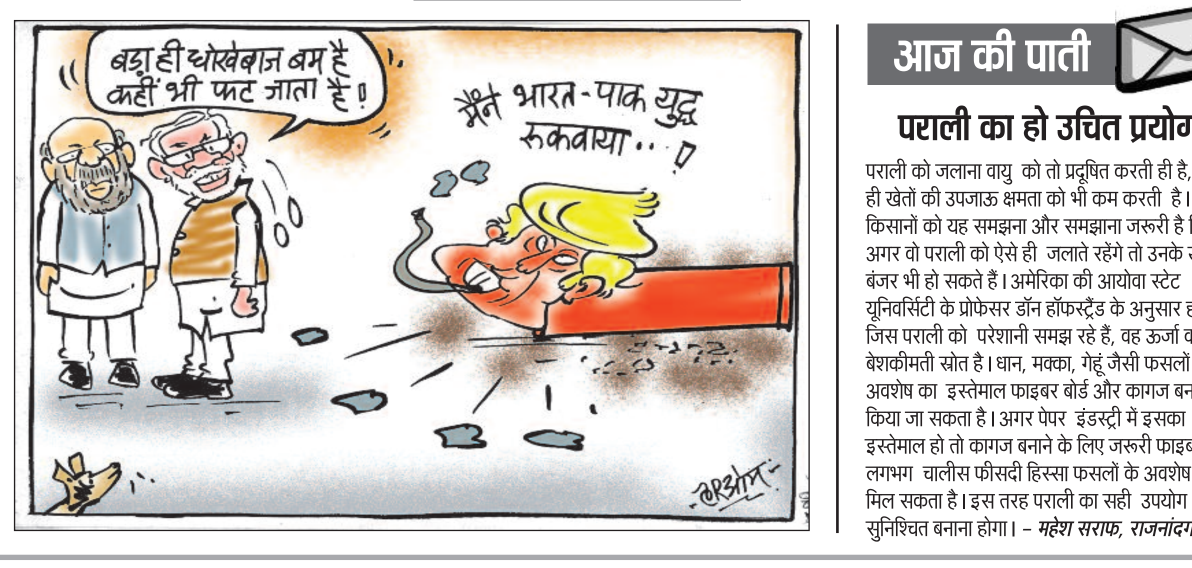

आज की पाती

पराली का हो उचित प्रयोग

पराली को जलाना वायु को तो प्रदूषित करती ही है, साथ ही खेतों की उपजाऊ क्षमता को भी कम करती है। किसानों को यह समझना और समझाना जरूरी है कि अगर वो पराली को ऐसे ही जलाते रहेंगे तो उनके खेत बंजर भी हो सकते हैं। अमेरिका की आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉन हॉफस्ट्रैंड के अनुसार हम जिस पराली को परेशानी समझ रहे हैं, वह ऊर्जा का बेशकीमती स्रोत है। धान, मक्का, गेहूं जैसी फसलों के अवशेष का इस्तेमाल फाइबर बोर्ड और कागज बनाने में किया जा सकता है। अगर पेपर इंडस्ट्री में इसका इस्तेमाल हो तो कागज बनाने के लिए जरूरी फाइबर का लगभग चालीस फीसदी हिस्सा फसलों के अवशेष से मिल सकता है। इस तरह पराली का सही उपयोग सुनिश्चित बनाना होगा। – *महेश सराफ, राजनांदगांव*

ट्रेंड

राष्ट्र निर्माण में योगदान

विकसित भारत युवा नेता संवाद 2.0 हमारे युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का एक शानदार अवसर है। हमारे युवाओं के विचार और अंतर्दृष्टि, विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

महाझूठ का पुलिंदा

महागठबंधन का घोषणापत्र "महाझूठ का पुलिंदा" है। बिहार की जनता को गुमराह करने, धोखा देने और भ्रष्टाचार व जंगलराज को वापस लाने की साजिश! जनता ने पहले ही इनके हर झूठे वादे को नकार दिया है।

- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

आदिवासियों की आवाज

खुद को आदिवासियों की हितैषी बताने वाली हेमंत सरकार अब उन्हीं की आवाज को दबाने के लिए बर्बरता पर उतर आई है। अपनी मांगों के लिए ने स्थानीय विधायक के आवास पर जाने की कोशिश की, तो उन्हें रोकने के लिए धारा 144 लागू कर दी।

-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

एसआईआर प्रक्रिया

करीब 20 साल पहले भी एसआईआर प्रक्रिया हुई, तब कोई विरोध नहीं हुआ। अब चुनाव आयोग ने ही ऐसा माहौल बना दिया जिससे आमजन के मन में शक पैदा हुआ है। एसआईआर से जनता के मन में मताधिकार छीनने की आशंका पनप गई है।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

द. अफ्रीका तीन साल बाद 'ग्रे सूची' से बाहर निकला

दक्षिण अफ्रीका को करीब तीन साल बाद वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की संदिग्ध (ग्रे) सूची से बाहर निकलने में सफलता मिली है। वैश्विक धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण निगरानी संस्था ने पिछले सप्ताह पेरिस में अपनी तीन दिवसीय पूर्ण बैठक के समापन के बाद इस निर्णय की घोषणा की। एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल देशों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है और ऐसे देशों को धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण आदि का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक कमियों को दूर करना होता है। दक्षिण अफ्रीका के वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'गत 32 महीनों में, दक्षिण अफ्रीका ने कार्य योजना की प्रगति का आकलन करने के लिए एफएटीएफ द्वारा नियुक्त समीक्षकों की एक टीम के साथ काम किया है।' बयान के मुताबिक, 'इस सहयोग की वजह से जुलाई 2025 के अंत में समीक्षकों ने मौके का मुआयना किया। इस दौरान समीक्षक सुधारों की स्थिरता की पुष्टि करने के लिए यहां आए और उनके द्वारा तैयार रिपोर्ट एफएटीएफ के समक्ष प्रस्तुत की गई।' बयान में कहा गया कि एफएटीएफ को आश्वासन दिया गया कि सरकार धन शोधन निरोधक और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने (एएमएल/सीएफटी) वाली प्रणाली में स्थायी सुधार के लिए प्रतिबद्धता है।

ऑफ बीट

'चैटजीपीटी एटलस' से इंटरनेट ब्राउजिंग का नया दौर होगा शुरू

ओपनएआई ने पिछले सप्ताह 'चैटजीपीटी एटलस' नामक वेब ब्राउज़र पेश किया जिसे इंटरनेट के साथ हमारी बातचीत के तरीके को पूरी तरह बदलने वाला कदम बताया जा रहा है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन ने इसे "दशक में एक बार मिलने वाला अवसर" बताते हुए कहा कि यह लोगों के इंटरनेट उपयोग के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित करेगा। एटलस को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह उपयोगकर्ता के साथ हर वेबसाइट पर सक्रिय रहे, उनकी पसंद याद रखे, लेखों का सारांश दे और फ्लाइट बुक करने या किराने का सामान ऑर्डर करने जैसे कार्य तक स्वचालित रूप से पूरा करे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस अत्याधुनिक तकनीक के पीछे गंभीर सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी खतरे छिपे हैं, जिनसे आम उपयोगकर्ता निपटने के लिए तैयार नहीं हैं। 'एजेंट मोड' : सुविधा के साथ जोखिम एटलस की सबसे बड़ी खासियत इसका "एजेंट मोड" है, जो चैटजीपीटी को उपयोगकर्ता की ओर से वेब पर अर्ध–स्वायत्त रूप से कार्य करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता कहे "मेरे पास के किसी कॉकटेल बार में टेबल बुक करो", तो यह सुविधा न केवल विकल्प ढूंढेगी, बल्कि स्वतः बुकिंग करने का प्रयास भी करेगी।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771–4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

डबल इंजन सरकार में किसानों को मिले ₹1,25,000 करोड़

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

25.47 लाख
किसान लाभान्वित

₹9,765 करोड़
किसानों के खातों में

2.75 लाख
नए पंजीकृत किसान

दीनदयाल भूमिहीन कृषक मजदूर कल्याण योजना

₹10,000
5.62 लाख
भूमिहीन कृषि मजदूरों को हर साल

कृषक उन्नति योजना

राज्य के **25.49 लाख** किसानों को अब तक
29036 करोड़
की राशि अंतरित

कृषक उन्नति योजना का विस्तार

₹11,000/एकड़
दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी-रागी, कपास पर भी इनपुट सब्सिडी

रेगहा, बटाई, लीज़, डुबान के किसानों को भी लाभ

25.49 लाख
किसानों से ₹3,100/क्विंटल एवं 21 क्विंटल/एकड़ की दर पर धान खरीदी
देश में सर्वाधिक

₹3,716 करोड़
13 लाख
किसानों को दो साल का बोनस

सिंचाई और आधुनिक खेती

₹5,000 करोड़
1 लाख हेक्टेयर सिंचाई विस्तार हेतु निवेश

₹3,500 करोड़
निः शुल्क बिजली 3-5 HP पंपों के लिए प्रावधानित

हाइड्रोपोनिक व एयरोपोनिक खेती को बढ़ावा

शून्य ब्याज ऋण सुविधा

किसान क्रेडिट कार्ड से अल्पकालीन कृषि ऋण शून्य ब्याज पर

गौपालन, मत्स्य पालन, लाख उत्पादन के लिए रियायती ब्याज

श्री विष्णु देव साय
मान. मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

संकल्प से सिद्धि की ओर

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ी लोक गीतों के भाव पक्ष में समाहित जीवन के तत्व

लोक गीत
कमल सार्वा

छत्तीसगढ़ी में जीवन के विभिन्न क्षणों, संदर्भों एवं भावों को व्यक्त करने वाले गीतों की कमी नहीं है। छत्तीसगढ़ का जन जीवन जैसे गीत और संगीत की लय पर झूमता रहता है। लगता है निर्धनता, अभावों और पीड़ाओं से लिपटी यहां की जिंदगी को गीत और संगीत ने ही जीने का संबल दिया है। अभावों से जूझते हुए यहां के अधरों पर लोक गीतों के जो फूल खिले हैं उनकी सुगंध से सारा वातावरण महक उठा है। यहां का कोई उत्सव, मुस्कान, पर्व, आंसू ऐसा नहीं है जिसे इन लोक गीतों ने न दोहराया हो, जिसे इन गीतों ने स्वर न दिया हो।

आकाश में जब काले काले बादल झूमते मचल उठते हैं तो धान के खेतों की हरियाली मेड़ों पर से ददरिया के मादक स्वर अंकुराते हुए बीजों की तरह फूट उठते हैं और अपने माधुर्य से सारे वातावरण को भर देते हैं। श्रृंगार की ऐसी इंद्रधनुषी फुहार पड़ने लगती है, जिसमें कृषि का सारा श्रम धुल जाता है। वर्षा की बिदाई के साथ ही गुलाबी शीत के सुहाने मौसम में जब छत्तीसगढ़ दीपोत्सव के उज्जवल प्रकाश में डूब जाता है, यहां की नारी कण्ठो से निकले सुआ गीतों से मुखरित हो उठती है। चारों ओर करुणा की एक कोमल धारा प्रवाहित होने लगती है। वियोगिनी की पीड़ा हर श्रोता के हृदय में उतर आती है और आंसू पलकों पर छा जाते हैं। जब पलास की कली कली लाज से रंग उठती है, अमराई जब अपने ही उमड़ते यौवन की सुगंध से बौरा उठती है, जब बसंत का यौवन रंग बिरंगे पुष्पों के रूप में फूट कर अपने उभार पर आ जाता है तब छत्तीसगढ़ का वायुमंडल फाग नामक बसंत गीतों से गूंज उठता है। श्रृंगार और भक्ति से इन गीतों में ऐसी मस्ती है, ऐसा उल्लास है जो गायकों के हृदय में न समाकर फूट पड़ता है। प्रकृति में फूट पड़ने वाले पल्लव की तरह, कलियों की तरह, फूलों की तरह। साहित्य में नौ स्थायी भाव प्रतिष्ठित हैं जो परिपुष्ट होकर क्रमशः सभी रस का रूप धारण करते हैं।

लोक साहित्य
उर्मिला शुक्ल

छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य के अध्येता

लोक हमारी सामाजिक चेतना की गंगोत्री है। इसी ने समय के साथ सभ्यता और संस्कृति के विविध सोपान गढ़े हैं। अतः लोक कला चेतना, लोक संस्कृति और साहित्य की उपेक्षा नहीं की जा सकती। मगर ज्यों ज्यों हम सभ्यता की ओर अग्रसर हुए हैं, इसकी लगातार उपेक्षा हुई है। पढ़े लिखे तथा कथित सुसंस्कारित समाज ने साहित्य और लोक को बांट दिया है। परिणामस्वरूप सभ्य समाज का साहित्य, शिष्ट साहित्य अनपढ़ गंवारो का साहित्य मान लिया गया। यह विभाजन अंग्रेजों के फोक लिटरेचर की देन है, जहां लोक बौद्धिकता और सभ्यता की सीमा रेखा के उस पार है। पश्चिम के कई विद्वानों की परिभाषा में लोक का अर्थ पुरातन है। यद्यपि भारतीय अवधारणा इस परिभाषा से मेल नहीं खाती और अधिकांश विद्वान इसे लोक से अलग कर देखते हैं। मगर फिर भी जितना और जैसा अध्ययन शिष्ट साहित्य या लिखित साहित्य का हुआ है, उतना लोक साहित्य का नहीं। कारण बहुत से हैं उनमें से एक यह भी है कि लोक साहित्य नगरों से दूर ग्रामीण अंचलों में सिमटा हुआ है, उसे ढूंढने में, उसके अध्ययन में बहुत अधिक ऊर्जा और उससे अधिक लगन की आवश्यकता होती है और हमारे सुविधाभोगी समाज में इन दोनों का अभाव रहा है। फिर भी शिष्ट साहित्य से जुड़े अनेक ऐसे लोग हैं जिन्होंने सारी सुविधाओं को छोड़ कर लोक का अध्येता होना स्वीकार किया और वह लोक साहित्य, जो अब तक का अनजाना था, उसका लेखन संकलन और परिवर्तन किया। उस अंचल के लोक साहित्य का अध्ययन और उसके अध्येताओं को अंगुलियों में गिना जा सकता है, छत्तीसगढ़ ऐसा ही अंचल है।

ऐतिहासिक
डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र

कल्चुरीकालीन चक्रकोट का छिंदक नागवंश

चक्रकोट या प्रारंभिक इतिहास की जानकारी हमें प्राप्त शिलालेखों, ताम्रमुद्राओं, स्वर्ण मुद्राओं से प्राप्त होते हैं। डा फिल्ट के अनुसार नल नरेशों का शासन काल तुंगभद्र नदी के एक ओर रहा होगा। पुलकेशिन द्वितीय के शिलालेख में नल शासकों का उल्लेख है कि वे चालुक्य शासन के शत्रु थे। राष्ट्रकूट राज्य के अधीन करीम नगर के सरदार ने बस्तर में कुछ समय के लिए शासन किया होगा। इस वंश के राजा बड़ेग्गा के राजकाल में बैंगी के चालुक्य और कांची के चोल नरेशों ने बस्तर पर आक्रमण किए थे। बड़ेग्गा के पौत्र आरिकेसरी द्वितीय के दरबार में एक कन्नड़ कवि पंपा ने अपने काव्य ग्रंथ 'विक्रमार्जन विजयम' में बस्तर के अनेक स्थलों का वर्णन किया है। वेंगी के राजा विक्रमादित्य चतुर्थ का दरबारी कवि विल्हण ने अपने काव्य ग्रंथ ' विक्रमादेव चरितम ' में उल्लेखित किया है कि विक्रमादित्य ने चक्रकोट के किले पर आक्रमण कर उसे अपने अधिकार में ले लिया था। 10 वीं शताब्दी के प्रारंभ में बस्तर में नागवंशी राजाओं ने अपने राज्य की स्थापना की, जो रतनपुर के कल्चुरी राजाओं के प्रतिद्वंद्वी थे। यह नागवंशी नरेश छिंदक कुल के थे और चक्रकोट का रूपांतर आज का चित्रकूट है। छिंदक नागवंश के अनेक अभिलेख चक्रकोट अथवा पुरातन बस्तर राज्य के अंतर्गत बारसूर, पोटीनार, नारायणपाल, कुरूसपाल, गढ़िया, राजापुर, दंतेवाड़ा, जटनपाल, सोनारपाल, टेमरा आदि स्थानों में उपलब्ध है। पहले के अवधि में यह पूरा क्षेत्र चक्रकोट कहलाता था।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- Choupalharibhoomi@gmail.com

परम्परा
डा. डी पी देशमुख

आदिवासी संस्कृति का देव मड़ई-ठेमा बुजुर्ग

दीपावली त्यौहार के बाद एक और उत्सवी व धार्मिक पर्व, मंडई की परंपरा पूरे राज्य में देखने को मिलती है। इन पर्वो में मेल- मिलाप, उमंग, उत्साह, धार्मिक आस्था एवं सामाजिक समरसता का स्पष्ट प्रभाव दिखता है। कुछ स्थानों में यह पर्व दीपावली के बाद के रविवार को होना निश्चित रहता है,जिसकी सभी को प्रतीक्षा रहती है। मैदानी भाग के व वन क्षेत्र में विशेषकर आदिवासी जाति के इन पर्वों के विधि-विधान भिन्न होते है। धार्मिक आस्था का प्रतिरूप आदिवासी समुदाय इसे देव- मंडई के रूप में मनाते हैं। बालोद जिला के डौंडी ब्लाक में ठेमा-बुजुर्ग का बहुचर्चित देव मंडई का आयोजन आदिकाल से होते आ रहा है। दिवाली पर्व के बाद प्रथम रविवार या सोमवार को नियत तिथि में आसपास के 20-25 गांवों के ग्राम्य देवी-देवताओं की उपस्थिति में ग्राम-ठेमा बुजुर्ग स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर के प्रांगण में यह देव- मंडई विधि-विधान से सम्पन्न होता है,जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों की उपस्थिति रहती है।

जनश्रुति के अनुसार कई सौ साल पहले लांझीगढ़ में मरई राजा के पड़ोसी राजा ने लांझीगढ़ पर आक्रमण कर दिया था। युद्ध में परास्त मरई राजा अपनी फ़ौज के साथ पानाबरस पार कर डौंडी के समीप ग्राम कामता पहुंचे,वहाँ से घोरदा गांव होते हुए ठेमा नदी को पार कर बस्तर चले गए। इधर राजा के पुजारी व अन्य प्रजा भी आ गए थे। राजा के जाने के बाद नेताम पुजारी गण जिन्हें दीवान की उपाधि मिली थी,घोरदा होते हुए मरई राजा के देवी-देवता के साथ ठेमा पहुंचे,उनके साथ बची हुई सेना और प्रजा भी साथ में थे। सुरक्षा की दृष्टि से ठेमा में नियमित युद्ध कला का प्रदर्शन होता था इस कारण कालांतर में गांव का नाम ठेमा-कला रखा गया। नेताम दीवानों के बुजुर्ग पितामह भूमियार डोकरा की मृत्यु के बाद यहाँ समाधि बनी तत्पश्चात इस गांव का नाम ठेमा-बुजुर्ग हो गया।

नेताम दीवान व लांझी से आये अन्य प्रजा भी यहीं बस गए,उन्होंने भक्तिभाव से मां दंतेश्वरी की मूर्ति स्थापना की एवं साथ लाये अन्य देवी-देवताओं को स्थापित कर खपरैल का मंदिर निर्माण किया गया। यहाँ स्थानीय देवी-देवताओं को भी महत्व दिया गया। देवस्थल में प्राचीन अस्त्र-शस्त्र को भी सुसज्जित किया गया है। इसी स्थल पर सैकड़ों साल पहले से ठेमा-बुजुर्ग का देव मंडई-मेला प्रति वर्ष धूमधाम से होता आ रहा है। आयोजन के पूर्व मंडई समिति द्वारा आसपास के गांवों में निमंत्रण भेजता है,ग्रामीण अपने कुल देवी-देवता को लेकर मेले में आते हैं। ऐसी मान्यता है कि निमंत्रण मिलने के बाद भी यदि गांव के लोग शामिल नहीं होते,तो उनके देवी-देवता नाराज हो जाते है और गांव में अनेक प्रकार की विपत्ति आती है। इस अंचल के सभी बैगा अपने दल-बल लेकर बाजा-गाजा के साथ मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में पहुंचते हैं, गांव वाले भी अपने दल के साथ डांग-मंडई लेकर आते हैं। दंतेश्वरी माता मंदिर का पुजारी और गांव का बैगा देवी-देवताओं का आव्हान कर एक दूसरे के कमर में हाथ डालकर,डांग लेकर आये लोगों के पास जाते हैं। बैगा अपने कुलदेवी को सुमरता है,तब उस पर देवता समाहित होता है और वह झूमने लगता है।ठीक वैसे ही डांग पकड़ने वाले भी झूमने लगते है,उसका पैर थमता नहीं है,वह मचलता है मां दंतेश्वरी के दर्शन करने के लिए। विधिवत पूजा-अर्चना के बाद यह समझा जाता है कि देवी-देवता मंडई में प्रविष्ट हो गए। मंडई के निर्विघ्न सम्पन्न होने के लिए डांग लेकर,बाजा-गाजा के साथ बैगा व अन्य लोग पूरे मेला स्थल का परिक्रमा करते है। रंगबिरंगे परिधान में कुछ देवता चढ़े खुले बदन में बैग की भावभंगिमा, बाजा-गाजा के साथ भक्तिभाव से सराबोर यह दृश्य अत्यन्त ही रोमांचक व अद्भुत होता है जिसे मंडई में उपस्थित सभी दर्शक देखना चाहते हैं व देवी-देवताओं का आशीष लेना अपना परम सौभाग्य समझते हैं।

पुरातात्विक : राजेश पाण्डेय

सिरपुर में उत्खनन से देवी-देवताओं से संबंधित अवशेष अब भी हो रहे हैं प्राप्त

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगभग 70 कि मी दूरी पर स्थित सिरपुर में लगातार उत्खनन होने से देवी देवताओं से संबंधित अनेक अवशेष आज भी प्राप्त हो रहे हैं। यहां गंधेश्वर मंदिर के सामने खाली जगह पर खुदाई का काम चल रहा है। लगभग तीन स्तर में 70 मीटर खुदाई करने पर तीन शरभपुरीय, सोमवंशी और कल्चुरी राजवंशों के शासन काल में निर्मित भवन और मन्दिरों के अवशेष मिले हैं। एक मिले स्तम्भ में चारों ओर उलूकवाहिनी लक्ष्मी, हलधर और मयूरासन सरस्वती की मूर्ति अंकित की गई है। शरभपुरीय वंश के एक शिवलिंग के नीचे तल में एक सोने की नंदी और अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई हैं। लगातार खुदाई का क्रम जारी है, और कई खंडित और जीर्ण शीर्ण अवस्था में बड़ी छोटी अनगिनत मूर्तियां मिल रही हैं। अभी भी प्राचीन अनेक अवशेषों के मिलने का क्रम जारी है। प्राप्त दुर्लभ प्रतिमाएं और अवशेषों को सहेजने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। पुरातत्ववेत्ता भी अपने अथक प्रयासों से तथ्यों को उजागर करने में कोई कमी नहीं कर रहे हैं। शासन प्रशासन भी इस कार्य में भरपूर सहयोग प्रदान कर रही हैं।

गांव की कहानी
विश्वनाथ देवांगन

मांडव्य ऋषि के नाम पर गांव मंडवाडीह

भगवान श्रीराम आरंग से महानदी मार्ग से आगे बढ़ कर फिंगेश्वर पहुंचे थे। घने जंगल के बीच यहां बाबा मांडव्य ऋषि के आश्रम के साथ कुटिया और यज्ञ शाला मौजूद है। अब यहां बसा गांव मंडवाडीह के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है कि यहां ही बाबा मांडव्य ऋषि ने तपस्या की थी। मान्यता है कि भगवान राम अपने वनवास काल के दौरान फिंगेश्वर के फ़णिकेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर के राजिम जाने का रास्ता पूछा था, इसलिए यहां राम जानकी का मंदिर स्थापित किया गया है। इस आश्रम में ऐतिहासिक शिव मंदिर भी है। सावन के महीने और महाशिवरात्रि के अवसर पर कांवरिए भोलेनाथ के मंदिर में जल चढ़ाने आते हैं। वहीं इसके पास ही ग्राम हथखोज में सात नदियों का संगम है, जिसमें महानदी, पैरी, सोढ़ूर, सुखा नदी, बेसला, सरगी और बगनई नदी की जलधारा मिलती है। इसलिए इस स्थान का नाम सप्तधारा पड़ा है।

सुरता : स्वराज करुण

विसंगतियों को निशाना बनाने वाले शीर्षस्थ व्यंग्यकार लतीफ़ घोंघी

छत्तीसगढ़ के जिला मुख्यालय महासमुन्द के पास ग्राम बेलसोंडा में 28 सितम्बर 1935 को लतीफ घोंघी का जन्म हुआ था। व्यंग्य साहित्य को समृद्ध बनाने में उनका अतुलनीय योगदान था। उनकी प्रकाशित रचनाओं और पुस्तकों की एक लम्बी सूची है।

लगभग आधी शताब्दी के उनके लेखकीय जीवन में विभिन्न पत्र -पत्रिकाओं में बड़ी संख्या में उनकी रचनाएं नियमित रूप से छपती रहीं। देश के अनेक प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थानों से उनके 35 से अधिक व्यंग्य संग्रह प्रकाशित हुए। इनमें तिकोने चेहरे (वर्ष 1964), उड़ते उल्लू के पंख (1968), मृतक से क्षमा याचना सहित (वर्ष 1974), बीमार न होने का दुःख (वर्ष 1977), संकटलाल ज़िंदाबाद (वर्ष 1978), बुद्धिमानों से बचिए (वर्ष 1988) और मंत्री हो जाने का सपना (वर्ष 1994) और बतरस भी उल्लेखनीय हैं। अपनी धारदार व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से उन्होंने हमेशा देश की सामाजिक ,आर्थिक और राजनीतिक विसंगतियों पर निशाना साधा और व्यंग्य बाणों की बौछारों से व्यवस्था की विद्रूपताओं पर तीखे हमले किए। मुस्कुराहटों के साथ तिलमिलाहट उनकी व्यंग्य रचनाओं की विशेषता थी ,जो किसी भी बेहतरीन व्यंग्य रचना की सफलता के लिए अनिवार्य है । जिसे पढ़कर पाठकों को हँसी तो आए लेकिन व्यवस्था जनित विसंगतियों पर गुस्सा भी आए । तरह -तरह की विवशताओं में कैद ,परेशान ,हलाकान इंसानों का चित्रण देखकर मन करुणा से भर उठे , वही असली व्यंग्य है।

इस मायने में लतीफ़ घोंघी राष्ट्रीय स्तर के एक कामयाब और शानदार व्यंग्यकार थे। उन्हें समय -समय पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। वह पेशे से वकील थे ,लेकिन जीवन के पूर्वार्ध में उन्होंने आजीविका के लिए कई काम सीखे ,कई व्यवसाय किए, दर्जी का काम भी किया। सरकारी प्राथमिक स्कूल में अध्यापक की नौकरी की। बाद के वर्षों में वकालत की पढ़ाई करने के बाद अधिवक्ता के रूप में महासमुन्द कोर्ट में प्रेक्टिस करने लगे। साहित्य के अलावा संगीत में भी उनकी गहरी दिलचस्पी थी। गायन ,वादन के शौकीन थे। व्यंग्य लेखक के रूप में उनकी एक बड़ी ख़ासियत यह थी कि वह अपनी किसी भी रचना की कोई भी कॉपी पहले किसी कागज या रजिस्टर या डायरी में हाथों से लिखकर नहीं रखते थे। उसे एक ही बार में ,एक ही स्ट्रोक में अपने छोटे-से पोर्टेबल टाइपराइटर पर टाइप कर लेते थे और छपने के लिए भेज देते थे। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में उनके व्यंग्य साहित्य पर कई शोधार्थियों को पी-एच.डी. की उपाधि मिल चुकी है। कई लघु शोध प्रबंध भी लिखे गए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी ने भी उनके चयनित व्यंग्य लेखों का संकलन प्रकाशित किया है। वे अपने गृहनगर महासमुंद में 24 मई 2005 को यह भौतिक संसार छोड़ गए।

जैकेट के शेष

नया विधानसभा भवन ....

की ओर लगाई गई है, जबकि अध्यक्षीय दीर्घा और वरिष्ठ अधिकारी दीर्घा में भी चुनिंदा लोगों के बैठने की ही व्यवस्था की गई है।

चक्रवात 'मोंथा' का ....

तूफान की नवीनतम स्थिति से संकेत मिलता है कि इसके तट से टकराने की प्रक्रिया शुरू हुई। आईएमडी ने कहा, नवीनतम अवलोकनों से संकेत मिलता है कि तूफान के तट से टकराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया अगले तीन से चार घंटे तक जारी रहेगी। थाई भाषा में 'मोंथा' का अर्थ सुगंधित फूल होता है। आईएमडी के मुताबिक चार घंटों में यह मौसम प्रणाली एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को पार कर गई, जिसमें अधिकतम 90 से 100 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चली और यह गति 110 किमी प्रति घंटे तक थी। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर शहर में भारी बारिश के चलते कई जगहों पर जलभराव देखने को मिल रहा है। विशाखापत्तनम में भारी बारिश जारी है, जिसके कारण मल्कापुरम पुलिस स्टेशन के पास एक दीवार ढह गई।

दो माह के ....

आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। मासूम की मां चांदनी झाड़ी ने बताया कि दो तीन दिनों से सूर्यांश को ज्यादा सर्दी हो गया थी, जिसे डॉक्टर को दिखाने सुबह 8:30 बजे आवापल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। इस दौरान डॉक्टर उपस्थित नहीं थे। नर्सों ने फोन से सम्पर्क कर जानकारी दी और फोन में ही डॉक्टर से बात करते रहे बच्चे को इंजेक्शन लगाना शुरू कर दिए। उन्होंने बताया कि बच्चा अभी डेढ़-दो माह का है, जिसे दूसरा टीका भी नहीं लगा है, मगर नर्स हमारी बात सुनने को तैयार ही नहीं थी। उल्टे हमसे ही बहस करते हुआ कहने लगी कि डॉक्टर हम हैं या तुम हो, फोन पर जिस डॉक्टर से बात कर रही थी उनका नाम हर्ष वर्धन बताया गया है। फिर एक बाद एक पांच इंजेक्शन लगाते गई। इंजेक्शन लगाने के बाद बच्चा खामोश हो गया। दूध पिलाने जैसे उसे उठाई शरीर पूरी तरह ठंडा पड़ गया। बच्चा कोई हरकत नहीं करने की बात बताने पर डॉक्टर को बुलाया, वह भी काफी लेट से पहुंचे। जांच कर बताया की बच्चे की मौत हो गई है।

नहीं रहता कोई डॉक्टर : मृत बच्चे के पिता साहिल झाड़ी ने आवापल्ली बीएमओ उमेश सिंग ठाकुर और डॉक्टर, स्टाफ नर्स पर लापरवाही पूर्वक इलाज करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आवापल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार की व्यवस्था बेलगाम है। जब भी इलाज के लिए आए कभी कोई डॉक्टर मौजूद नहीं रहता। इलाज की जिम्मेदारी स्टाफ नर्सों पर है। आपात स्थिति में भी मरीज को देखने वाला कोई नहीं। फोन के जरिये डॉक्टर नर्स को जैसे जैसे बताते है वह वैसे इलाज करते है, जिसका परिणाम मौत है। जैसा की मेरे बच्चे की जान गई अगर डॉक्टर जांच कर इलाज करता तो शायद हमारा सूर्यांश जीवित रहता। उन्होंने लापरवाह डॉक्टर और नर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

दवाइयां तक उपलब्ध नहीं : प्राथमिक एवं समायदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज की व्यवस्थाएं दम तोड़ रही हैं। स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर और नर्स स्टाफ की मौजूदगी दूर की बात है, यहां दवाइयां तक उपलब्ध नहीं है। जो दवाई है वह एक्सपायर हो चुकी है।

पुत्र के नक्सली होने ....

इतनी बदतर है कि देखकर किसी का भी दिल पसीज जाए। कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत बदरंगी का आश्रित ग्राम पटेलपारा मरदा में रहने वाले उदय सिंह सलाम का बेटा नक्सलियों की कंपनी नंबर 05 का कमांडर राजू सलाम डीकेएसजेडसी ने जगदलपुर में 17 अक्टूबर को हथियार डाले, उसके बाद हरिभूमि की टीम उसके गांव पटेलपारा मरदा पहुँची। घर के सामने दरवाजे पर दो बल्ली का टेका लगा हुआ था, ऐसा लग रहा था कि कब गिर जाएगा और पाँच मिनट तक आवाज दिया, परंतु घर से कोई बाहर नहीं निकला। उसके घर के सामने बोर है, जहां पर लोग पानी भरने आते है। पानी भरने वालों ने बोला कि अंदर जाओ, तभी उसके पिता मिल पाएंगे, बिस्तर से नहीं उठ पाते है। आवाज देते हुए उसके घर के अंदर पहुँचे तो सबसे पहले सामना राजू सलाम की सबसे छोटी बहन से हुआ, परंतु वह सहम गई, उसे विश्वास दिलाया कि हम लोग पुलिस वाले नहीं है, पत्रकार है। उससे पूछा कि आपको पता है कि राजू सलाम ने समर्पण कर दिया है, उन्होंने बताया कि समाचार में देखा है। उसके बाद बड़े भाई के बच्चे आए, जो अंतागढ़ में पढ़ते है। परिवारिक जानकारी देते हुए बच्चों ने बताया कि राजू सलाम भाइयों में सबसे छोटा था, उससे बड़े दो भाई है, जिसमें एक बोर में काम करने दूसरे प्रदेश गया है। वहीं बड़ा भाई खेत गया था। चार बहनों में तीन बहन की शादी आसपास के गांव में हुई, वहीं चौथी बहन की शादी अभी नहीं हुई है।

पिता के कान खराब, कम सुनाई देता है : हरिभूमि ने बच्चों से पूछा कि पिता कहाँ है, उन्होंने कपड़े के लगे दरवाजे को हटाया जो एक कमरे में खाट पर लेटे थे और आग उनके खाट के पास जल रही थी। उनसे कुछ जानना चाहा तो बच्चों ने बताया कि उनको सुनाई कम देता है, जोर से बात करनी पड़ेगी। उनसे बात करने के लिए बहुत जोर से चिल्लाना पड़ा, तब वो किसी बात का जवाब दे पा रहे थे।

23 साल में कोई मदद नहीं की : कमांडर के पिता ने हरिभूमि से बात करते हुए कहा कि उसने 23 साल में कोई मदद नहीं किया। उसके पिता ने दुखी मन से कहा कि हम गरीब लोग हैं, मेहनत-मजदूरी करके किसी तरह गुजारा करते हैं, लेकिन उसने बंदूक उठा लिया था। उसकी इस करतूत से गांव में हमारा नाम लेने में भी लोग कतराते है। गांव के बच्चों से राजू सलाम के बारे में जानना चाहा, तो उन्होने मुँह फेर लिया।

सड़क व पानी की सुविधा कमांडर के घर तक : कोयलीबेड़ा में सुनने को मिला कि कमांडर राजू ने अपने घर तक सीसी रोड बनवाया था और घर के सामने सरकारी बोर खुदवाया। उसके अलावा सोलर पैनल से भी पानी की व्यवस्था थी। उसके गांव जब पहुँचे और उसके घर के बारे में पूछा, लोगों ने संकोच करते हुए बताया। गांव में देखा तो कोयलीबेड़ा में हुई चर्चा सही निकली। वास्तव में डर के कारण बनाया गया या नियमानुसार बना, यह तो स्थानीय जनप्रतिनिधि ही जान सकते है।

एक साल पहले ....

पैर छूकर चला गया। मेरे दोनों बेटे अनपढ़ है, यह पढ़ने में होशियार था परंतु यह नक्सली बन गया। उसने परिवार और समाज दोनों की राह छोड़ दी है।

चार दशक से ....

सगंठन में शामिल थे। दोनों नक्सलियों पर अलग-अलग नक्सल प्रभावित राज्यों में एक करोड़ रुपए से अधिक का ईनाम घोषित था। वहीं, छग व तेलगांना में स्टेट कमेटी मेंबर बण्डी प्रकाश पर 25-25 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। समर्पित नक्सली पुल्लरी प्रसाद राव उर्फ चन्द्रन्ना नक्सलियों के केन्द्रीय कमेटी का मेंबर था, जबकि बण्डी प्रकाश तेलंगाना स्टेट कमेटी और स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य था। बंडी प्रकाश का नाम माओवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल है। बंदी प्रकाश उर्फ प्रभात, अशोक, क्रांति मंचेरियल जिले के मंदामरी से हैं। प्रकाश के पिता सिंगरेनी कार्यकर्ता हैं। उन्होंने 1982-84 के बीच गांव चलो आंदोलन के माध्यम से रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन (आरएसयू) के लिए संघर्ष किया। इसके बाद वे माओवादी पार्टी से संबद्ध सिंगरेनी वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष बने और वहां से राज्य समिति के सदस्य बने।

हथियार डालने ...

बाद सिंगरेनी कमेटी ने भी हथियार डालने का ऐलान किया था। इससे पूर्व तेलगांना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर माओवादियों से आत्मसमर्पण करने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि कुछ माओवादी पहले ही आत्मसमर्पण कर चुके हैं और बाकी भी जन-जीवन में शामिल होकर देश के विकास का हिस्सा बनना चाहते हैं। दोनों के समर्पण नक्सल संगठन के लिए एक बड़ा झटका कहा जा सकता है।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. EPC-CECONIIBBS 2025048, दिनांक : 17.10.2025

कार्य का नाम : भद्रक-विजयनगरम सेक्शन (385 कि.मी.) पर निर्गुण्डि-बारंग (22 कि.मी.) एवं खोरधा रोड-विजयनगरम (363 कि.मी.) के बीच तीसरी लाइन के कार्य के निष्पादन से संबंधित खोरधा रोड-गंगाधरपुर के बीच रोडबेड (Roadbed), छोटे पुल, बड़े पुल, रोड अंडर ब्रिज / सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग, बिल्डिंग कार्य, बैलास्ट की आपूर्ति, P.WAY लिंकिंग एवं अन्य अनुषंगी कार्य के निष्पादन के साथ संकेत एवं दूरसंचार उपयोगिता का स्थानान्तरण एवं विद्युतीकरण कार्य जैसे की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सहित जनरल सर्विस कार्य, HT एवं LT लाइनों का स्थानान्तरण एवं रूपान्तरण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 50107.52 लाख, EMD : ₹ 2,00,00,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 30 (तीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 17.12.2025 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/ भुवनेश्वर

PR-143/CI/25-26

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-East-WAT-40-2025, दिनांक 21.10.2025

कार्य का नाम: वरिष्ठ मंडल अभियंता (SR. DEN)/ EAST/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन पलासा-विजयनगरम-डोंकिनवलसा सेक्शन के बीच लूप लाइनों के साथ सभी यार्ड लाइनों के लिए यार्ड सुधार/उन्नयन के संबंध में PWAY कार्यों का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागत: रु.5,09,30,671.96, EMD: रु. 4,04,700.00, समापन अवधि: 12 (बारह) महीने।

(2) सूचना सं.: eT-East-WAT-41-2025, दिनांक 21.10.2025

कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ विजयनगरम जंक्शन (VZM) के अधिकार क्षेत्र के अधीन यार्ड सुधार/उन्नयन के संबंध में विभिन्न यार्डों में साइड ड्रेनों का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत: रु.6,81,75,941.37, EMD: रु. 4,90,900.00, समापन अवधि: 12 (बारह) महीने।

(3) सूचना सं.: eT-East-WAT-42-2025, दिनांक 21.10.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता (SR.DEN)/EAST/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन गर्डर पुलों पर 144 संख्यक H-बीम स्लीपर द्वारा चैनल स्लीपर का प्रतिस्थापन।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 50,21,331.18, EMD: रु. 1,00,400.00, समापन अवधि: 04 (चार) महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 14.11.2025 को 1500 बजे (सभी निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर

PR-733/Q/25-26

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

स्टोर्स आइटम्स की आपूर्ति हेतु निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना संख्या: एन.आई.टी./14/25/46 एवं 48, दिनांक: 22.10.2025

क्र. सं.	टेण्डर संख्या	विवरण	निविदा बंद/खुलने की तिथि व समय	मात्रा
1	04255051	12.3 एमव्हीए, 55/27.5 केव्ही, ऑटो ट्रांसफार्मर सुइटेबल फॉर 220/132/2x55 केव्ही स्कॉट कन्नेक्टेड पॉवर ट्रांसफार्मर	07.11.2025	04 नग
2	02251731A	ईलास्टीक रिंग (एक्लाथान रिंग) एज पर आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नंबर-आरडीएसओ/2007/ईएल/ स्पेसि/0053	06.11.2025	598 नग
3	02251727A	एस्फेरी ब्लॉक फॉर एक्सल गाईड लिंक/टीएम टॉर्क आर्म फॉर डब्ल्यूएपी7/ डब्ल्यूएजी 9 लोको	06.11.2025	7533 नग
4	03252440C	पीओएच किट फॉर कॉन्स्टेंट कॉन्टेक्ट पोल्यूरेथेन साईड बेयरर पैड एसेंबली (डिजाईन ए)	14.11.2025	12938 सेट
5	03252674	केबल एसेम्बली फॉर हैंड ब्रेक ऑफ बॉक्सएनएचएल [बीएमबीएस] वैगन	14.11.2025	3843 नग
6	04255052A	16.5 एमव्हीए 55 केव्ही/27.5 केव्ही 50 एचजेड ऑटो ट्रांसफार्मर विथ बुशिंग सीटी ऑयल एण्ड अदर इक्विपमेंट	07.11.2025	16 नग
7	02251001	लॉग लाईफ लोको साईड बफ्फर एसेम्बली	10.11.2025	409 नग
8	06250087A	सीएमएस कॉसिंग फॉर बीजी 60 केजी (यूआईसी), 1 इन 8.5 टू आरडीएसओ डीआरजी नंबर टी-4967, एएलटी 9	14.11.2025	231 सेट

निविदा खुलने/बंद होने का समय :- 10.30 बजे

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई-खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सीपीआर/10/403 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

IndianOil | Bharat Petroleum | HP

घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण अभियान

पीएमयूवाई उपभोक्ताओं सहित घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को निम्नलिखित में से किसी भी तरीके से निःशुल्क बायोमेट्रिक **आधार प्रमाणीकरण** (ईकेवाईसी) कराना आवश्यक है:

1. अपनी तेल विपणन कंपनी (IOCL/BPCL/HPCL, जैसा भी लागू हो) के मोबाइल ऐप के माध्यम से **स्व-बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण**। (कृपया ओएमसी के मोबाइल ऐप और यूआईडीएआई का आधार फेस आरडी ऐप डाउनलोड करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें)। वैकल्पिक रूप से, https://www.pmuy.gov.in/e-kyc.html पर जाएँ।
2. **अपने एलपीजी वितरण कर्मी के माध्यम से** या अपने एलपीजी वितरक से संपर्क करके बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण (ईकेवाईसी) पूरा करें।

पीएमयूवाई लाभार्थियों, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने पहले बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है, को **प्रत्येक वित्तीय वर्ष में एक बार** इसे पूरा करना होगा यदि वे **14.2 किलोग्राम सिलेंडर के 8वें और 9वें रिफिल पर (या 5 किलोग्राम सिलेंडर के मामले में आनुपातिक 21वें रिफिल से) लक्षित डीबीटी सब्सिडी (₹ 300 प्रति 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर)** का लाभ उठाना चाहते हैं।

- लक्षित डीबीटी सब्सिडी एक वित्तीय वर्ष में केवल 9 रिफिल तक ही लागू होती है (14.2 किलोग्राम सिलेंडर के लिए ₹ 300 या 5 किलोग्राम सिलेंडर के लिए आनुपातिक)
- **8वीं और 9वीं रिफिल** के लिए लक्षित डीबीटी सब्सिडी **स्थगित रखी जाएगी** तथा केवल तभी जारी की जाएगी जब उस वित्तीय वर्ष के 31 मार्च से पहले बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण पूरा हो जाएगा।
- यदि **31 मार्च** तक बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण पूरा नहीं किया जाता है, तो वर्ष के दौरान ली गई रिफिल के लिए रोकी गई सब्सिडी स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगी।
- **बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के अभाव में** एलपीजी रिफिल की आपूर्ति और वितरण **किसी भी तरह से बाधित नहीं होगा**; लाभार्थी निर्धारित वार्षिक सीमा तक रिफिल बुक करना जारी रख सकते हैं।
- 14.2 किलोग्राम के 9 रिफिल तक (और आनुपातिक रूप से 5 किलोग्राम के सिलेंडर के लिए) ₹ 300 प्रति सिलेंडर की लक्षित सब्सिडी लागू है।
- जिन पीएमयूवाई लाभार्थियों ने वित्तीय वर्ष में एक बार बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है, उन्हें उस वर्ष इसे दोबारा करने की आवश्यकता नहीं है।

आपका एलपीजी वितरक/डिलीवरी कर्मचारी भी आपसे संपर्क करेगा। अधिक जानकारी के लिए, कृपया तेल उद्योग हेल्पलाइन (टोल-फ्री): 1800 2333 555 पर संपर्क करें।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा जनहित में जारी

पेज एक के शेष

आठवें वेतन आयोग के गठन ...

ऐन पहले लिया गया है। मंत्रिमंडल ने न्यायमूर्ति देसाई को आयोग का प्रमुख बनाने के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), बेंगलूर के प्रोफेसर पुलक घोष को अंशकालिक सदस्य और पेट्रोलियम सचिव पंकज जैन को सदस्य-सचिव बनाने का भी फैसला किया। न्यायमूर्ति देसाई इस समय भारतीय प्रेस परिषद की चेयरमैन हैं। इससे पहले वह जम्मू-कश्मीर परिसीमन आयोग और उत्तराखंड समान नागरिक संहिता की मसौदा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। उच्चतम न्यायालय से सेवानिवृत्ति के बाद यह उनका चौथा प्रमुख कार्यभार होगा। वैष्णव ने आयोग की सिफारिशें लागू होने की तारीख के बारे में पूछे जाने पर कहा, इसकी विशिष्ट तिथि अंतरिम रिपोर्ट आने के बाद ही तय की जाएगी, लेकिन ज्यादा संभावना है कि यह एक जनवरी, 2026 से प्रभावी हो जाएगी।

बाइक से आए तीन...

करने वाले किरारी निवासी राजू सिंह, तुकेश सिंह, तमेश सिंह, नितेश सिंह, बबला सिंह सहित 6 से 7 लोग कुर्सी में बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान शहर की ओर से बाइक में तीन नहाबपोश वहां पहुंचे और उन लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। नकाबपोशों ने 14 से 15 राउंड फायरिंग की, अचानक फायरिंग होने से ठाकुर परिवार के लोग नकाबपोशों पर कुर्सी फेंककर भागने लगे। इसी दौरान चंद्रकांत सिंह के दाहिने हाथ में व राजू सिंह के पैर में गोली लगने से चोट आई है। वहीं अन्य लोग बाल बाल बच गए। फायरिंग करने के बाद नकाबपोश बाइक मोड़कर शहर की ओर भाग निकले। अधाधुंध फायरिंग से मस्तूरी दहल गया। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। आनन फानन में दोनों घायलों को इलाज के लिए अपोलो हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही एसएसपी रजनेश सिंह, एडीशनल एसपी अर्चना झा, एसीसीयू टीम, मस्तूरी पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मौके से 14 नग खाली खोखा बरामद किया है। पुलिस नकाबपोशों की सरगर्मी से तलाश में जुट गई है।

शिक्षकों के 4708 पदों पर...

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय को लिख गए खत के अनुसार, वित्त विभाग से इन पदों पर भर्ती के लिए अनुमति मिल गई है। शिक्षकों के शेष 25 हजार पदों पर अन्य चरणों के जरिए नियुक्ति होगी। प्रथम चरण की नियुक्ति को प्राथमिकता देते हुए पहले इन पदों पर भर्ती की जाएगी।

देश में विमान हादसों ...

की कमी एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि भारत अपने विमानन अनुसंधान और सामग्री परीक्षण प्रयोगशालाओं के जरिये सदस्य देशों को तकनीकी सहायता देने के लिए भी तैयार है। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि विमानन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार नियामकीय और जांच संबंधी भूमिकाओं में पेशेवरों की संख्या दोगुनी कर रही है। उन्होंने कहा, भारत क्षेत्र में अपनी तरह का पहला राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र स्थापित कर रहा है, जो विमान दुर्घटना के जांचकर्ताओं और विमानन पेशेवरों को प्रशिक्षित करेगा। यह हमारी दीर्घकालिक दृष्टि को दर्शाता है कि हम विश्वस्तरीय सुरक्षा ढांचा और मानव संसाधन तैयार करें। सिन्हा ने एशिया-प्रशांत दुर्घटना जांच समूह की 13वीं बैठक के उद्घाटन सत्र में यह बात कही। यह बैठक पहली बार भारत में आयोजित हो रही है।

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव में 3 को नामांकन, 30 को वोटिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने मंगलवार को ऐलान किया कि एमसीडी की 12 सीटों के उपचुनाव 30 नवंबर को होंगे। यानी इन वॉर्डों में दोबारा वोटिंग कराई जाएगी, ताकि खाली पड़ी सीटों पर नए पार्षद चुने जा सकें। नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 3 नवंबर से शुरू होगी। उम्मीदवार 10 नवंबर तक अपने पर्चे भर सकेंगे। उसके बाद 12 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 15 नवंबर तक उम्मीदवार चाहें तो अपना नाम वापस ले सकते हैं। 30 नवंबर को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक बिना किसी ब्रेक के वोटिंग होगी. वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी. यानी तीन दिन बाद 3 दिसंबर को नतीजे साफ हो जाएंगे। ये उपचुनाव जिन 12 वॉर्डों में होंगे, उनके नाम हैं - मुंडका, शालीमार बाग-बी, अशोक विहार, चांदनी चौक, चांदनी महल, द्वारका-बी, दिचाऊं कलां, नारायणा, संगम विहार-ए, दक्षिणपुरी, ग्रेटर कैलाश और विनोद नगर। शालीमार बाग-बी वॉर्ड पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पास था।

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केंद्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
ई-मेल: crpd@sbi.co.in

आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की नियुक्ति

संविदा आधार पर निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2025-26/15

पद का नाम	रिक्ति
प्रमुख (उत्पाद, निवेश और अनुसंधान)	01
जोनल प्रमुख	04
क्षेत्रीय प्रमुख	07
आरएम – टीम प्रमुख	19
निवेश विशेषज्ञ	22
निवेश अधिकारी	46
परियोजना विकास प्रबंधक (व्यवसाय)	02
केंद्रीय अनुसंधान दल (सहायता)	02

पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया **"CONTACT US"→ "Post Your Query"** लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट (https://sbi.bank.in/web/careers/post-your-query) पर उपलब्ध है.

- **आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 27.10.2025 से 17.11.2025 तक.**

स्थान: मुंबई
दिनांक: 27.10.2025 महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।
Email id-durgmc2019@gmail.com, Phone : 0788-2322148

-:: मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक/वि.वि./न.पा.नि./2025/355 दुर्ग, दिनांक 28/10/2025

नगर पालिक निगम, दुर्ग में विद्युतीकरण हेतु "द" वर्ग में पंजीकृत व छ.ग.रा.वि. मण्डल के 'अ' वर्ग लायसेंसी से निम्नांकित कार्यों हेतु निविदा प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत दर पर सीलबंद लिफाफे में पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि - 11/11/2025
निविदा प्रपत्र जारी करने की प्रारंभ तिथि - 12/11/2025
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 18/11/2025 (कार्यालयीन अवधि तक)
निविदा खोलने की तिथि - 19/11/2025 सायं 4.00 बजे

क्रं.	कार्य का विवरण	लागत (लाख)
1.	वार्ड क्र. 07 बैगा पारा मिनी स्टेडियम के पास हाईमास्ट लाईट लगाने का कार्य	रू. 5.99/-
2.	वार्ड क्र. 07 बैगा पारा मिनी स्टेडियम में हाईमास्ट लाईट लगाने का कार्य	रू. 5.99/-
3.	वार्ड क्र. 53 पोटियाकला दईहान के पास हाईमास्ट लाईट लगाने का कार्य	रू. 5.99/-
4.	वार्ड क्र. 53 पोटियाकला शासकीय स्कूल के पास हाईमास्ट लाईट लगाने का कार्य	रू. 5.99/-
5.	वार्ड क्र. 53 पोटियाकला रावण मैदान के पास हाईमास्ट लाईट लगाने का कार्य	रू. 5.99/-
6.	वार्ड क्र. 53 पोटियाकला कर्मा भवन के पास हाईमास्ट लाईट लगाने का कार्य	रू. 5.99/-

उपरोक्तानुसार निविदा कार्यों की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in एवं www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, दुर्ग

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
अनुलग्नक-अ
ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं: 10-यांत्रिक-सीएमसी-एचआरई-बेम्को, Date: 24.10.2025.

कार्य का नाम: खुली निविदा के आधार पर चार साल की अवधि के लिए एच.आर.ई. के सी.ए.एम.सी. का कार्य।

निविदा मूल्य : 02,23,89,516.42/- (रूपये दो करोड़ तेईस लाख नवासी हजार पांच सौ सोलह और बयालीस पैसे मात्र) समस्त खर्चों एवं जीएसटी सहित। **अमानत राशि :** 02,62,000/- (रुपये दो लाख बासठ हजार रुपये मात्र)। **निविदा :** दिनांक 17.11.2025 को दोपहर 12:00 बजे खोले जाएंगे।

उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-निविदा के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (फ्रेट)
सीपीआर/10/AM/405 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय, नगर पंचायत पुसौर जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्रमांक /941/लो.क.शा./न.पं/2025-26 पुसौर, दिनांक : 28/10/2025

ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. Date of issue of Tender :- 29/10/2025 Time 10.30 AM
2. Last Date of Online Submission for Technical & Financial Bid :- 21/11/2025 Time 5.30 PM
3. Last Date for Submission of physical bid :- 28/11/2025 Time 5.00 PM
4. Bid Open Date :- 28/11/2025 Time 5.30 PM

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (लाख में)	समय सीमा (वर्षा ऋतु को छोड़कर)	मूल दस्तावेज का फिजिकल लिफाफा नगर पंचायत पुसौर कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि
1	178184	वार्ड 03 पुष्पवाटिका उद्यान निर्माण कार्य। (SOR+Non SOR)	292.40	1.50	0.03	09 माह	28/11/2025 समय 05.00 PM
2	178195	वार्ड 15 में चंदन तालाब का सौन्दर्यीकरण कार्य। (SOR+Non SOR)	210.40	1.20	0.03	09 माह	

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। निविदा नियम शर्तो का अवलोकन ध्यान पूर्वक भली भांति किया जावे।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पुसौर, जिला रायगढ़ (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6031

1 2 3 4
5 6 7
8 9 10 11 12
13 14 15 16 17
18 19 20
21 22 23
24 25 26 27
28 29 30 31 32 33
34 35 36 37 38
39
40 41

बाएँ से दाए-
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़, भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश, पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख, नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा, लाभ-2
21. चिट्ठी, पत्र-2
22. जी, चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना, दबाना-3
28. दाड़म, एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी, पुलाव-3
34. मां, आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब, किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश, जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड, आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक, कणिका-2
14. थोड़ा, जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित, रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट, अभिमत-2
28. धरोहर, थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि, रोकड़-3
31. संधिपत्र, मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ, तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -6030 का हल

■	स	ला	म	त	■	म	हा	व	र	■
का	म	■	ही	र	■	म	सि	■	थ	ल
फी	■	शा	न	■	वं	■	ल	ब	■	क्ष्य
■	■	य	■	म	हा	न	■	र	■	■
■	फ	र	मा	न	■	र	स	खा	न	■
का	की	■	ल	■	■	■	न	■	र	ति
■	र	नि	वा	स	■	ह	म	द	म	■
■	■	य	■	र	ज	क	■	स्त	■	■
जा	■	म	जा	■	हां	■	श	क	■	का
न	शा	■	य	म	■	पा	प	■	सा	या
■	म	हा	का	ल	■	ल	थ	प	थ	■

सूडोकु नवताल - 6041

★★★ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

MANGAL SENACHA BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6040 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	[illegible]	[illegible]	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
7	8	6	4	1	3	5	9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

शाहरुख से मिलना चाहते हैं एनरिक : मुंबई। विश्व प्रसिद्ध पॉप स्टार एनरिक इग्लेसियस 21 साल बाद मुंबई में वापसी कर रहे हैं। वह 29 और 30 अक्तूबर को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के एमएमआरडीए ग्राउंड्स में कॉन्सर्ट करेंगे। यह वही जगह है जहां उन्होंने 2004 में आखिरी बार प्रदर्शन किया था। उनके प्रशंसक काफी उत्साहित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एनरिक, जो बॉलीवुड के बड़े प्रशंसक हैं।

बॉलीवुड डेब्यू के लिए बेलने पड़े खूब पापड़

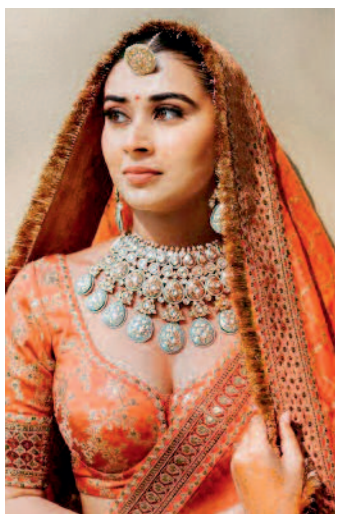

मुंबई। अभिनेत्री सोनम बाजवा पंजाबी इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं। इन दिनों उन्हें फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' में देखा जा रहा है। पंजाबी इंडस्ट्री में अच्छा-खासा काम कर चुकीं सोनम को बॉलीवुड में आने के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ा। इस बारे में बात कर उनका दर्द छलक आया। अभिनेत्री सोनम बाजवा ने दावा किया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को पंजाब फिल्म इंडस्ट्री में उनके काम के बारे में पता नहीं था। बॉलीवुड के लोगों को वे सिर्फ सिनेमा के लिए एक ग्लैमरस फेस लगीं। एक इंटरव्यू में सोनम ने बताया कि पंजाबी सिनेमा में अलग-अलग तरह की फिल्में करने के बावजूद हिंदी फिल्ममेकर्स को उन्हें उनकी ग्लैमरस इमेज से हटकर देखना मुश्किल लगता था। इसके चलते सोनम को बॉलीवुड डेब्यू से पहले लंबा इंतजार करना पड़ा। सोनम बाजवा ने कहा, 'मैंने इतने वर्षों तक इंतजार किया, ताकि मुझे एक ऐसी हिंदी फिल्म मिले, जिसमें मेरे पास कुछ करने को हो। एक एक्टर के तौर पर भी, न कि सिर्फ इसलिए कि मैं अच्छी दिखती हूं या ग्लैमरस हूं।

पूरी फीस कैंसर पीड़ित बच्चों को किया दान

मुंबई। विवेक ओबेरॉय इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। जिनमें नमित मल्होत्रा की 'रामायण', प्रभास के साथ 'स्पिरिट' और फिल्म 'मस्ती 4' शामिल है। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म 'रामायण' में विवेक रावण के भाई विभीषण की भूमिका निभाएंगे। विवेक ओबेरॉय ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैंने निर्माता नमित मल्होत्रा से कहा कि मुझे विभीषण की भूमिका के लिए एक पैसा नहीं चाहिए। पूरी फीस मैं कैंसर पीड़ित बच्चों के लिए दान करूंगा। मुझे उनका काम पसंद है और यह फिल्म भारतीय सिनेमा को दुनिया में चमकाएगी। पहली भाग की एडिटिंग पूरी हो गई। शूटिंग जून 2025 में खत्म हुई। अब वीएफएक्स पर 300 दिन काम होगा। पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है।' विवेक ने फिल्म को लेकर आगे कहा, ''रामायण' एक ऐतिहासिक फिल्म है। टीम के साथ काम करके मजा आया। यश, रकुल प्रीत सिंह समेत सभी अच्छे हैं। कुछ शूटिंग बाकी है।' विवेक ने आगे कहा, 'यह हॉलीवुड की बड़ी फिल्मों का भारत का जवाब होगी। वीएफएक्स कंपनी ने 7-8 ऑस्कर जीते हैं।

30 साल बाद फिर सिनेमाघरों में दस्तक देगी 'रंगीला'

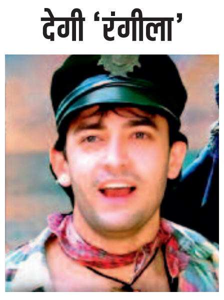

मुंबई। आमिर खान, उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्रॉफ स्टारर सुपरहिट फिल्म 'रंगीला' एक बार फिर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। अपनी रिलीज के ठीक 30 साल बाद रंगीला सिनेमाघरों में वापसी कर रही है। इस बार दर्शक इस फिल्म को नए 4के एचडी रीस्टोर्ड वर्जन में देखे सकेंगे। रामगोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित रंगीला 28 नवंबर को सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी। रंगीला साल 1995 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। एआर रहमान के संगीत से सजी इस फिल्म में शहरी महत्वाकांक्षाओं और सपनों को दिखाया गया था।

लोगों का काम है कुछ न कुछ कहना : यामी

मुंबई। शांत और दृढ़ विश्वास वाले किरदारों को निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री यामी गौतम, अपनी अगली बड़ी रिलीज, 'हक' के लिए तैयार हैं। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी भी हैं। ऐतिहासिक शाह बानो मामले से प्रेरित यह फिल्म न्याय, पहचान और आस्था के विषयों पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से पूछा गया कि हाल के वर्षों में उन्होंने जिस तरह की फिल्में चुनी हैं, उनके कारण उन्हें अक्सर 'राष्ट्रवादी' कहा जाता है। इस पर उनका क्या कहना है? इस पर अभिनेत्री ने हंस कर इस लेबल को खारिज कर दिया।

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS देखकर खरीदें
घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888, 7697752001

Vrinda Multispeciality Hospital
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी
छाती रोग
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Makeover
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ. सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर)
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.)

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

डॉ. मनोज अग्रवाल
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc. Nursing	2 Years
Paramedical Course	Duration
Lab tech, OT tech, X-Ray tech, Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	Duration
D Pharmacy	2 Years

क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 150 सीटों का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु 7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु 9201641200, 9201631200, 9201622400

Appointment आवश्यकता

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान/गोडाउन में कार्य करने हेतु पांचवी पास 4- युवकों की आवश्यकता है. योग्यता: पांचवी पास. सैलरी 11000/- से 12000/- योग्यतानुसार। **संपर्क- रायपुर कृषि केंद्र, शॉप नं. 124, एस.के. प्लाजा कॉम्प्लेक्स, बॉम्बे मार्केट, रायपुर**(RO-1655)

इंजीनियर/मैनेजर

आवश्यकता है- धमतरी जिले के कुरुद गाँव में स्थित फैक्ट्री में यूरोपियन मशीन में coil से pipe बनाने के लिए फोरमैन, मैकेनिकल इंजीनियर, प्रोडक्शन मैनेजर एवं एक्सट्रूडर चलाने वाले चाहिए वेतन योग्यतानुसार **9617210000.**(RO-343)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता 10वी, 12वी, **संपर्क करे:- रामा मेडिटेक, गीतांजलि नगर, हाऊस नम्बर- 15/A, रायपुर, 6269933233.**(RO-389)

डिजाइनर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विज्ञापन एंव प्रिंटिंग ऑफिस हेतु अनुभवी सेल्समैन, ग्राफिक्स डिजाइनर, टेलीकॉलर, हेल्पर, कम्प्युटर ऑपरेटर, पी ए, चपरासी, एंव ड्रायवर की आवश्यकता है। **संपर्क मां एड एजेंसी रायपुरा चौक। 7974351591.**(RO-4024)

क्लीनिक कार्य

आवश्यकता है- क्लीनिक में कार्य हेतु दसवीं/बारहवीं पढ़े लड़के की आवश्यकता है। दुर्ग निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार 6000 से 7000, संपर्क - डॉ. एच.सी.अग्रवाल मों नं.- 96177-89223, 942555-55659, समय- शाम 5 बजे से 8 बजे तक **पताः- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (छ.ग.)** (आरो न.-4114)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला/लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित **सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 8889997826.**(RO-38966)

वेल्डर

आवश्यकता है- वेल्डर की जॉब के लिए संपर्क करे गौरव इंजीनियरिंग वर्कस धमधा रोड दुर्ग बायपास के पास **फोन नंबर :- 9329870104.** (आरो नं.-1677)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ड्रायवर/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- मैग्नेटो मॉल/वीआईपी चौक के पास निजी कार हेतु अनुभवी ड्राइवरों और जेल रोड में ऑफिस/फील्ड कार्यों हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। बीड़ी-सिगरेट/शराब-गुटखा निषेध। **संपर्क: 9300593000.**(RO-7233)

हेल्पर/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- गोलबाजार रायपुर शॉप के लिए लेडिस स्टॉफ हेल्पर पैकिंग कार्य हेतु (आकर्षक वेतन+ ओवरटाइम) केवल मेहनती परमानेंट काम के इच्छुक **संपर्क करें प्रातः 9 से 11- 9826679757.**(RO-0066)

एच.आर./मैनेजर

आवश्यकता है- शिवाय & रूद्र कार्पोरेशन शंकर नगर रायपुर को विभिन सर्विस के लिए HR मैनेजर/एग्जीक्यूटिव प्रोजेक्ट का ऑर्डिनेटर की आवश्यकता है, योग्यता पोस्ट ग्रेजुएशन, ग्रेजुएशन, वेतन योग्यतानुसार **कॉन्टैक्ट- 7354154632.**(RO-om)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- वॉकइन इंटरव्यू राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्था सेल्फ हेल्प एजुकेशन के द्वारा संचालित एलटी स्कीम के तहत 8 लैब टेक्नीशियन की आवश्यकता है। योग्यता- DMLT/ BMLT एवं पैरामेडिकल बोर्ड अन्तर्गत पंजीकृत। वेतनमान 14000/- स्थान- कार्यालय, जिला क्षय अधिकारी, कालीबाड़ी चौक, रायपुर दिनांक- 29/10/2025, 11 बजे। searchti2017 @gmail.com, mobile no. **9644554134, 9424254134.**(RO-38986)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- टाटीबंध,रायपुर नर्सिंग होम, ट्रेनी स्टाफ (12 वी)। नर्सिंग स्टाफ(ANM, GNM)। आया बाई। वेतन योग्यतानुसार। रहने की सुविधा । **मो.9826077576,समय 1-2 PM** (RO-0068)

ऑफिस कार्य/मार्केटिंग

आवश्यकता है- आफिस कार्य एवं मार्केटिंग हेतु युवतियों/ महिलाओ कि आवश्कता है, योग्यताः १२वीं पास **सम्पर्क करें:- मीताली वेलनेस रायपुर ढाबा के पास, पचपेड़ी नाका चौक रायपुर फोन नंबर 0771-3502204.**(RO-om)

घरेलु नौकर

आवश्यकता है- रायपुर स्थित एक प्रतिष्ठित बंगले के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय एवं जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है अनुभवः 5 से 10 वर्ष शैक्षणिक योग्यताः न्यूनतम 10वीं पास वेतनः 25,000 तक प्रतिमाह सुविधाएं: रहने और खाने की व्यवस्था निःशुल्क स्थानः सिविल लाइन्स रायपुर **संपर्क करें: 9109125252 / 9109972720 केवल अनुभवी और जिम्मेदार उम्मीदवार ही संपर्क करें।** (RO-om)

गोडाऊन कार्य

आवश्यकता है- डाबर की एजेंसी के गोडाउन एवं कम्पुटर पर कार्य करने हेतु लड़को की एवं टाटा एस के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। **सम्पर्क करें किसन मार्केटिंग, महेश कालोनी, श्रीनगर रोड गुढियारी, रायपुर मो 9827168307.**(RO-349)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- न्यू ऑफिस कार्य हेतु लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। कंप्यूटर ऑपरेटर, रिसेप्शनिस्ट, टेलीकॉलर, अकाउंटेंट, मार्केटिंग, सुपरवाइजर, गार्ड एंव ऑफिस बॉय भी **संपर्क करें।- , 9981855505, 9131941253.**(RO-M)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, पास लड़कों की अवसकता है जो कटनी दमोह ग्वालियर में काम कर सके वेतन- 12000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12,000 से 20000 महीने। **संपर्क करें- 8982690021, 9993911979.**(RO-511)

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा **संपर्क करे - 9039470547.**(RO-512)

सेल्समैन/हेल्पर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व कपड़े की दुकान में काम किया हुआ व्यक्ति एवं हेल्पर की आवश्यकता है समय 3 से 6 **चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर- 9425506658, 9424200658, 9425206658.**(RO-7262)

हरिभूमि क्लासीफाईड

टेक्निशियन/असिस्टेंट

आवश्यकता है-
यूरेकाफॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु टेलीकॉलर- 2,
ऑफिस असिस्टेंट- 02,
सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4,
सर्विस टेक्निशियन- 2,
ऑफिस बॉय-1
संपर्क करें:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461. (RO-OM)

अन्य

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो **संपर्क करें - 9241054300** (RO-590)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्क:- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099.** (RO-302)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

CLASSIFIED हरिभूमि RATE CARD
CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

सब कुछ है यहां
पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

इजरायली हमलों से दहला गाजा, नेतन्याहू के आदेश पर आईडीएफ ने बरपाया कहर

नई दिल्ली। गाजा में युद्धविराम के बावजूद तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को सेना को 'शक्तिशाली हमले' शुरू करने के आदेश दिए। इसके बाद इजरायल की वायुसेना ने गाजा में हमास के कुछ ठिकानों पर हमला किया है। नेतन्याहू ने कहा कि हमास ने युद्धविराम की शर्तों का उल्लंघन किया है, इसलिए अब जवाब देना जरूरी है। इसके साथ ही अमेरिका की मध्यस्थता में हुआ नाजुक युद्धविराम खतरे में पड़ गया ।. नेतन्याहू ने कहा कि हमास ने जिस तरह से बंधक के अवशेष लौटाए हैं, वह समझौते का 'स्पष्ट उल्लंघन' है। नेतन्याहू ने यह घोषणा सेना के यह जानकारी देने के कुछ ही देर बाद की कि हमास ने दक्षिणी गाजा में इजराइली बलों पर गोलीबारी की है।

गाजा पर इजरायली हमला

इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने पुष्टि की है कि इजरायली सैनिकों पर गोलीबारी के बाद आईडीएफ ने गाजा में हमास के ठिकानों पर भीषण हमले किए हैं। इससे पहले नेतन्याहू ने कहा था कि उन्होंने सेना को गाजा में तुरंत शक्तिशाली हमले करने का आदेश दिया है। गाजा पर इजरायली हमले को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता वाले युद्ध-विराम के लिए अग्निपरीक्षा माना जा रहा है।

शवों को लौटाने में आनाकानी कर रहा हमास

इजरायली सुरक्षा अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि अगर हमास बंधकों के अवशेष वापस नहीं लौटा पाता है, तो इजरायल पांच विकल्पों पर काम कर रहा है, जिनमें ऑपरेशनल कंट्रोल बढ़ाना, लक्षित हमले करने, बंधकों के अवशेष वापस लाने के अभियान, राजनयिक दबाव और मौजूदा समझौतों को समाप्त करना शामिल है।

हमास ने बंधकों के शवों पर क्या कहा : एक इजरायली सूत्र ने दो हफ्ते पहले सार्वजनिक प्रसारक केएएन न्यूज को बताया था कि हमास दो अंकों की संख्या में मृत बंधकों के अवशेष लौटाने में सक्षम है, और उनके दफन किए जाने के स्थानों को जानने के बावजूद, अवशेषों को वापस करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहा है। हमास का कहना है कि वह गाजा पट्टी में मारे गए सभी बंधकों का पता नहीं लगा सकता है, और उसी शाम उसने जोर देकर कहा कि उसने उन सभी बंधकों को सौंप दिया है जिन तक वह पहुंच सकता था।

आईडीएफ ने गाजा में की भीषण गोलीबारी : एक सैन्य सूत्र के अनुसार, आईडीएफ जवाबी गोलीबारी कर रहा है ताकि हमास को येलो लाइन के इजरायली हिस्से में सैनिकों को और अधिक खतरे में डालने से रोका जा सके।

छ.ग.गृह निर्माण मण्डल, वृत्त-दुर्ग

:: निविदा निरस्तीकरण सूचना ::

वि.क्रं. 50

दिनांक 09.10.2025 को दैनिक समाचार पत्र **हरिभूमि, "दैनिक पत्रिका", "अमृत संदेश एवं दैनिक दावा"** में प्रकाशित विज्ञापन क्रमांक - 49 अंतर्गत अटल विहार योजना अंतर्गत मांडिंग पीडिंग (धेनू) मोहला, मानपुर अं. चौकी में 33 एल.आई.जी., 08 दुकान का निर्माण तथा विकास कार्य राशि रू. 496.37 लाख ऑनलाईन निविदा तिथि 29.10.2025 को अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

S-45699/4 उपायुक्त

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत सहित 407 कार्यकर्ता शामिल होंगे

देश में चलेगा गृह संपर्क अभियान बस्तियों में होंगे 'हिंदू सम्मेलन'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

यहां 30 अक्टूबर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक होगी। 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होनी वाली बैठक में आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत सहित 407 कार्यकर्ता शामिल होंगे।

- जबलपुर में संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक 30 से 1 नवंबर तक

कार्यक्रम में डॉ. भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले तथा 6 सहसरकार्यवाह, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सहित सभी 11 क्षेत्रों एवं 46 प्रांतों के संघचालक, कार्यवाह व प्रांत प्रचारक उपस्थित रहेंगे। मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता को आरएसएस प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने संबोधित करते हुए कहा कि जबलपुर में पहली बार ये बैठक हो रही है। देशभर में संघ का शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है, देशभर में हिंदू सम्मेलन भी किए जाएंगे, इसमें युवाओं के लिए भी विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि स्थानीय स्तर पर बस्ती और मंडल के स्तर पर हिंदू सम्मेलनों का आयोजन होगा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी मंडल की बैठक में देश की सामाजिक हालातों पर चिंतन होगा। इसमें बस्ती-मंडल स्तर पर होने वाले हिंदू सम्मेलन की कार्ययोजना पर बात होगी। इसके अलावा शताब्दी वर्ष पर प्रारंभ होने वाले सघन गृह संपर्क अभियान पर चर्चा की जाएगी।

आरएसएस प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर(बाएं) संवाददाताओं से चर्चा करते हुए

देश की सुरक्षा जैसे विषयों पर भी चिंतन किया जाएगा

हिंदू धर्म के लिए त्याग बलिदान देने वाले गुरु तेग बहादुर के 350वीं शहीदी वर्ष पर विशेष साहित्य और कार्यक्रम तय होंगे। इसी तरह भगवान बिरसा मुंडा की भी 15 नवंबर को 150वीं जयंती है। इन पर भी विशेष साहित्य और कार्यक्रम पर बैठक में चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि युवाओं को संघ से विशेष रूप से जोड़ने के लिए विशेष आयोजन होंगे। पंच परिवर्तन के कार्यक्रम से प्रेरित संस्था,व्यक्तियों, मठ, मंदिरों, सामाजिक शैक्षणिक संस्था से शताब्दी वर्ष के दौरान संपर्क किया जाएगा। यह व्यापक अभियान होगा इसके लिए स्तर पर संपर्क किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
प्रथम तल, उद्योग भवन, रिंग रोड नम्बर-1, तेलीबांधा, रायपुर-492006 (छत्तीसगढ़)
दूरभाष 0771-6621000, Website: www.csidc.in,
Email address:csidc.cg@nic.in.cside_raipur@yahoo.com

निविदा क्रमांक : 01/सा./स्टे./2025-26 रायपुर, दिनांक : 28/10/2025

स्टेशनरी निविदा संशोधन सूचना
निविदा क्रमांक : 01, दिनांकः 23.09.2025

निगम द्वारा स्टेशनरी प्रदाय हेतु जारी निविदा सूचना क्रमांक : 01, दिनांक : 23/09/2025 की अंतिम तिथि 15/10/2025 को दिनांक 12/11/2025 तक के लिए बढ़ाया जाता है। संशोधित अंतिम तिथि 12/11/2025 को दोपहर 02:00 बजे तक इच्छुक निविदाकार अपने संस्था के लेटर पैड पर आवेदन कर निविदा प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं। निविदा दिनांकः 13/11/2025 को समय दोपहर 03:00 बजे तक स्वीकार्य की जा कर इसी दिनांक को समय दोपहर 03:30 बजे खोली जावेगी।

शेष नियम व शर्तें यथावत रहेंगी।

S-45704/1 प्रबंध संचालक

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बलौदाबाजार (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण

ऑनलाईन निविदाएँ प्रपत्र ए में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से जल जीवन मिशन के रेट्रोफिटिंग एवं सिंगल विलेज नलजल प्रदाय योजनांतर्गत निर्माण कार्य की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है

निविदा सूचना क्र. / दिनांक	सिस्टम क्र.	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
07/24.10.2025	178016	61.57
08/24.10.2025	178017	51.20
09/24.10.2025	178018	20.34
10/24.10.2025	178019	13.39
11/24.10.2025	178021	10.60

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 14.11.2025 तक देखी जा सकती है एवं निविदा डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

G-252604375/2

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग बीजापुर वनमंडल, बीजापुर, जिला-बीजापुर (छ.ग.)

नीलाम सूचना

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि बीजापुर वनमंडल के बीजापुर/ काष्ठागार/ बांसागार के ईमारती काष्ठ एवं अगरबत्ती काड़ी का नीलाम दिनांक **03/11/2025 को प्रातः 09:00 बजे** से एम.एस.टी.सी. ई - कामर्स पोर्टल के माध्यम से ई-नीलाम द्वारा निवर्तन किया जावेगा । इच्छूक व्यापारियों से अनुरोध है कि, वे नीलाम में भाग लें। ई-नीलाम की शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवसों में काष्ठागार अधिकारी या वन मण्डल कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है । ई-नीलाम के पूर्व लाटों को भली भाँति देख लें ।

काष्ठागार का नाम	नया काष्ठ अनुमानित मात्रा			पुराना काष्ठ अविक्रित		योग	
	प्रजाति	घ.मी.	बल्ली, डेंगरी नग	घ.मी.	बल्ली, डेंगरी नग	घ.मी.	बल्ली, डेंगरी नग
1	2	3	4	5	6	7	8
ईमारती काष्ठ							
बीजापुर काष्ठागार	सागौन	0.000	0	77.642	62	77.642	62
	साजा	0.000	0	42.782	2	42.782	2
	हल्दू, मुण्डी	0.000	0	8.629	0	8.629	0
	शीशम	0.000	0	0.861	4	0.861	4
	बीजा	0.000	0	61.742	0	61.742	0
	धावड़ा	0.000	0	18.795	0	18.795	0
	अन्य	0.000	0	83.268	125	83.268	125
	योग-	0.000	0	293.719	193	293.719	193
जलाऊ चट्टा					76 चट्टा		76 चट्टा
अगरबत्ती काड़ी	अगरबत्ती काड़ी (चौकड़ी)				लम्बाई 8 इंच		20 क्विंटल

टीपः-
01. क्रेताओं को ई-नीलाम से पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है ।
02. क्रेताओं को ई-नीलाम के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है । सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है ।
03. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग-इन करके देख सकते है ।
04. ई-नीलाम में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा ।

वनमंडलाधिकारी
बीजापुर, वनमंडल बीजापुर

G- 252604344/2

छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जगदलपुर वृत्त के अन्तर्गत दन्तेवाड़ा काष्ठागार में उपलब्ध नीचे ईमारती के नये पुराने काष्ठ का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि, वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-आक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय / केन्द्रीय काष्ठागार दन्तेवाड़ा से प्राप्त की जा सकती है।

1. नीलाम दिनांक - 03-11-2025
2. नीलाम स्थल का नाम - केन्द्रीय काष्ठागार दन्तेवाड़ा (आंवराभाठा)
3. डिपो का नाम जहां वनोपज रखी गई है - केन्द्रीय काष्ठागार दन्तेवाड़ा (आंवराभाठा)
4. नीलाम समय - 09:00 बजे पूर्वान्ह से

प्रजाति	नयी काष्ठ				पुरानी काष्ठ			
	नग	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	नग	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
सागौन	108	9.900	12	0	3345	368.382	172	69
साल	16	1.533	0	0	373	28.846	108	34
बीजा	89	14.381	0	0	1162	137.201	8	34
साजा	113	15.576	8	0	409	51.979	81	29
हल्दू	9	1.525	0	0	239	60.719	4	15
धावडा	114	10.891	0	0	333	40.982	43	22
शिवना	0	0.000	0	0	8	0.906	0	0
तिन्सा	4	0.355	0	0	28	2.183	0	0
अन्य	267	22.704	273	102	502	53.420	471	147
सागौन चिरान	0	0.000	0	0	136	1.674	0	0
अन्य जलाऊ चट्टा (नग में)	0	0.000	0	0	179	0.000	0	0
योग : -	**720**	**76.865**	**293**	**102**	**6714**	**746.292**	**887**	**350**

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य हैं। 3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते हैं। 4. ई- ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

G-252604347/3

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, अम्बिकापुर ग्राम-केरता

ई-निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 1400 **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** दिनांक 28/10/2025

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित अम्बिकापुर ग्राम केरता में पेराई सत्र 2025-26 में शुगर बैग हेंडलिंग, राखड़ हेंडलिंग, प्रेसमढ़ हेंडलिंग, बगास हेंडलिंग एवं कारखाने का बीमा हेतु निम्नलिखित तिथि अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छूक फर्मो/निविदाकार द्वारा ई-निविदा में भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर पृथक-पृथक ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1311.00 रूपये (1000.00 रूपये 311.00 रूपये चिप्स द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (**E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in**)से फार्म डाऊनलोड़ कर भरकर अपलोड़ कर सकते है।

क्र.	निविदा का विवरण	निविदा प्रपत्र विक्रय जमा तिथि एवं समय	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
01	ड्रायर हाऊस में शक्कर बोरी सिलाई हेण्डलिंग एवं शक्कर गोदाम/निर्धारित स्थान तक पहुंचाने का कार्य हेतु ई-निविदा	दिनांक 29/10/2025 को समय साम 05.00 बजे से 12/11/2025 को दोपहर 12.00 बजे तक (निर्धारित अंतिम समय तक http://eproc.cgstate.gov.in पे अपलोड़ किया जाना होगा। ई-निविदा अपलोड़ होने पर ही मान्य किया जावेगा।)	दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 12:05 बजे के बाद
02	शक्कर बोरी को गोदाम/निर्धारित में छल्ली लगाने का कार्य हेतु ई-निविदा		दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 01:00 बजे के बाद
03	बगास हेण्डलिंग कार्य हेतु ई-निविदा		दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 01:30 बजे के बाद
04	राखड़ को ट्रेक्टर द्वारा हेण्डलिंग कार्य हेतु ई-निविदा		दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 02:00 बजे के बाद
05	प्रेसमड़ को ट्रेक्टर द्वारा हेण्डलिंग कार्य हेतु ई-निविदा		दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 2:30 बजे के बाद
06	कारखाने का बीमा हेतु ई-निविदा		दिनांक 12/11/2025 को समय दोपहर 03:00 बजे के बाद

उक्त 06 ई-निविदाओं से सम्बंधित विस्तृत जानकारी एवं निविदा प्रपत्र हेतु कारखाने के Website- www.mahamayasugar.com एवं शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-Procurement http://eproc.cgstate. gov.in) पर देखा एवं डाऊनलोड़ किया जा सकता है। एवं कारखाना प्रबंधन द्वारा मात्रा में कमी या वृद्धि किया जा सकता है एवं बिना कारण बताए निविदा निरस्त किया जा सकता है।

प्रबंध संचालक

नौसेना प्रमुख ने कहा- महासागर राष्ट्रों और समाजों की साझा धरोहर

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख दिनेश कुमार त्रिपाठी का कहना है कि समुद्र हमारे साझा भविष्य का दर्पण है, सुरक्षा और वि का स दोनों एक साथ चलने वाले इंजन हैं। वह मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग 2025 के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे।नौसेना प्रमुख ने कहा कि समुद्र सदियों से मानवता के सबसे प्राचीन राजमार्ग रहे हैं। इन राजमार्गों ने न केवल व्यापार और संस्कृति बल्कि जिज्ञासा और साहस को भी दिशा दी है। उन्होंने कहा कि विभिन्न मित्र देशों के 30 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति दर्शाती है कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र का भविष्य केवल संवाद, सहयोग और पारस्परिक विश्वास से ही सुरक्षित और समृद्ध बनाया जा सकता है।

छात्र हत्याकांड की मास्टरमाइंड अमृता से पहले ही रिश्ता तोड़ चुका है परिवार

नई दिल्ली। दिल्ली के तिमारपुर में हुए यूपीएससी छात्र रामकेश मीणा हत्याकांड का खुलासा होने के बाद अब इस मामले में मुरादाबाद कनेक्शन सामने आया है। हत्या की मुख्य आरोपी अमृता चौहान, जो बीएससी फॉरेंसिक साइंस की छात्रा है, मुरादाबाद की पीतल नगरी क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है। अमृता के परिजनों ने 8 जुलाई 2024 को अखबार में विज्ञापन देकर उससे नाता तोड़ लिया है। परिवार ने मीडिया से बात करने से साफ इंकार कर दिया है। रामकेश मीणा की हत्या की साजिश मुख्य आरोपी अमृता चौहान ने रची थी। अमृता ने कुबूल किया कि रामकेश के पास उसकी कुछ प्राइवेट वीडियोज थीं, जिन्हें हटाने से रामकेश ने मना कर दिया था। इसके बाद अमृता ने अपने दो साथी सुमित और संदीप के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया और आग लगाकर वारदात को हादसा दिखाने की कोशिश की। अमृता चौहान के परिवार ने हत्याकांड से बहुत पहले ही उससे रिश्ता तोड़ लिया था। 8 जुलाई 2024 को परिजनों ने अखबार में विज्ञापन पब्लिश करवा कर अमृता को बेदखल कर दिया था।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
दूरभाष एवं फैक्सः-07727-222024,
ई-मेलः-miningbalodabazar@gmail.com,
mo-balodabazar@gov.in

क्रमांक 2227 / बी 3-7/ नं. क्र. 01/ रेत / 2023 दिनांक 24 OCT 2025

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यह प्रकाशित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, छत्तीसगढ के द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 के नियम-7 अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक - नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से द्वितीय चरण में कुल 07 साधारण रेत उत्खनन पट्टा खदान 1. सिरियाडीह-2 तहसील लवन 2. सिरियाडीह-3 तहसील लवन 3. नंदनिया-2 तहसील कसडोल, 4. रिकोकला तहसील सोनाखान 5. सोनपुर तहसील सोनाखान, 6. छेछर-2 तहसील कसडोल, 7. ग्राम अर्जुनी (ब) तहसील कसडोल आबंटन किया जाना है। जिस हेतु आर्हता प्राप्त बोलीदार इलेक्ट्रानिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) में भाग ले सकता है।

इलेक्ट्रानिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) तकनीकी एवं वित्तीय बोली 07 दिवस दिनांक 14.11.2025 से 20.11.2025 (सायं 5.30 बजे तक) बोली केवल एमएसटीसी के ऑनलाईन पोर्टल https://www.mstcecommerce.com, के माध्यम से स्वीकार की जावेगी । निविदा के नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी एमएसटीसी के वेबसाईट व जिले के वेबसाईट https://balodabazar.gov.inतथा कार्यालय कलेक्टर (खनि शाखा) बलौदाबाजार, संबंधित ग्राम / जनपद / जिला पंचायत भवन के सूचना पटल से प्राप्त कर सकता है।

कलेक्टर
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

G-252604352/3

Public Work Department, Office of The Superintending Engineer, PWD, Bridge Circle Raipur (C.G.)

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP) (1st Call)

Bridge Circle Raipur/2025-26 Raipur, Dated 24.10.2025

Consultancy service for preparation of detailed project report for construction of Fly over From Khalsa Schoool to Mowa Police Station via Pandri at Raipur. Dist.-Raipur.

जिला - रायपुर के खालसा स्कूल से पंडरी होते हुये मोवा थाना तक फ्लाई ओव्हर के निर्माण कार्य हेतु आर. एफ. पी. आमंत्रण हेतु निर्माण कार्य के लिये वास्तुविद चयन करने बाबत।

Probable cost of project :- Rs. 28500.00 Lakh
Probable cost of Survey :- Rs. 24.10 Lakh
Minimum eligibility for participants shall be as below :-

S. No.	Build/ing project cost	The applicant firms, firms forming Joint venture/consortium shall be	Earnest money (In shape as per annexure I) Favor of Executive Engineer, PWD Raipur Division
1	For project cost exceeding Rs. 50 Crore and Above	Empanelled as architect in Class "A" in C.G. PWD.	Rs. 1,00,000.00

Genral Condition :- All the documents & Information as per para 6.4, shall be submitted through Speed post/Registered post. So as reach the office of under signed on or before dated 14.11.2025 by 17.00 hours. Any documents received after the last date and time will not be entertained.

The detailed RFP is available on the website www.cg.nic./pwdraipur from where it can be downloaded for submission. CG.PWD reserves the right to reject all or any of the application without assigning any reason. Right to modify the process of Pre-qualification with CG.PWD.

Superintending Engineer
P.W.D. Bridge Circle Raipur (C.G.)

G-252604366/1

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, राजनांदगांव (छ.ग.)
Ph:- 07744-299703,Website- eeraj-phe-cg@nic.in

// निविदा आमंत्रण सूचना //
(रिस्क एंड कास्ट)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र "ए" में जल जीवन मिशन अंतर्गत जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल ग्राम/रेट्रोफिटिंग योजनांतर्गत राजनांदगांव के विभिन्न विकासखंडो के विभिन्न ग्रामों में रिस्क एवं कास्ट में शेष बचे कार्य जिसमें UPVC/HDPE पाईप लाईन जोड़ने बिछाने, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण, स्वीच रूम, उच्चस्तरीय जलागार के चारो ओर बाउंड्रीवॉल निर्माण, सबमर्सिबल पंप का प्रदाय एवं स्थापना कार्य, विद्युत विभाग (CSPDCL) से इलेक्ट्रिक कनेक्शन, इलेक्ट्रोक्लोरीनेटर स्थापना, क्लोरीनेटर रूम, घरों एवं शासकीय संस्थानों में कार्यरत नल कनेक्शन प्रदाय आदि एवं अन्य समस्त कार्य, टेस्टिंग, 03 माह का ट्रायल रन, 06 माह तक संचालन संधारण का कार्य (सम्पूर्ण कार्य सामग्री सहित, संलग्न शेड्युल अनुसार) की निविदाए दिनांक 24.10.2025 से ऑन लाईन पर आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त कार्य के निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 31.10.2025 से डाउनलोड की जा सकती है तथा निविदा डाउनलोड करने की अंतिम दिनांक 14.11.2025 (शाम 5:30 बजे) तक है।

क्रं.	निविदा क्रमांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखण्ड	योजना/ग्राम का नाम	निविदा की लागत (रू.लाख में)	निविदा में प्रचलित एस.ओ.आर.
1	8	178108	डोंगरगांव	बुध्दुभरदा	6.86	PHE दिनांक 01.06.2020 से लागू एवं संशोधन 02/2020.21 तक तथा PWD 2015 का दिनांक 07.04.2016 से लागू
2	9	178109	डोंगरगांव	जारवाही	63.38	
3	10	178110	डोंगरगढ़	चिद्दो	69.38	
4	11	178111	डोंगरगढ़	कटली, धुसेरा	103.33	
5	12	178112	डोंगरगढ़	आरबीरा, ढोढ़की	124.15	

अधीक्षण अभियंता
सह कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजनांदगांव (छ.ग.)

G-252604356/4

कार्यालय मां दंतेश्वरी मक्का प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी समिति मर्यादित कोण्डागांव, जिला - कोण्डागांव (छ.ग.)
पंजीयन क्रमांक :- AR/KNG / 19 date. 12.02.2019 [Email Address [mmpskgn@gmail.com]

क्र./ म. प्रस. / ई-निविदा आम./2025/757 कोण्डागांव, दिनांकः 24/10/2025

रूचि की अभिव्यक्ति

माँ दन्तेश्वरी मक्का प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी समिति मर्यादित कोण्डागांव द्वारा 80 KLPD क्षमता के अनाज आधारित ईथेनॉल प्लांट में Wet Cake द्वितीय निविदा एवं फ्लाई ऐश की बिक्री संग्रहण एवं परिवहन हेतु चतुर्थ निविदा ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईड https://eproc.cgstate.gov.in में ई - निविदाएं आमंत्रित की गई है, जिनका विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	ई-निविदा विवरण	निविदा क्रं.	जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	खुलने की तिथि एवं समय
1.	Wet Cake हेतु द्वितीय निविदा	178116	07/11/2025 समय 5:30 PM	10/11/2025 समय 11:30 AM
2.	फ्लाई ऐश की बिक्री संग्रहण एवं परिवहन हेतु चतुर्थ निविदा	178118	03/11/2025 समय 5:30 PM	04/11/2025 समय 11:30 AM

उपरोक्त तालिकानुसार संबंधित ई-निविदा की EOI जारी की गई है, जिसकी विस्तृत जानकारी जिला - कोण्डागांव के आधिकारिक वेबसाईड https://kondagaon.gov.in एवं ई-प्रोक्योरमेंट की वेबसाईड (https://eproc.cgstate.gov.in) से प्राप्त की जा सकते है ।

सही/-
प्रबंध संचालक
माँ दन्तेश्वरी मक्का प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी समिति मर्या. कोण्डागांव जिला-कोण्डागांव

S-45703/1

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
नगर निगम मुख्यालय, रंग मंदिर के पास, गांधी चौक, छोटापारा, रायपुर (छ.ग.)
Pho no. 0771-2535780, 90, Fax 077172227395, E-mail- dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांक 1851/भ.नि.अ.प्र./ न.पा.नि./ 2025 रायपुर, दिनांक 16/10/2025

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स रामायणा रियल्टर्स प्रा.लि. डायरेक्टर श्री जगजीत सिंह दत्ता पिता स्व. हरभजन सिंह दत्ता, डॉलफिन प्लाजा, मोवा, रायपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम कोटा प.ह.नं. 51 स्थित भूमि खसरा क्र. खसरा क्र. 15012 रकबा 0.5467 हेक्टेयर एवं ग्राम चिरहुलडीह प.ह.नं. 52, स्थित खसरा क्र. 15000 रकबा 1.5804 हे., ख.क्र. 15001 रकबा 2.2992 हे., ख.क्र. 798/2 रकबा 0.2270 हे., ख.क्र. 30/1 रकबा 0.1050 हे., ख.क्र. 29 रकबा 0.0850 हे. कुल रकबा 4.8433 में से 36030.29 वर्गमीटर भूमि पर आवासीय (भूखण्डीय) कालोनी में विकास कार्य प्रारम्भ करने हेतु कालोनी विकास अनुमति जारी की जा रही है। उक्त कालोनी में आंतरिक विकास कार्य पूर्ण करने के एवज में बंधक रखे गये भूखण्डों, समाज के निम्न आय वर्गों हेतु आरक्षित हेतु दी जा रही है। जो निम्नानुसार है-

(अ) बंधक भूखण्डों का विवरण :-

क्र.	भूखण्ड क्रमांक	संख्या	रकबा प्रति बंधक भूखण्ड	रकबा कुल बंधक भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र. 214	01	231.46 Sqm.	231.46 Sqm.
2	भूखण्ड क्र. 215	01	284.67 Sqm.	284.67 Sqm.
3	भूखण्ड क्र.. 216	01	323.02 Sqm.	323.02 Sqm.
4	भूखण्ड क्र. 217	01	220.52 Sqm.	220.52 Sqm.
5	भूखण्ड क्र.. 224	01	220.52 Sqm.	220.52 Sqm.
6	भूखण्ड क्र. 225	01	220.52 Sqm.	220.52 Sqm.
7	भूखण्ड क्र. 229	01	220.52 Sqm.	220.52 Sqm.
8	भूखण्ड क्र. 230	01	283.46 Sqm.	283.46 Sqm.
9	भूखण्ड क्र. 231	01	266.16 Sqm.	266.16 Sqm.
10	भूखण्ड क्र. 242	01	277.14 Sqm.	277.14 Sqm.
11	भूखण्ड क्र. 255	01	216.68 Sqm.	216.68 Sqm.
12	भूखण्ड क्र. 256	01	259.63 Sqm.	259.63 Sqm.
	योग	12		**3024.31** Sqm.

(ब) निम्न आय वर्गो (एल.आई.जी.) के लिए आरक्षित भूखण्डों का विवरण :-

क्र	भूखण्ड क्र.	संख्या	रकबा प्रति LIG भूखण्ड	रकबा कुल LIG भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र.- L2-A	01	100.00 Sqm.	100.00 Sqm.
2	भूखण्ड क्र.- L2-B	01	100.00 Sqm.	100.00 Sqm.
3	भूखण्ड क्र.- L2-C	01	100.00 Sqm.	100.00 Sqm.
4	भूखण्ड क्र.- L2-D	01	100.00 Sam.	100.00 Sqm.
5	भूखण्ड क्र.- L2-E	01	100.00 Sqm.	100.00 Sqm.
6	भूखण्ड क्र.- L2-F	01	100.00 Sqm.	100.00 Sqm.
7	भूखण्ड क्र.- L2-G	01	100.00 Sqm.	100.00 Sqm.
8	भूखण्ड क्र.- L2-H	01	99.79 Sqm.	99.79 Sqm.
9	भूखण्ड क्र.- L2- I	01	66.63 Sqm.	66.63 Sqm.
	योग	09		**866.42** Sqm.

(स) E. W.S. के लिए आरक्षित भूखण्डों का विवरण :-

क्र.	भूखण्ड क्रमांक	संख्या	रकबा प्रति EWs भूखण्ड	रकबा कुल EWS भूखण्ड
1	भूखण्ड क्र. - E - 1	01	36.63 Sqm.	36.63 Sqm.
2	भूखण्ड क्र. - E - 2	01	35.36 Sqm.	35.36 Sqm.
3	भूखण्ड क्र.- E-3	01	35.15 Sqm.	35.15 Sqm.
4	भूखण्ड क्र. - E -4	01	35.96 Sqm.	35.96 Sqm.
5	भूखण्ड क्र..- E-5	01	44.15 Sqm.	44.15 Sqm.
6	भूखण्ड क्र. - E-6	01	35.10 Sqm.	35.10 Sqm.
7	भूखण्ड क्र. - E - 7	01	36.75 Sqm.	36.75 Sqm.
8	भूखण्ड क्र. E-8	01	35.70 Sqm.	35.70 Sqm.
9	भूखण्ड क्र. - E -9	01	35.70 Sqm.	35.70 Sqm.
10	भूखण्ड क्र. - E - 10	01	36.75 Sqm.	36.75 Sqm.
	योग	10		**367.25** Sqm.

उपरोक्तानुसार बंधक भूखण्डों को क्रय करने के पूर्व नगर निगम रायपुर द्वारा बंधक मुक्त किया गया है अथवा नहीं; इसके संबंध में कालोनाइजर से बंधक मुक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करें तथा बंधक मुक्त नहीं होने की स्थिति में बंधक भूखण्डों को क्रय न किया जावें।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

नगर निवेशक
नगर पालिक निगम, रायपुर

खबर संक्षेप

पीएनबी हाउसिंग का शुद्ध लाभ बढ़कर 24 फीसदी

नई दिल्ली। आवास वित्त कंपनी पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस का चालू वित्त की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 24 प्रतिशत बढ़कर 582 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 470 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई- सितंबर तिमाही के उसकी कुल आय एक साल पहले के 1,880 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,131 करोड़ रुपये हो गई।

इंडस टावर्स का लाभ दूसरी तिमाही में 17 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। मोबाइल टावर सेवाप्रदाता इंडस टावर्स का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत घटकर 1,839 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बताया कि एक बड़े ग्राहक का बकाया न मिलने के कारण उसके शुद्ध लाभ यह गिरावट आई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई- सितंबर तिमाही में 2,223.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। इंडस टावर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रचुर साह ने कहा, 'हमारी लागत दक्षता पर मजबूत केंद्र के कारण मुनाफे में लगातार सुधार हो रहा है।

डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे गिरकर 88.27 पर बंद

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी के रुख और विदेशी पूंजी की बाजार से निकासी के चलते अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया आठ पैसे गिरकर 88.27 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कमजोर डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने गिरावट को कम किया। निवेशक आगे के संकेतों के लिए बुधवार को फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले पर भी नजर रख रहे हैं।

बाटा इंडिया के मुनाफे में 73 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। जूता-चप्पल कंपनी बाटा इंडिया लिमिटेड का 30 सितंबर, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 73.26 प्रतिशत घटकर 13.9 करोड़ रुपये रह गया। यह गिरावट कम राजस्व और अधिक व्यय के कारण आई है। बाटा इंडिया लिमिटेड ने एक नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 51.98 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। दूसरी तिमाही में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 801.33 करोड़ रुपये रही।

नोवार्टिस इंडिया का शुद्ध मुनाफा 19 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। फार्मास्युटिकल कंपनी नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड का 30 सितंबर, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का शुद्ध मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़कर 24.22 करोड़ रुपये हो गया। नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड ने एक नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 20.41 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। दूसरी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 90.33 करोड़ रुपये रही, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 87.1 करोड़ रुपये थी।

जीएसटी राहत के पैसे बचाने के बजाय ग्राहकों ने बेहतर मॉडल खरीदे

स्मिटेनपल्स एआई की और से जारी रिपोर्ट में कहा गया

एजेंसी ▸▸ मुंबई

जीएसटी दरों में की गई कटौती का फायदा उठाते हुए ग्राहकों ने त्योहारी मौसम में न सिर्फ अपने जमकर वाहन खरीदे बल्कि उन्होंने इस छूट का इस्तेमाल ऊंचे मॉडल और बेहतर ब्रांड की गाड़ियां खरीदने में भी किया। एक अध्ययन रिपोर्ट में यह निष्कर्ष पेश किया गया है।

बाजार अनुसंधान मंच 'स्मिटेनपल्स एआई' की तरफ से कराए गए इस अध्ययन से यह पता चलता है कि खरीदारों के लिए एसयूवी लोकप्रिय विकल्प बनी हुई है जबकि बुनियादी ढांचे की कमियों के बावजूद पर्यावरण के प्रति जागरूकता इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों के रुझान में तेजी से वृद्धि का कारण रही।

प्रीमियम वाहन खरीदने पर जोर

हालांकि ग्राहकों ने कर कटौती से वाहनों की कीमतों में आई गिरावट का फायदा उठाने के बजाय कहीं 'प्रीमियम' वाहन खरीदने पर जोर दिया। करीब 79 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे जीएसटी बचत का इस्तेमाल उच्च मॉडल, बेहतर ब्रांड या प्रीमियम ऐड-ऑन खरीदने में कर रहे हैं।"

त्योहारों में एसयूवी की बिक्री अधिक रही

इसके मुताबिक, 60 प्रतिशत से अधिक लोगों ने अपने पसंदीदा वाहन ब्रांड के थोड़े ऊंचे संस्करण को खरीदने की मंशा जताई जबकि 46 प्रतिशत लोग पहले ही हैचबैक की जगह एसयूवी जैसे बड़े आकार वाली वाहन श्रेणी का रुख कर चुके थे। अध्ययन के अनुसार, त्योहारों के दौरान एसयूवी की बिक्री सबसे अधिक रही। वहीं पर्यावरणीय जागरूकता के कारण ईवी को लेकर भी दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है।

जीएसटी कर में कटौती से वाहनों की मांग को रफ्तार

'जीएसटी कटौती के बाद कार खरीद के व्यवहार' पर किया गया यह अध्ययन अक्टूबर महीने में देश के बड़े, मझोले व छोटे शहरों में 5,000 से अधिक लोगों के बीच किया गया।अध्ययन में कहा गया, ''जीएसटी कर में कटौती से वाहनों की मांग को रफ्तार मिली। 67 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि बैटरी संबंधी चिंताओं और बैटरी बदलने पर आने वाली ऊंची लागत के बावजूद पारिस्थितिक लाभ ईवी के प्रति रुचि को बढ़ा रहे हैं। स्मिटेन पल्सएआई के सह-संस्थापक स्वागत सारंगी ने कहा, ''जीएसटी दरों में कटौती ने कारों को किफायती बनाने से कहीं अधिक भूमिका निभाई है।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन सभा को किया संबोधित

भारत 257 गीगावाट के साथ चौथा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक : जोशी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि भारत, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश है और इसकी क्षमता 257 गीगावाट है जो 2014 के 81 गीगावाट से तीन गुना अधिक है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन सभा के 8वें सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि भारत की सौर क्षमता 2014 में 2.8 गीगावाट से बढ़कर आज 128 गीगावाट हो गई है। उन्होंने कहा, ''भारत अब नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश है। नवीकरणीय ऊर्जा 2014 की 81 गीगावाट से बढ़कर आज 257 गीगावाट है।''

■ क्षमता 2014 के 81 गीगावाट से तीन गुना अधिक

गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से निर्धारित लक्ष्य पांच साल पहले हासिल

जोशी ने बताया कि सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता 2014 में दो गीगावाट से बढ़कर वर्तमान में 110 गीगावाट हो गई है। इसी तरह सौर सेल निर्माण भी शून्य से बढ़कर 27 गीगावाट हो गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने गैर-जीवाश्म स्रोतों से 50 प्रतिशत क्षमता के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान लक्ष्य को समय सीमा से पांच वर्ष पहले ही हासिल कर लिया।

बिजली उत्पादन क्षमता में भारत तीसरे स्थान पर

बिजली उत्पादन क्षमता में वृद्धि के मामले में भारत पिछले पांच वर्ष में विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे कम प्रति व्यक्ति उत्सर्जन और सबसे कम प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत वाले देशों में से एक होने के नाते स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता वास्तव में उल्लेखनीय है।

वैश्विक सौर ऊर्जा अब 1,600 गीगावाट हुई

मंत्री ने उल्लेख किया कि वैश्विक सौर ऊर्जा अब 1,600 गीगावाट से अधिक हो गई है और कुल नवीकरणीय उत्पादन का करीब 40 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ''फिर भी प्रगति असमान बनी हुई है। उप-सहारा अफ्रीका और छोटे द्वीपीय देशों में लाखों लोग अब भी निरंतर बिजली आपूर्ति के बिना जी रहे हैं। इस खाई को पाटने के लिए सामूहिक महत्वाकांक्षा एवं समान वित्त की आवश्यकता है।''

भारत का नवीकरणीय ऊर्जा शुल्क सबसे कम

मंत्री ने कहा कि भारत के नवीकरणीय ऊर्जा शुल्क, चाहे वह सौर ऊर्जा हो, 'सोलर-प्लस-बैटरी' हो या हरित अमोनिया हो, विश्व स्तर पर सबसे कम हैं। ''यह स्वच्छ ऊर्जा को किफायती बनाने के लिए गति और कौशल को संयोजित करने की देश की क्षमता को दर्शाता है।''

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा बाजार

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने भारत के दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा बाजार बनने का अनुमान लगाया है। जोशी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी भारत को ऊर्जा परिवर्तन की एक महाशक्ति मानती है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में भी भारत शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों में बना हुआ है।

भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य किए हासिल

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वास्तव में जी-20 देशों में भारत एकमात्र ऐसा देश है, जिसने 2030 के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को 2021 में ही हासिल कर लिया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा, ''हम जलवायु परिवर्तन को कम करने के वैश्विक प्रयासों में लगातार अग्रणी बने रहे हैं।''

देश का औद्योगिक उत्पादन सितंबर में चार प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

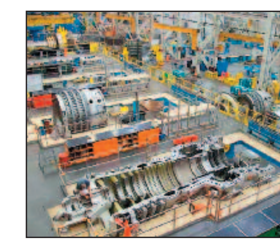

देश का औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के दम पर सितंबर में चार प्रतिशत बढ़ा है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी मिली। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया औद्योगिक उत्पादन सितंबर, 2024 में 3.2 प्रतिशत बढ़ा था।

■ विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन से उत्पादन बढ़ा

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अगस्त, 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन के वृद्धि के आंकड़ों को चार प्रतिशत के अस्थायी अनुमान से संशोधित कर 4.1 प्रतिशत कर दिया है। एनएसओ के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन सितंबर 2025 में 4.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि सितंबर 2024 में यह चार प्रतिशत बढ़ा था। खनन उत्पादन में 0.4 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि एक साल पहले इसमें 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। बिजली उत्पादन में सितंबर में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि (पहली छमाही) के दौरान देश के औद्योगिक उत्पादन में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि 2024-25 की पहली छमाही में यह 4.1 प्रतिशत रही थी।

गैर-टिकाऊ वस्तुओं को उत्पादन में गिरावट

टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं (एसी, फ्रिज आदि का विनिर्माण) की वृद्धि दर सितंबर 2024 के 6.3 प्रतिशत से बढ़कर समीक्षाधीन महीने में 10.2 प्रतिशत हो गई। सितंबर, 2025 में उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में 2.9 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि एक वर्ष पहले इसमें 2.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

मूल वस्तुओं को उत्पादन 1.4 फीसदी बढ़ा

आंकड़ों के अनुसार, मूल वस्तुओं का उत्पादन सितंबर, 2025 में 1.4 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एक वर्ष पहले इसमें 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मध्यवर्ती वस्तुओं के क्षेत्र में विस्तार आलोच्य महीने में 5.3 प्रतिशत रहा जबकि सितंबर, 2024 में इसमें 4.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

नोएल टाटा और दो अन्य ने मेहली मिस्त्री के खिलाफ किया मतदान

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और उनके करीबी माने जाने वाले दो अन्य प्रभावशाली न्यासियों ने मेहली मिस्त्री की ट्रस्टी के रूप में पुनर्नियुक्ति के खिलाफ मतदान किया है। मामले से अवगत लोगों ने यह जानकारी दी। इससे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी को नियंत्रित करने वाली परोपकारी इकाई में दरार और गहरी हो गई।

■ ट्रस्टी के रूप में पुनर्नियुक्ति के खिलाफ किया मतदान

टाटा समूह के संरक्षक रतन टाटा का पिछले साल निधन होने के बाद नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स का प्रमुख नियुक्त किया गया था। मेहली मिस्त्री को दिवंगत रतन टाटा के करीबी माना जाता है। मामले से अवगत लोगों ने बताया कि टीवीएस मोटर कंपनी के मानद चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह ने मंगलवार को मिस्त्री की न्यासी (ट्रस्टी) के रूप में पुनः नियुक्त किए जाने के खिलाफ मतदान किया। मिस्त्री का तीन साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद यह मतदान हो रहा था। उन्होंने बताया कि हालांकि मिस्त्री के करीबी तीन अन्य न्यासी.. सिटीबैंक इंडिया के पूर्व सीईओ प्रमित झावेरी, मुंबई के वकील डेरियस खंबाटा और पुणे के समाजसेवी जहांगीर एच. सी. जहांगीर ने उनकी पुनर्नियुक्ति का समर्थन किया।

अदालत का रुख कर सकते हैं मिस्त्री

श्रीनिवासन को हालांकि पिछले हफ्ते सर्वसम्मति से आजीवन ट्रस्टी बना दिया गया था। मिस्त्री ने अपने अगले कदम के बारे में कुछ नहीं कहा है। ऐसा माना जा रहा है कि वह इसके खिलाफ अदालत का रुख कर सकते हैं। टाटा ट्रस्ट्स से इस घटनाक्रम के संबंध में जानकारी हासिल करने के संपर्क किया गया लेकिन उनकी ओर से इसपर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया गया।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार में आई गिरावट

एजेंसी ▸▸ मुंबई

एशियाई बाजारों में कमजोरी के बीच मंगलवार को आईटी, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और रियल्टी शेयरों में मुनाफावसूली से स्थानीय शेयर बाजार नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 151 अंक टूट गया जबकि निफ्टी को 30 अंक का नुकसान हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 150.68 अंक की गिरावट के साथ 84,628.16 अंक पर बंद हुआ। मजबूती के साथ सत्र की शुरुआत करने वाला सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 559.45 अंक तक टूटकर 84,219.39 अंक पर आ गया था। निफ्टी 29.85 अंक की गिरावट के साथ 25,936.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फाइनेंस के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही।

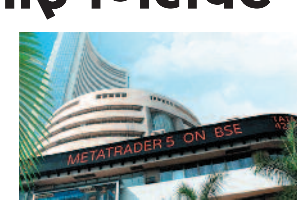

सोना 4,100 रुपए टूटा और चांदी 6,250 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली। अमेरिका-चीन व्यापार तनाव कम होने के बीच सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में मांग कम होने के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमतें 4,100 रुपये गिरकर 1,21,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं और वैश्विक बाजारों में 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, सोमवार को सोने की कीमत 1,25,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 4,100 रुपये गिरकर 1,21,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया, जो पिछले बंद भाव 1,25,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''मंगलवार को सोने में और गिरावट आई और सुरक्षित निवेश मांग में कमी के कारण यह और बढ़ गई।

सेबी ने वेदांता की स्टरलाइट इलेक्ट्रिक का आईपीओ रोका

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने वेदांता समूह की कंपनी स्टरलाइट इलेक्ट्रिक लिमिटेड के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को फिलहाल स्थगित कर दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की वेबसाइट पर सोमवार को स्टरलाइट इलेक्ट्रिक के आईपीओ को 'स्थगित किए जाने'' की जानकारी दी। हालांकि इस निर्णय का कारण नहीं बताया गया है। कंपनी ने अक्टूबर महीने की शुरुआत में ही आईपीओ की मंजूरी संबंधी मसौदा दस्तावेज दाखिल किया था। प्रस्तावित आईपीओ में 77.9 लाख इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और उतने ही शेयरों की बिक्री पेशकश होने वाली थी। बाजार सूत्रों के अनुसार, कंपनी इस आईपीओ के जरिये करीब 1,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही थी।

बिजनेस साइट

पतंजलि विश्वविद्यालय में 'स्वस्थ धरा' पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में 'मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रबंधन द्वारा गुणवत्तापूर्ण जड़ी-बूटियों की सतत खेती' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन मंगलवार को सम्पन्न हुआ। यह आयोजन भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, नाबार्ड, पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टिट्यूट और भरुवा एग्री साइंस के संयुक्त प्रयास से 'स्वस्थ धरा' योजना के तहत किया गया। मुख्य अतिथि नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी केवी ने पतंजलि के साथ सहयोग को जैविक खेती और स्थायी कृषि के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2027 के लक्ष्य को साकार करने के लिए मृदा प्रबंधन पर ध्यान देना आवश्यक है। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि फसल की सुरक्षा से ही मानव स्वास्थ्य की रक्षा संभव है। उन्होंने मिट्टी को उसके मूल स्वरूप में लौटाने और 'मूल की भूल' सुधारने का आह्वान किया। सम्मेलन में पतंजलि की ऑटोमेटेड मृदा परीक्षण मशीन 'धरती का डॉक्टर' विशेष आकर्षण का केंद्र रही। यह मशीन मात्र 30 मिनट में मिट्टी के नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, पीएच, ऑर्गेनिक कार्बन आदि तत्वों का परीक्षण कर सकती है।

नाबार्ड-पतंजलि सहयोग से बढ़ेगी जैविक खेती

डॉ. के.एन. शर्मा ने बताया कि यह तकनीक किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली फसल उत्पादन में मदद करेगी। कार्यक्रम के दौरान 'स्वस्थ धरा' और 'मेडिसिनल प्लांट्सः इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोमेडिसिन्स एंड रिलेटेड इंडस्ट्रीज' पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया। सम्मेलन के अंत में पोस्टर सत्र के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

एसआरएम यूनिवर्सिटी-एपी का 5वां दीक्षांत समारोह आयोजित

चेन्नई। एसआरएम यूनिवर्सिटी-आंध्र प्रदेश ने अपने 5वें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) कोठा मधु मूर्ति, अध्यक्ष, आंध्र प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद (एपीएससीएचई) रहे। इस अवसर पर संस्थापक कुलाधिपति डॉ. टी. आर. पारीवेंद्र, प्रो-कुलपति डॉ. पी. सत्यनारायणन, कुलपति प्रो. सीएच सतीश कुमार सहित विश्वविद्यालय के बोर्ड सदस्य, शिक्षकगण, पूर्व छात्र और अभिभावक उपस्थित थे। कुलपति प्रो. सतीश कुमार ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि दीक्षांत दिवस छात्रों के जीवन का एक अहम पड़ाव होता है, जो वर्षों की मेहनत का परिणाम होता है। मुख्य अतिथि प्रो. मधु मूर्ति ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा को केवल रोजगार का साधन न बनाकर समाज सेवा, नेतृत्व और परिवर्तन का माध्यम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश भारत के एआई क्रांति के केंद्र में है और स्नातक देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता में योगदान दें। संस्थापक कुलाधिपति डॉ. पारीवेंद्र ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि एसआरएम की विशेषता उसकी शिक्षण पद्धति है, जो छात्रों को सीमाओं से परे सोचने के लिए प्रेरित करती है। समारोह में 1877 स्नातकों और 39 डॉक्टरेट विद्वानों को उपाधियां प्रदान की गईं।

2020 के बाद से सबसे बड़ी छंटनी होने जा रही

अमेजन करने जा रहा है 30,000 लोगों की छंटनी, मचा हड़कंप

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिग्गज ई कॉमर्स कंपनी अमेजन 2022 के बाद सबसे बड़ी छंटनी करने जा रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी मंगलवार-बुधवार से यह छंटनी शुरू करेगी। 30,000 कॉरपोरेट कर्मचारियों की नौकरी खतरे में है। रिपोर्ट के अनुसार इन्हें कंपनी से निकाला जा सकता है। अमेजन यह छंटनी अपने खर्चों में कटौती करने के उद्देश्य से कर रही है। इसके अलावा कंपनी ने कोविड-19 के दौरान जमकर लोगों को नौकरी पर रखा था। यह भी एक वजह छंटनी की बताई जा रही है। बता दें, कोविड-19 के समय में ऑनलाइन डिमांड काफी तेजी के साथ बढ़ गई थी। जिसके बाद कंपनी ने जमकर हायरिंग की थी।

■ अमेजन यह छंटनी अपने खर्चों में कटौती करने के उद्देश्य से कर रही

करीब 10 फीसदी लोगों की छंटनी

अमेजन में इस समय 3,50,000 लोग काम करते हैं। इस हिसाब से करीब 10 प्रतिशत लोगों की छंटनी करने जा रहा है। कंपनी अपना मुनाफा बढ़ाने और तेजी के साथ ग्रोथ करने की तरफ अधिक ताकत से लग रही है। ई-कॉमर्स कंपनी बदलते आर्थिक माहौल और ग्राहकों में खर्च में की कटौती की वजह से भी सतर्क दिखाई दे रही है।

2022 में भी की थी बड़ी छंटनी

इससे पहले अमेजन ने 2022 में बड़ी छंटनी की थी। तब कंपनी ने करीब 27,000 लोगों को बिजनेस यूनिट से निकाला था। इसी महीने की शुरुआत में फॉर्च्यून ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि अमेजन अपने स्टाफ में 15 प्रतिशत की कटौती करेगा।

कंपनियों ने डिमांड कम होना बताया था

छंटनी के मसले पर अमेजन की तरफ से अभी तक कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है। ना ही ई-कॉमर्स कंपनी ने छंटनी की कोई जानकारी दी है। बता दें, अमेजन के अलावा कई दिग्गज कंपनियों ने भी कोविड और उसके बाद छंटनी की है। इसके पीछे की वजह कंपनियों ने डिमांड का कम होना बताया है।

एआई का भी असर

एआई का भी असर लोगों की नौकरियों पर दिख रहा है। कंपनियां कई सेक्शन में मैनुअल से ऑटोमेशन पर जा रही है। जिससे कर्मचारियों की डिमांड कम हो रही है।

गुकेश ने नाकामुरा को हराया, 'किंग थ्रो' विवाद का हिसाब किया बराबर

एजेंसी ▶▶| सेंट लुईस

विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश ने अमेरिका के सेंट लुईस में आयोजित क्लच चेस चैंपियंस शोडाउन 2025 में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हिकारु नाकामुरा को रैपिड फॉर्मेट में हराकर मिनी मैच अपने नाम किया। यह जीत सिर्फ एक मुकाबले की नहीं थी, यह उस विवाद का जवाब भी थी, जिसने कुछ हफ्ते पहले शतरंज जगत को हिला दिया था।

दरअसल, कुछ समय पहले दोनों के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान नाकामुरा ने गुकेश को हराने के बाद उनका किंग मोहरा उठाकर दर्शकों की ओर फेंक दिया था, जिससे भारी विवाद खड़ा हो गया था।

गुकेश ने शालीनता से जीता दिल

गुकेश ने राउंड 2 के पहले गेम में काले मोहरों से खेलते हुए शानदार रणनीति के साथ जीत दर्ज की। इसके बाद सभी की नजरें उनके रिएक्शन पर थीं। लेकिन गुकेश ने अपनी भावनाओं पर काबू पाते हुए शांति से बोर्ड को रीसेट किया, मोहरों को उनकी जगह पर रखा और नाकामुरा से हाथ मिलाया। उनकी इस प्रतिक्रिया ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर भी इसका वीडियो काफी तेजी से वायरल है। प्रशंसकों का कहना है कि 'गुकेश ने खेल भावना की मिसाल पेश की'।

क्या है 'किंग थ्रो' विवाद?

'चेकमेट : भारत बनाम अमेरिका' प्रदर्शनी इवेंट का हाल ही में टेक्सास के आर्लिंगटन में आयोजन किया गया था। इस दौरान अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हिकारु नाकामुरा ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर और विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराने के बाद उनके राजा के मोहरे को दर्शकों की ओर फेंक दिया। इस निंदनीय कदम ने सोशल मीडिया पर चर्चा और आलोचना का तूफान खड़ा कर दिया।

आयोजकों ने पहले से बनाई थी योजना

हालांकि बाद में यह रिपोर्ट सामने आई कि राजा के मोहरे को फेंकने की हरकत आयोजकों ने पहले से ही योजना बनाई थी। प्रसिद्ध शतरंज विशेषज्ञ लेवी रोजमन ने बताया, 'बिना संदर्भ के यह एक अप्रत्याशित और असम्मानजनक हरकत लग सकती है। लेकिन आयोजकों ने हमें इसे करने के लिए प्रोत्साहित किया था। मुझे याद है कि अगर मैंने या सागर शाह ने जीत हासिल की, तो हमें राजा के मोहरे को तोड़ना था। यह सब मनोरंजन के लिए था। गुकेश और हिकारु के मैच का विजेता राजा के मोहरे को दर्शकों में फेंकता। मुझे नहीं पता कि गुकेश ऐसा करते या नहीं। हिकारु ने बाद में गुकेश से बात की और बताया कि यह केवल शो के लिए था और कोई अपमान नहीं था।'

खबर संक्षेप

कजाकिस्तान ने भारत को बराबरी पर रोका

नई दिल्ली। भारत की अंडर-20 महिला टीम ने कजाकिस्तान के शिमकेंट में बीआईआईके स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दूसरे और अंतिम मैत्री मैच में कजाकिस्तान अंडर-19 के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। दोनों गोल दूसरे हाफ में किए गए। एडेलिया बेक्कोझिना ने 47वें मिनट में मेज़बान टीम को बढ़त दिलाई, जबकि पूजा ने 55वें मिनट में इस दौरे का अपना दूसरा गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय टीम ने अगले साल होने वाले अंडर-20 महिला एशिया कप की तैयारी के सिलसिले में यह दौरा किया था, जिसमें उसने दो मैत्री मैच खेले। भारत ने शनिवार को पहला मैत्री मैच 3-2 से जीता था।

ऑस्ट्रेलिया अपना आक्रामक रवैया जारी रखेगाः मार्श

कैनबरा। आस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श जानते हैं कि अति आक्रामक बल्लेबाजी करने की रणनीति हमेशा कारगर साबित नहीं होती लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के तहत आक्रामक रवैया अपनाना जारी रखेगी। ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले विश्व कप की तैयारी के तहत भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2021 में टी20 विश्व कप जीता था जबकि भारत 2024 में चैंपियन बना था।

भारत ने एशियाई रिले के लिए लगाई बोली

नई दिल्ली। भारत ने आगामी वर्षों में महाद्वीपीय और वैश्विक प्रतियोगिताओं के आयोजन के अपने प्रयासों के तहत 2028 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2026 एशियाई रिले की मेजबानी के लिए बोलियां पेश की हैं। भारत अगर इन प्रतियोगिताओं की मेजबानी हासिल करने में सफल रहा तो यह पहली बार होगा जब देश इन दो महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा।

दोनों टीम ने पिछले 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8 जीते और एक-एक मैच हारे

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 जंग आज से, फॉर्म में लौटने को बेताब सूर्यकुमार

एजेंसी ▶▶| कैनबरा

पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 29 अक्टूबर बुधवार को होने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में फॉर्म में लौटने की कोशिश करेंगे। दोनों टीम ने अपने पिछले 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से आठ जीते हैं और एक-एक मैच हारे हैं, इसलिए मुकाबला बराबरी का होने की उम्मीद है। भारत का एक मैच टाई रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। सूर्यकुमार का रन नहीं बना पाना टीम के लिए चिंता का विषय हो सकता है लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी बेहतर खेल दिखाने के लिए वह प्रतिबद्ध होंगे।

आज दोपहर 1:45 बजे से शुरू होगा मुकाबला

टी20 में पावरप्ले अहम : सूर्यकुमार

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में पावरप्ले के ओवर काफी महत्वपूर्ण होंगे और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी से मैच के इस समय में उनकी टीम की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। सूर्यकुमार ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक खेल शैली के सामने बुमराह का होना हमेशा से उनकी टीम के लिए फायदेमंद रहा है। सूर्यकुमार ने कहा, 'पावर प्ले में गेंदबाजी करना हमेशा चुनौती होती है। हमने देखा है कि वे (ऑस्ट्रेलिया) वनडे श्रृंखला और टी20 विश्व कप में किस तरह से खेले। पावर प्ले हमेशा महत्वपूर्ण होता है।'

अभिषेक के लिए नई चुनौती

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर अतिरिक्त उछाल से निपटना एक नई चुनौती होगी और इसलिए कप्तान का योगदान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। मनुका ओवल की पिच पर उछाल होने के कारण सूर्य कुमार को अधिकतम लाभ हासिल करने का मौका मिलेगा, लेकिन जोश हेजलवुड उनके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

बुमराह की मौजूदगी महत्वपूर्ण कारक

भारत के गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी और वरुण चक्रवर्ती की चतुराई महत्वपूर्ण कारक होंगे। वरुण, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के 12 ओवर तथा बुमराह और अर्शदीप के शुरुआती स्पैल ट्रेविस हेड और खतरनाक मिशेल मार्श के खिलाफ काफी महत्वपूर्ण होंगे।

सूर्य ने 10 पारियों में सिर्फ 100 रन ही बनाए

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्या का खुलकर समर्थन किया और उनका मानना है कि कप्तान का लगातार कम स्कोर पर आउट होना चिंता का विषय नहीं है। सूर्यकुमार हालांकि बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे। सूर्यकुमार यादव ने 2023 में 18 पारियों में लगभग 156 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और पांच अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने 2024 में 151 के स्ट्राइक रेट से 450 से थोड़ा कम रन बनाए, लेकिन 2025 में अब तक भारतीय कप्तान 10 पारियों में 11 रन प्रति मैच की औसत से केवल 100 रन ही बना पाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 105 से अधिक है, जिससे यह पता चलता है कि भले ही उन्हें रन बनाने में संघर्ष करना पड़ा है, लेकिन उन्होंने अपनी आक्रामक रणनीति को पूरी तरह से नहीं छोड़ा है।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलियाः मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस।

आईसीयू से बाहर आए अय्यर, हालत स्थिर : नई दिल्ली। भारत की वनडे टीम की उप कप्तान श्रेयस अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है और उनकी हालत स्थिर है, जिससे उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता कम हो गई है।

विमेंस वनडे रैंकिंग

स्मृति ने हासिल की कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग, नंबर-1 पर कायम

एजेंसी ▶▶| दुबई

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने घरेलू विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल करने के साथ महिला वनडे क्रिकेट में शीर्ष बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

बाएं हाथ की इस 29 साल की बल्लेबाज ने पिछले दो मैचों में न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 और बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 34 रन बनाए हैं। इन पारियों के बाद उनके नाम 828 रेटिंग अंक हो गए, जो दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर (731) से 97 अंक अधिक हैं। गार्डनर ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने नाबाद शतक के बाद छह स्थानों की छलांग लगाई। मंधाना को इससे पहले सितंबर 2025 के लिए 'आईसीसी-महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुना गया था।

प्रतिका शीर्ष 30 में

चोट के कारण विश्व कप के बाकी मैचों से बाहर हुई भारतीय सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल 564 की रेटिंग के साथ शीर्ष 30 (27वें स्थान) में पहुंच गईं। इस विश्व कप में स्पिन की अहम भूमिका रही है और कई गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन के बूते अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।

कलकल ने रचा इतिहास, फ्री स्टाइल में जीता गोल्ड, उज्बेकिस्तान के पहलवान को हराया

एजेंसी ▶▶| नोवी साद

भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पुरुषों की फ्री स्टाइल 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सुजीत ने खिताबी मुकाबले में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जालोलोव को एकतरफा अंदाज में 10-0 से हराया। दोनों पहलवानों के बीच यह मुकाबला चार मिनट 54 सेकेंड तक चला, जिसके बाद रेफरी ने भारतीय पहलवान को विजेता घोषित किया। सुजीत ने इस तरह उज्बेकिस्तान के पहलवान पर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की। इससे पहले सुजीत ने कभी विश्व खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्होंने 2022 और 2025 में अंडर-23 एशिया खिताब और 2022 में अंडर-20 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। सुजीत ने पिछले साल इसी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, लेकिन इस बार वह पदक का रंग बदलने में सफल रहे।

दो महीने मैदान से बाहर रहेंगे रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी कार्वाजल

मैड्रिड। रियल मैड्रिड को एफसी बार्सिलोना के खिलाफ जीत की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। मैड्रिड के डिफेंडर दानी कार्वाजल को घुटने में चोट लगी है, जिसके बाद अब वह 2026 की शुरुआत तक मैदान से बाहर रहेंगे। रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना पर 2-1 जीत दर्ज की थी, लेकिन इस दौरान टीम का यह डिफेंडर चोटिल हो गया। अब दानी कार्वाजल को ठीक होने में लगभग दो महीने का समय लगेगा। रियल मैड्रिड की आधिकारिक वेबसाइट ने बताया, 'रियल मैड्रिड की मेडिकल टीम ने दानी कार्वाजल की जांच की, जिसमें उनके दाएं घुटने के जोड़ में एक 'लूज बॉडी' पाया गया है। डिफेंडर अब 'आर्थोस्कोपी सर्जरी' से गुजरेंगे।

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LTD.

No.02-08/CW/2025-26/Tr No.-2775-2780/4296 Raipur Dt. 09.10.2025

NOTICE FOR E-TENDER

1.Online bids are invited through CSPDCL tendering system (SAP SRM) from Eligible Electrical Contractors registered in the O/o CE (PROJECT), CSPDCL, Gudhiyari, Raipur for following works. Registration of electrical contractors is opened & will be allowed for this tender till one day prior to date of opening of the tender.2.The registration of contractor will remain open. For details and further notifications keep visiting http://www. cspdcl.co.in ->project department->ebidding portal.3.Bidders may visit the site www.cspdcl.co.in/project office/ contractors section to know the qualifying criteria for registration of contractors to be eligible for participating in the tender.**4.Bid information must be submitted in the prescribed format only. No deviation shall be permitted.**

Sr. No.	Tender No / Rfx no.	Name of work	Tender amount (excl. GST) (in Rs)	Completion period	Eligible class for bidding	Time & Due date of submission
1	Tr.no 2775 RFx-8100046519	Electrification of village-**GURSAKAL**, under Bhairamgarh D/C of (O&M) Dn.Bijapur under Deposit scheme (035).	26,76,521.00	03 months	Class - I, II, III & III-A	12.00 noon 31.10.2025
2	Tr.no 2776 RFx-8100046520	Electrification of Village - **Keshketul (Patelpara and Sarpanch para)** Block- Bhairamgarh Under -Bhairamgarh D/C in (O&M) Dn. Bijapur under Deposit scheme (035).	20,98,330.00	03 months	Class - I, II, III & III-A	12.00 noon 31.10.2025
3	Tr.no -2778 RFx-8100046675	Height raising and shifting of 11 KV Line, 11 KV line DP, X-Mer DP and LT Line due to construction of over bridge and under bridge to the SDO of Public Work Department at **Gunderdehi to Chainganj** (Railway Crossing) under Gunderdehi D/C of O&M Dn. Durg. **(Under Ground Cable Laying Work Involved)**	31,97,443.00	03 months	Class - I, II, III & III-A	12.00 noon 31.10.2025
4	Tr.no -2779 RFx-8100046679	Interconnection of 33KV line from 33/11KV S/s **Gopi Talkies to collectorate 33/11KV** S/s under Raigarh Zone-II of Raigarh O&M-Dn.I Raigarh. **(Under Ground Cable Laying Work Involved)**	36,91,762.00	03 months	Class - I & II	12.00 noon 31.10.2025
5	Tr.no -2780 RFx-8100046680	Interconnection of 33 KV **Jindal feeder to 33/11 KV S/s Sector-18** at Naya Raipur under Naya Raipur Sub dn of EE O&N Dn. Atal Nagar Nava Raipur.	2,32,13,331.00	03 months	Class - I & II	12.00 noon 31.10.2025

SAVE ELECTRICITY

CHIEF ENGINEER (PROJECT)
CSPDCL:RAIPUR

भारतीय डाक विभाग
कार्यालय प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग रायपुर - 492009

डाकघर हेतु भवन की आवश्यकता

विज्ञापन

लवन उपडाकघर हेतु लवन शहर, जिला बलौदाबाजार क्षेत्र में लगभग 450-500 वर्गफीट के भूतल भवन की आवश्यकता है, जिसमें जल, विद्युत, टॉयलेट एवं अन्य सभी आवश्यक सुविधा उपलब्ध हो। इच्छुक भवन स्वामी, प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग रायपुर - 492009 को अपना आवेदन, प्रस्तावित किराया, स्वीकृत नक्शा, बी I,, खसरा, नगर निगम टैक्स भुगतान की रसीद एवं अन्य स्वामित्व संबंधी दस्तावेज की प्रति के साथ डाक से प्रेषित करें अथवा किसी भी कार्यालयीन दिवस में उक्त कार्यालय में जमा करें। आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि 12.11.2025 है। किराये में लिये जाने वाले भवन का रजिस्ट्रार कार्यालय से किराये का अनुबंध कराया जाना अनिवार्य होगा।

प्रवर अधीक्षक डाकघर, रायपुर संभाग, रायपुर-492009

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
''मिनी रत्न कम्पनी''
(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

No. SECL/GM/439 दिनांक: 29.09.2025

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एस.ई.सी.एल. भटगांव क्षेत्र के अन्तर्गत संचालित महामाया खुली खदान परियोजना हेतु ग्राम बरौधी की भूमि का अर्जन किया गया है, जिसमें 32 भूमिस्वामी की भूमि का मूल्यांकन छत्तीसगढ़ राज्य मूल्यांकन बोर्ड द्वारा निर्धारित दर पर किया गया है। राज्य शासन द्वारा मूल्यांकन किये जाने के पश्चात् एस.ई.सी.एल. मुख्यालय द्वारा अनुमोदन किया गया है। उक्त भूमिस्वामियों का पुनः सलाह दी जाती है, कि अपनी भूमि का स्वीकृत मुआवजा एस.ई.सी.एल. भटगांव क्षेत्र के अन्तर्गत संचालित महामाया खुली कोयला खदान परियोजना के कार्यालय में आकर वांछित दस्तावेज के साथ अपना आवेदन प्रस्तुत कर 15 दिनों में अपनी सम्पूर्ण मुआवजा राशि प्राप्त कर सकते है। संबंधित भूस्वामियों द्वारा उपरोक्त समयावधि में मुआवजा हेतु आवेदन नहीं करने की स्थिति में उपरोक्त स्वीकृत मुआवजा राशि पार्ट टाइम ट्रिब्यूनल, बिलासपुर में जमा कराने की कार्यवाही कि जायेगी। जिसके लिए भूस्वामी स्वयं जिम्मेदार होंगे। यह अवगत कराना आवश्यक है कि उक्त मुआवजा माह फरवरी 2020 में एस.ई.सी.एल. मुख्यालय द्वारा अनुमोदित किया गया है। ग्राम बरौधी की अधिग्रहित भूमि के भूमिस्वामियों का विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गयी है –

(अ) - निजी भूमि

S.N.	Name Fathers/Husband Name/Caste	Plot No.	Total Area of plot (in Hact)	Total area acquired (in Hact)	Class of land
1	2	3	4	5	6
1	आगर साय आ. घूरेलाल जाति, रजवार	142/2P	0.05	0.04	एक फसली
2	अनुबाई पुत्री मानकी जाति रजवार	117	0.35	0.35	एक फसली
3	किरण सिंह पति प्रवीण कुमार सिंह जाति सामान्य	60/9P	0.95	0.04	एक फसली
		60/6	1.64	1.64	एक फसली
	योग -	**02**	**2.59**	**1.68**	
4	किशुन आ. अघनू, पतियारो बेवा अघनू जाति बरगाह	119P	0.42	0.18	एक फसली
5	गेन्दी पुत्री महूंग जाति बरगाह	118/1	0.17	0.17	एक फसली
6	जयलाल आ. गोविन्द जाति रजवार	50/2P	0.30	0.08	एक फसली
7	जुगेन पुत्री महंगू जाति बरगाह	118/9P	0.24	0.04	एक फसली
8	तारकेश्वर आ. सुखदयाल जाति रजवार	50/3P	0.41	0.01	एक फसली
9	दीपेन्द्र सिंह आ. सुरेश प्रताप सिंह जाति सामान्य	60/7	0.20	0.20	एक फसली
10	दुलेर पुत्री महंगू जाति बरगाह	118/8	0.17	0.17	एक फसली
11	धरमपाल आ. मोहन जाति बरगाह	118/4	0.10	0.10	एक फसली
12	नितू सिंह पति लालेन्द्र पताप सिंह	60/2P	0.46	0.01	एक फसली
13	पुरन आ. शिवचरण जाति रजवार	115/1	0.32	0.32	एक फसली
14	बाबी पति घुरेलाल जाति रजवार	113/2 P	0.18	0.02	एक फसली
		140/3P	0.18	0.03	एक फसली
	योग -	**02**	**0.36**	**0.05**	
15	भैयालाल आ. जगरनाथ जाति बरगाह	118/3	0.10	0.10	एक फसली
16	मुलेर पुत्री महंगू जाति बरगाह	118/7	0.17	0.17	एक फसली
17	रामबरुस आ. मोतीलाल जाति बरगाह	118/6P	0.30	0.15	एक फसली
18	रामकेली पति परसराम	118/2	0.17	0.17	एक फसली
19	रामभरोस आ. बंधन जाति रजवार	120P	0.21	0.04	एक फसली
20	रामपाल आ. परषोत्तम चूमार	55	0.30	0.30	एक फसली
21	लालेन्द्र प्रताप सिंह आ. चन्द्रमौलेश्वर सिंह सुशीला पति, चन्द्रमौलेश्वर सिंह, जाति समान्य	56/2	0.68	0.68	एक फसली
22	श्यामदेई पुत्री लक्ष्मण जाति रजवार	123/2P	0.19	0.01	एक फसली
23	सुरेश प्रताप सिंह पिता ब्रिजलाल सिंह जाति सामान्य	54	0.06	0.06	एक फसली
		57	0.40	0.40	एक फसली
		60/1	0.10	0.10	एक फसली
		60/3	0.21	0.21	एक फसली
	योग -	**04**	**0.77**	**0.77**	
24	शिवचरण आ. रनसाय जाति रजवार	121/1P	0.12	0.11	एक फसली
25	शिवैन्द्र सिंह आ. सुरेश प्रताप सिंह जाति सामान्य	60/8P	0.20	0.14	एक फसली
26	शिवप्रसाद आ. शिवचरन जाति रजवार	115/2	0.13	0.13	एक फसली
27	सोमार साय, रामधन, रामभरोस, धर्मसाय आ. मोहना	48/1	0.11	0.11	एक फसली
		50/5P	0.61	0.04	एक फसली
		139P	0.47	0.02	एक फसली
		116	0.38	0.38	एक फसली
	योग -	**04**	**1.57**	**0.55**	
28	सुखदयाल आ. रामा रजवार	113/1 P	0.20	0.02	एक फसली
		144/1	0.06	0.06	एक फसली
	योग -	**02**	**0.26**	**0.08**	
29	सुरेश प्रंताप सिंह आ. बृजराज सिंह जाति सामान्य	60/10P	0.60	0.08	एक फसली
30	सुशीला सिंह पुत्री विजय बहादुर सिंह जाति सामान्य	56/1P	0.81	0.37	एक फसली
31	श्रीप्रसाद आ. मोतीलाल जाति बरगाह	118/5	0.20	0.20	एक फसली
32	हीराराम आ. जीतन	68P	0.25	0.08	एक फसली
	कुल योग -	**16**	**13.17**	**7.53**	

खान प्रबन्धक, महामाया परियोजना

हवा में उड़ती है ये ट्रेन, पटरी से इतनी ऊंचाई पर भरती है रफ्तार

लंदन। दुनिया में एक ऐसी ट्रेन मौजूद है जो पटरियों से चिपककर नहीं चलती, बल्कि हवा में उड़ती हुई रफ्तार भरती है। हम जिस ट्रेन की बात कर रहे हैं, उसे आम तौर पर मैग्लेव ट्रेन कहा जाता है। 'मैग्लेव' शब्द 'मैग्नेटिक लेविटेशन' से बना है, जिसका अर्थ है चुंबकीय शक्ति से हवा में तैरना. यह एक दमदार तकनीक है। इस तकनीक को अभी कुछ ही देशों में इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत आने में अभी इस तकनीक को समय लग सकता है।

मैग्लेव ट्रेन की खासियत

हवा में उड़ना: मैग्लेव ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पटरियों को छूती नहीं है। यह शक्तिशाली इलेक्ट्रोमैग्नेट्स का इस्तेमाल करके पटरी (यानी गाइडवे) से कुछ मिलीमीटर ऊपर हवा में तैरती है।

घर्षण का न होना: चूंकि ट्रेन और पटरी के बीच कोई फिजिकल कान्टैक्ट नहीं होता है, इसलिए घर्षण बल शून्य हो जाता है। यही कारण है कि यह ट्रेनें असामान्य गति से दौड़ पाती हैं।

हवा की रफ्तार: घर्षण कम होने के कारण, मैग्लेव ट्रेनें बहुत तेज स्पीड पकड़ सकती हैं। विश्व स्तर पर, कुछ मैग्लेव ट्रेनें 500 किमी प्रति घंटे से 600 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से भी दौड़ने का रिकॉर्ड बना चुकी हैं।

दुनिया में कहां चलती है?

वर्तमान में, शंघाई (चीन) में चलने वाली शंघाई मैग्लेव सबसे प्रसिद्ध कमर्शियल मैग्लेव लाइन है। इसके अलावा, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश भी इस तकनीक पर काम कर रहे हैं और इनका उपयोग कर रहे हैं।

यह कैसे काम करती है?

मैग्लेव ट्रेन दो मुख्य चुंबकीय सिद्धांतों पर काम करती है:

लेविटेशन: ट्रेन के नीचे और पटरी में शक्तिशाली चुंबक लगे होते हैं। इन चुम्बकों को इस तरह से चार्ज किया जाता है कि वे एक-दूसरे को प्रतिकर्षित करें।

प्रोपल्शन: पटरी में लगे चुम्बकों की पोलैरिटी को लगातार बदला जाता है, जिससे ट्रेन को आगे की ओर धकेला जाता है। यह ठीक उसी तरह काम करता है जैसे एक लाइनीयर मोटर काम करती है, जो ट्रेन को जबरदस्त रफ्तार देती है।

ऑक्सीजन बिना भी जीवन संभव है! धरती पर मौजूद ये 7 जानवर वैज्ञानिकों के लिए भी हैं पहेली

नई दिल्ली। क्या आप जानते हैं कि धरती पर ऐसे भी कुछ जीव मौजूद हैं, जो बिना ऑक्सीजन के भी जीवित रह सकते हैं? वैज्ञानिकों ने ऐसे 7 जीवों की पहचान की है जो ऑक्सीजन के अभाव में भी न केवल जिंदा रहते हैं, बल्कि ऊर्जा भी पैदा करते हैं।

हेनेगुया साल्मिनिकोला

इस लिस्ट में पहला नाम हेनेगुया साल्मिनिकोला का आता है। यह छोटा परजीवी सैल्मन मछली की मांसपेशियों के अंदर बिना ऑक्सीजन के रहता है। इसमें माइटोकॉन्ड्रिया नहीं होता जो कोशिका का वह हिस्सा है जिसे ऊर्जा के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है। हेनेगुया साल्मिनिकोला ऐसा जीव है जो सैल्मन मछली के शरीर से ही ऊर्जा प्राप्त करता है।

लोरिसिफेरा

इस लिस्ट में दूसरा नाम लोरिसिफेरा का आता है। ये छोटे जीव भूमध्य सागर की गहराई में रहते हैं जहां ऑक्सीजन नहीं होती. ये हाइड्रोजनोसोम नामक कोशिकांगों से ऊर्जा बनाते हैं जो बिना ऑक्सीजन के काम करते हैं।

नग्न छछूंदर

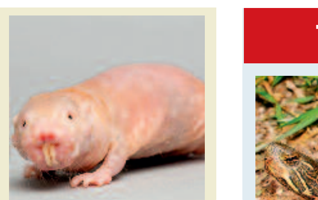

इस लिस्ट में तीसरा नाम नग्न छछूंदर भूमिगत रहते हैं और ऊर्जा उत्पादन के लिए चीनी का अलग तरीके से उपयोग करके लगभग 18 मिनट तक ऑक्सीजन के बिना जीवित रह सकते हैं।

टार्डिग्रेड्स

इस लिस्ट में सांतवा नाम टार्डिग्रेड्स का आता है जिसे भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अपने साथ स्पेस में भी लेकर गए थे. टार्डिग्रेड्स को वॉटर बियर या पानी के भालू के नाम से भी जाना जाता है। टार्डिग्रेड्स एक कठोर जीव है जो अत्यधिक तापमान, रेडिएशन और निर्वात जैसी खतरनाक परिस्थितियों में भी जीवित रह सकता है। इस जीव को भी काफी लंबे समय तक जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं होती है।

ट्यूबवर्म

इस लिस्ट में छठा नाम ट्यूबवर्म का आता है। गहरे समुद्र के छिद्रों के पास रहने वाले ट्यूबवर्म, ऑक्सीजन की आवश्यकता के बिना रसायनों को ऊर्जा में बदलने के लिए बैक्टीरिया का उपयोग करते हैं और काफी लंबे समय तक जीवित रह सकता है।

चित्रित कछुआ

इस लिस्ट में चौथा नाम चित्रित कछुआ के आता है। सर्दियों में चित्रित कछुए 4 से 5 महीने तक बिना ऑक्सीजन के कीचड़ में सोते हैं। वे अपने शरीर की क्रियाओं को धीमा कर देते हैं और बिना ऑक्सीजन के जीवित रहते है।

एपॉलेट शार्क

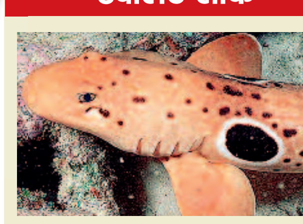

इस सूची में पांचवा नाम एपॉलेट शार्क का आता है। ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ की यह शार्क हृदय की गति और ऊर्जा के उपयोग को धीमा करके बिना ऑक्सीजन के तीन घंटे या उससे अधिक समय तक जीवित रह सकती है।

38 की उम्र में 18 की लगती है महिला हर महीने खर्च करती है 2 लाख रुपए!

लोग समझ लेते हैं बेटी की बड़ी बहन

लंदन। इंग्लैंड की रहने वाली ट्रेसी किस नाम की 38 वर्षीय महिला इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। वजह यह है कि वे अपनी उम्र से आधी यानी अपनी 18 साल की बेटी की बहन जैसी दिखती हैं। ट्रेसी का दावा है कि वे हर महीने करीब 2,000 पाउंड (लगभग 2 लाख रुपए) तक खर्च करती हैं ताकि हमेशा जवान बनी रहें। दुनिया में ऐसे बहुत कम लोग होंगे जो अपनी उम्र को अपना लेते हैं। अधिकतर लोग उम्र को घटाने के पीछे लगे रहते हैं। फिर चाहे वो पुरुष हो या महिला. एक 38 साल की महिला ने भी ऐसा ही किया और अब वो इस उम्र में 18 साल की लगती है। उसे देखकर लोग उसे बेटी की बड़ी बहन समझ लेते हैं। महिला ने बताया कि उसने उम्र पर कैसे काबू पा लिया।

इंग्लैंड की रहने वाली ट्रेसी किस नाम की 38 वर्षीय महिला इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। वजह यह है कि वे अपनी

उम्र से आधी यानी अपनी 18 साल की बेटी की बहन जैसी दिखती हैं। ट्रेसी का दावा है कि वे हर महीने करीब 2,000 पाउंड (लगभग 2 लाख रुपए) तक खर्च करती हैं, ताकि हमेशा जवान बनी रहें। कभी थकान और बीमारियों से जूझ चुकी ट्रेसी अब 'बायोहैकिंग' नाम की तकनीक अपनाकर खुद को पूरी तरह बदल चुकी हैं। उनका कहना है, 'बायोहैकिंग मेरे लिए जैसे दोबारा जन्म लेने जैसा है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा मजबूत, स्वस्थ और खुश महसूस करती हूं।'

25 की उम्र में महसूस हुई थी 80 साल की थकान

ट्रेसी ने बताया कि जब वे 25 साल की थीं, तब खुद को '80 साल की बूढ़ी औरत' जैसा महसूस करती थीं। उनके शरीर में लगातार दर्द रहता था, थोड़ी देर चलने पर चक्कर आने लगते थे और थकावट इतनी बढ़ गई थी कि वे रोते-रोते सो जाती थीं। उस समय वे दो बच्चों की सिंगल मदर थीं और उन्हें डर था कि अगर कुछ हो गया तो बच्चों का क्या होगा। ट्रेसी एहलर्स-डानलोस सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ जेनेटिक बीमारी से पीड़ित हैं, जिसमें शरीर के कनेक्टिव टिश्यू (ऊतक) कमजोर हो जाते हैं और व्यक्ति को कई खाद्य पदार्थों से एलर्जी होने लगती है। अपनी जिंदगी में सुधार लाने के लिए ट्रेसी ने डाइट और दिनचर्या में बड़ा बदलाव किया। उन्होंने वीगन जीवनशैली अपनाई और रोजाना करी-चावल, दलिया और प्रोटीन शेक्स लेना शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने वेट ट्रेनिंग, मेडिटेशन और योग को दिनचर्या में शामिल किया।

शादी में दूसरों की औलाद को संभालो और लाखों कमाओ!

लंदन। अक्सर शादियों में बच्चे सबसे ज़्यादा उधम मचाते हैं और पैरेंट्स के लिए उन्हें संभालना सबसे ज्यादा मुश्किल हो जाता है, लेकिन न्यूयॉर्क की सैंड्रा वियर ने इसी परेशानी को अपने कॅरियर में बदल दिया। आज वह 'वेडिंग नैनी' की फाउंडर हैं और सिर्फ़ बच्चों को संभालकर दिन के $1,000 (करीब 88,000) तक कमा लेती हैं।

एक रात की गिग ने बदल दी ज़िंदगी: सैंड्रा पिछले 11 सालों से बेबीसिटिंग कर रही थीं, लेकिन साल 2024 की एक शादी में उन्हें चार बच्चों की देखभाल का काम मिला। रातभर में कई मेहमानों ने उनसे पूछा, 'क्या आप सिर्फ़ शादियों में बच्चों को संभालती हैं?' बस यहीं से उनकी ज़िंदगी बदल गई और 'वेडिंग नैनी' की शुरुआत हुई।

88,000 एक दिन की फीस, पर क्यों?

सैंड्रा का पैकेज 12 घंटे की ऑन-साइट चाइल्डकेयर के लिए $1,000 से शुरू होता है। अगर बच्चों की संख्या ज़्यादा हो, तो $65 प्रति घंटा प्रति नैनी चार्ज किया जाता है। वो कहती हैं कि, 'हम इंश्योरेंस, ट्रेनिंग और सेफ्टी पर खर्च करते हैं, इसलिए ये रेट सुनकर लोग चौंक जाते हैं।' हर इवेंट से पहले सैंड्रा परिवार से बात करती हैं।..बच्चों की पर्सनैलिटी, एलर्जी, सेफ्टी और पूरी लॉजिस्टिक डिटेल्स तक जान लेती हैं।

यहां बीमार होते ही भेड़ का पेट सूंघते हैं लोग, बीमारियों का रामबाण इलाज

अदीस अबाबा। इथियोपिया के दक्षिणी ओमो वैली में बसी हमर (हामर) ट्राइब की दुनिया आज भी रहस्यों से भरी हुई है। यह समुदाय, जो लगभग 40 हजार लोगों का है, अपनी अनोखी परंपराओं के लिए जाना जाता है—जैसे महिलाओं का गोटा (शारीरिक परीक्षा) रिवाज और बुल जंपिंग समारोह। लेकिन. सबसे चौंकाने वाली प्रथा है उनकी चिकित्सा पद्धति, जहां बीमारी का इलाज भेड़ या बकरी के पेट को फाड़कर सूंघने से होता है।

जी हां, अगर कोई सदस्य बीमार पड़ जाए, तो ट्राइब वाले जानवर की बलि चढ़ाते हैं, उसके पेट (रुमेन) को खोलते हैं और अंदर की अपचित घास-जड़ी-बूटियों की तेज गंध को गहराई से सूंघते हैं।

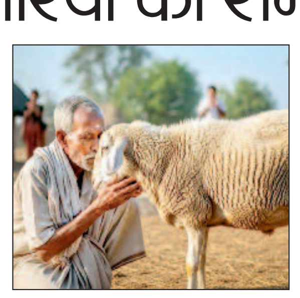

हर बीमारी का इलाज

ट्राइब में जब कोई व्यक्ति सर्दी-जुकाम, पेट दर्द या रहस्यमयी बीमारी से ग्रस्त होता है तो परिवार जानवर चुनता है—ज्यादातर बकरी या भेड़। बलि के बाद उसके पेट को सावधानी से निकाला जाता है और फाड़ा जाता है। इसके बाद अंदर का कंटेंट—अपचित हरा चारा, जड़ी-बूटियां और पाचन रस—की गंध को मरीज बार-बार सूंघता है। उनके मुताबिक, यह गंध रोग को बाहर निकाल देती है।

क्या कहता है साइंस?

वैज्ञानिक दृष्टि से, जानवरों की चराई वाली घास में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण हो सकते हैं, जो सांस से अवशोषित होकर राहत देते हैं। लेकिन डॉक्टर चेतावनी देते हैं कि यह संक्रमण का खतरा बढ़ा सकता है। इसके अलावा, हमर ट्राइब में पशु की पॉटी को भी अमूल्य माना जाता है। इस ट्राइब में जानवरों से जुड़े कई परंपराएं हैं। लोग गाय या भेड़ की पॉटी का इस्तेमाल ताकत के लिए करते हैं। यह पॉटी ना केवल शरीर पर, बल्कि चेहरे पर भी लगाई जाती है, जो त्वचा को चमकदार और कीटों से दूर रखती है। ट्राइब के लोग मानते हैं कि पॉटी में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, जो सूरज की तेज किरणों से बचाव करते हैं।

चार फ़ीट लंबा और तीस किलो वजनी होता है ये मुर्गा!

वॉशिंगटन। सोशल मीडिया पर वायरल वो वीडियो, जहां एक मुर्गा डॉग से भी बड़ा नजर आया– 4 फीट लंबा, 30 किलो वजनी, काटने पर इतना मांस कि एक से ही कई लोगों का पेट भर जाए। हकीकत में ये ब्रह्मा चिकन है, दुनिया की सबसे बड़ी मुर्गी नस्लों में से एक, जिसका साइज तो कमाल का है, लेकिन दावे अतिशयोक्ति भरे हैं। 1850 में अमेरिका लाई गई ये नस्ल 'किंग

ऑफ पॉल्ट्री' के नाम से मशहूर है। मुर्गे 30 इंच (76 सेमी) ऊंचे, 12-18 पाउंड (5.4-8.2 किलो) वजनी होते हैं जबकि मुर्गी 9.5-10 पाउंड (4.3-4.5 किलो) तक के होते हैं। सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि इस मुर्गे से 30 किलो मांस निकल सकता है। लेकिन, ये नामुमकिन है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे भारी मुर्गा 1973 का वेइर्डो था, जो 22 पाउंड (10 किलो) का था। ये ब्रह्मा नहीं, बल्कि व्हाइट लेगहॉर्न था. लेकिन ब्रह्मा का रिकॉर्ड 17-18 पाउंड तक पहुंच चुका है।

ऐसे हुई पैदावार

ब्रह्मा की कहानी 19वीं सदी की है। 1840 में ब्रिटेन से अमेरिका भेजे गए बड़े एशियाई मुर्गों ग्रे जंगल फाउल (चाइनीज शांगहाई) और मलय चिकन को लोकल चट्टाग्राहम चिकन के साथ क्रॉस किया गय। इसे 1852 में पहली बार न्यूयॉर्क पोल्ट्री शो में दिखाया गया, जहां इनकी ऊंचाई और वजन ने सबको हैरान कर दिया। नाम 'ब्रह्मा' ब्रह्मपुत्र घाटी से आया, जहां से मूल एशियाई स्टॉक था। अमेरिकन पोल्ट्री एसोसिएशन ने 1874 में इसे मान्यता दी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com